रांची
शुक्रवार
16.09.2022
आश्विन कृष्ण पक्ष 06
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह

खुशी उड़ती हुई तितली के जैसी है, जिसे पकड़ने के लिए आप जितना दौड़ेंगे यह उतना ही आपसे दूर चली जायेगी। यदि आप शांत मुद्रा में एक जगह स्थिर हो जायेंगे तो यह खुद आपके कंधे के पास बैठ जायेगी।

www.rastriyanaveenmail.com | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | वर्ष-23 अंक-224 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

सीएम हेमंत सोरेन ने जेएमएम प्रमुख शिबू सोरेन से की मुलाकात

1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति लागू करने के प्रस्ताव की दी जानकारी

शिक्षामंत्री ने 1932 खतियान लिखित चादर ओढ़ाकर शिबू सोरेन से लिया आशीर्वाद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को मोरहाबादी रांची स्थित आवास में अपने पिता पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान राज्य सभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उन्हें 14 सितम्बर को सम्पन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 1932 खतियान आधारित झारखंड का स्थानीय निवासी की परिभाषा एवं पहचान के लिए विधेयक, 2022 के गठन की स्वीकृति दिये जाने एवं अन्य बड़े निर्णयों के संबंध में अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने भेंट-वार्ता के क्रम में कहा कि राज्य सरकार उनके सपनों को पूरा कर रही है। उनके लंबे संघर्ष और आंदोलन के बाद जिस उद्देश्य से अलग झारखंड राज्य मिला है, अब उस राज्य को उनकी सरकार हर क्षेत्र में बेहतर दिशा देकर आगे बढ़ा रही है। मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान राज्य सभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हरेक राज्यवासियों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने का आशीर्वाद दिया। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

राज्यपाल से मिले सीएम, जल्द फैसला लेने का किया आग्रह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में चल रहे सियासी घमासान के बीच गुरुवार को सीएम हेमंत सोरेन ने राज्यपाल रमेश बैस से मुलाकात की। इस दौरान सीएम सोरेन ने राज्यपाल से चुनाव आयोग की सिफारिश की एक कॉपी उन्हें भी उपलब्ध कराने और जल्द से जल्द फैसला करने की अपील की है।

कुर्सी पर और अनिश्चितता नहीं चाहते हैं हेमंत सोरेन, राज्यपाल से चुनाव आयोग के मंतव्य की मांगी कॉपी

सीएम हेमंत सोरेन ने अपने ऑफिसियल अकाउंट पर ट्वीट किया, 'आज राजभवन में माननीय राजपाल रमेश बैस जी से मुलाकात कर राज्य में विगत तीन सप्ताह से अधिक समय से उत्पन्न अनापेक्षित और दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों की अनिश्चितता को दूर करने हेतु पत्र सौंपा जिससे इस भ्रम की स्थिति में भाजपा द्वारा किये जा रहे अनैतिक प्रयास से उसे रोका जा सके।' सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि उन्हें झारखंड राज्य में विगत तीन सप्ताह से अधिक समय से उत्पन्न असामान्य, अनापेक्षित एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों के कारण आज उनके समक्ष उपस्थित होने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है।

बीजेपी की ओर से रची जा रही है साजिश : हेमंत

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि फरवरी, 2022 से ही बीजेपी द्वारा यह भूमिका रची जा रही है कि उनके द्वारा पत्थर खनन पट्टा लिये जाने के आधार पर उन्हें विधान सभा की सदस्यता से अयोग्य ठहरा दिया जायेगा। इस संबंध में भाजपा द्वारा एक शिकायत भी दर्ज की गयी थी। हालांकि, संबंधित विषय के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा करतार सिंह भदाना बनाम हरी सिंह नलवा और सीकेवी राव बनाम दंतू भाष्कर के मामले में दिये गये आदेश से पूर्व में ही सारी स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में कहा गया है कि खनन पट्टा लिये जाने से जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 9ए के प्रावधान के अंतर्गत अयोग्यता उत्पन्न नहीं होती है। इस विषय में मंतव्य गठन के लिए संविधान के अनुच्छेद 192 के अन्तर्गत उनके रेफरेंश के अनुसरण में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सुनवाई भी आयोजित की गयी। आयोग की ओर से अपना मंतव्य भी भेज दिया ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

बालू घाटों की बंदोबस्ती पर लगी रोक एनजीटी ने हटायी

रांची। झारखंड में बालू किल्लत के बीच एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) ने राज्य में बालू घाटों की बंदोबस्ती पर लगी रोक हटा दी है। झारखंड में बालू घाटों की बंदोबस्ती पर रोक लगाने की मांग को लेकर दाखिल की गयी याचिका पर अपना फैसला सुना दिया है। बता दें कि 25 अगस्त को इस मामले से जुड़े सभी पक्षों को सुनने के बाद ट्रिब्यूनल ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले एनजीटी ने राज्य में बालू की बंदोबस्ती पर स्थगन के आदेश दिया था जिसके कारण झारखंड में बालू घाटों की बंदोबस्ती नहीं हो पा रही थी, लेकिन ट्रिब्यूनल का आदेश आने के बाद अब झारखंड में बालू घाटों की बंदोबस्ती का रास्ता पूरी तरह से साफ हो गया है। एनजीटी ने अपने आदेश में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक बंदोबस्ती की प्रक्रिया की जाये, इसके साथ ही डीएसआर (डिस्ट्रिक सर्वे रिपोर्ट) का भी पालन किया जाये।

केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री ने एम. विश्वेश्वरैया की प्रतिमा का किया अनावरण

रांची। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार ने गुरुवार को इंजीनियर्स-दिवस के अवसर पर रांची स्थित राष्ट्रीय उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएएमटी) में एम. विश्वेश्वरैया की प्रतिमा का अनावरण किया। अपने दो दिवसीय रांची दौरे पर श्री सरकार ने संस्थान द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला रिमेनुफैक्चरिंग कैपेसिटी बिल्डिंग का भी उद्घाटन किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री सरकार ने मेक इन इंडिया के तहत पुनर्निर्माण की आवश्यकता पर बात करते हुए कहा कि इस तरह की कार्यशाला से रोजगार को बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही कर्मचारियों के रेट्रेंचमेंट भी कम हो जायेगा। इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट से नयी वस्तुओं के पुनर्निर्माण पर भी काम किया जा रहा है जो कि सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगा। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, हटिया क्षेत्र के विधायक नवीन जायसवाल और रांची की मेयर आशा लकड़ा भी मौजूद रहे।

बेरोजगारी व पलायन मुक्त झारखंड का निर्माण है लक्ष्य : हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री से विभिन्न जिलों के जिला परिषद अध्यक्षों ने की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे जिला परिषद अध्यक्षों ने मुलाकात की। भेंट-वार्ता के क्रम में जिला परिषद अध्यक्षों ने त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु जिला परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को शक्तियां एवं सुविधाएं प्रत्योजित किये जाने संबंधी अपने नौ सूत्री मांगों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री के समक्ष ज्ञापन के माध्यम से मांग रखी गयी है कि सरकार द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के अधीन 14 विभाग की शक्तियां प्रदत्त की गयी हैं, उन सभी विभागों को प्रदान की गयी शक्तियों का अक्षरशः पालन कराये जाने एवं झारखंड राज्य के जिला ग्रामीण विकास विभाग का विलय जिला परिषद में होने के बावजूद अभी तक जिला परिषद को स्वतंत्र प्रभार नहीं दिये जाने तथा जिला परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों को आवास, वाहन, अंगरक्षक एवं यात्रा भत्ता उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित की जाये। मुख्यमंत्री को सौंपे गये ज्ञापन में इन मांगों के अतिरिक्त त्रिस्तरीय पंचायती राज को मजबूत एवं सुदृढ़ करने हेतु कई अन्य मांग भी उल्लेखित है।

जनता का हो रहा है काम, आपके साथ खड़ी है जनता : इस अवसर पर विभिन्न जिलों से पहुंचे जिला परिषद अध्यक्षों ने राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। राज्य सरकार द्वारा मंत्रिपरिषद की बैठक में 1932 खतियान आधारित झारखंड का स्थानीय निवासी की परिभाषा एवं पहचान हेतु विधेयक गठन की स्वीकृति दिये जाने को लेकर मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया एवं मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। जिला परिषद अध्यक्षों ने एक स्वर में मुख्यमंत्री से कहा कि ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

जिप अध्यक्षों ने पंचायती राज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नौ सूत्री मांगों को रखा

सभी को हक-अधिकार और सम्मान दे रही सरकार

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जिला परिषद अध्यक्षों से कहा कि आपकी मांगों पर राज्य सरकार सकारात्मक पहल करते हुए विधिसम्मत यथोचित कार्यवाही करेगी। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि वर्तमान सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी। सभी को सम्मान तथा हक-अधिकार मिले इस निमित्त सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को नयी दिशा देने में सरकार लगी हुई है। राज्य सरकार द्वारा संचालित विकासात्मक योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी लोग जानते हैं कि झारखंड में गरीब वर्ग के लोग अधिक संख्या में हैं। गरीब तथा जरूरतमंद वर्ग के लोगों को राज्य सरकार सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने का काम कर रही है। हमारी सरकार से हर वर्ग को उम्मीदें हैं। उनके उम्मीदों और आकांक्षाओं के अनुरूप ही कार्य हो रहा है।

सीएम का नवनियुक्त माध्यमिक शिक्षकों ने जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य का मुखिया होने के नाते हम एक ओर राज्य को बेहतर दिशा देने का काम कर रहे हैं, वहीं व्यवस्था में वर्षों से चली आ रही खामियों को दूर करने का प्रयास भी लगातार जारी है। पूर्व सरकारों की गलत नीतियों का खामियाजा राज्यवासियों को भुगतना पड़ा है। उन्हें इस वजह से लंबा संघर्ष करना पड़ा, लेकिन हमारी सरकार अब सिस्टम को सुव्यवस्थित कर रही है, ताकि आपकी समस्याओं का समाधान निकल सके। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में नवनियुक्त माध्यमिक शिक्षक-2019 बैच (अनुसूचित क्षेत्र) द्वारा आयोजित आभार कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए ये बातें कही। मौके पर नवनियुक्त शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि हमारी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में आगे ले जाने का जो लक्ष्य रखा है, उसकी अहम कड़ी के रूप में आप अहम योगदान देंगे।

राज्य को दशा-दिशा देने के साथ व्यवस्था में वर्षों से चली आ रही खामियों को कर रहे हैं दूर : सीएम

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त माध्यमिक शिक्षकों से कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी आप परेशान रहे, आपका मामला सर्वोच्च ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

प्रदेशभर में मनाया जायेगा स्वच्छ अमृत महोत्सव

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव विनय कुमार चौबे ने कहा है कि प्रदेश के नगर निकाय, उन योजनाओं पर विशेष ध्यान दें जो योजना सरकार की प्राथमिकता सूची में शामिल है। उन्होंने कहा कि शहरी लोगों को हर मूलभूत सुविधाएं मिलें, यह सरकार की प्राथमिकता है। जुपमी बिल्डिंग स्थित सभागार में आयोजित नगर विकास एवं आवास विभाग की समीक्षा बैठक में बोलते हुए श्री चौबे ने ये बात कही। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन, अमृत योजना, 15वां वित्त आयोग, प्रधानमंत्री आवास योजना, फिकल स्लग मैनेजमेंट सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने योजनाओं को समय पर पूरा कर अतिरिक्त योजनाओं का प्राक्कलन तैयार कर प्रस्ताव भेजने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन शहरों में आवास योजनाएं चल रही हैं, वहां लाभुकों को बैंकों से लोन दिलाने के लिए भी आप जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर कार्य शुरू करें। उन्होंने जुडको और विभाग के तकनीकी कोषांग को भी आवश्यक निर्देश दिया।

बैठक में राज्य शहरी विकास अभिकरण के निदेशक अमित कुमार ने निकायवार सभी योजनाओं की समीक्षा की और प्रगति की जानकारी ली। इसके साथ ही सभी निकायों में संचालित स्वच्छ भारत मिशन, अमृत योजना, 15वां वित्त आयोग के तहत चल रही योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 17 सितम्बर से दो अक्टूबर तक प्रदेश के सभी नगर निकायों में स्वच्छ अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। जिसके तहत 17 ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

17 सितम्बर से दो अक्टूबर के बीच मनाया जायेगा महोत्सव

निकायों को बड़ी संख्या में वॉलिंटियर निबंधन का निर्देश

ब्राउन शुगर के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

रांची। लोअर बाजार थाने की पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पत्थलकुदवा के मो. जावेद कुरैशी, आजाद बस्ती के माजिद आलम, मौलाना आजाद कॉलोनी का मो. तहसीन और इम्तियाज आलम शामिल है। इन आरोपियों के पास से पुलिस ने 16 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया है। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि एसएसपी किशोर कौशल को ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की गुप्त सूचना मिली। इसके बाद पुलिस की टीम ने कांटाटोली बस स्टैंड में छापेमारी की। चारो आरोपी ब्राउन शुगर बेच रहे थे। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे। जवानों ने चारों को खदेड़कर दबोच लिया। तलाशी के दौरान चारो आरोपी के पास से चार-चार पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार किया है।

पंकज मिश्रा पर ईडी आज करेगी चार्जशीट

19 जुलाई को ईडी ने पंकज मिश्रा को किया था गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अवैध खनन व टेंडर मैनेज करने से जुड़े मनी लाउंड्रिंग के केस में पंकज मिश्रा के खिलाफ ईडी शुक्रवार को चार्जशीट दायर करेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बरहेट विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को 19 जुलाई को ईडी ने रांची में पूछताछ के लिए बुलाया था। इसके बाद गिरफ्तारी हो गयी थी। इस मामले में कानूनी प्रावधानों के तहत 60 दिनों के भीतर चार्जशीट नहीं होने पर पंकज मिश्रा को राहत मिल सकती थी। जानकारी के मुताबिक, ईडी ने पंकज मिश्रा के खिलाफ तीन हजार पन्नों से अधिक का साक्ष्य जुटाया है। चार्जशीट भी तीन हजार पन्नों से अधिक का है, जिसकी स्क्रूटनी हो चुकी है।

पंकज मिश्रा के संरक्षण में अवैध खनन का खेल : ईडी ने अपनी जांच में पाया था कि साहिबगंज में 100 करोड़ से अधिक की अवैध कमाई अवैध खनन के जरिये की गयी है। भारी पैमानें पर वन भूमि में भी खनन की जानकारी ईडी ने जुटायी थी। ईडी ने जानकारी दी थी कि राजनेताओं और बड़े ब्यूरोक्रेट्स के संरक्षण में साहिबगंज में अवैध खनन किया गया था। जबकि पंकज मिश्रा को साहिबगंज में अवैध खनन का मास्टरमाइंड बताया गया था।

1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति पर विरोधियों के साथ अपनों से भी घिरे सीएम

कोड़ा दंपती ने कहा- यह नीति लागू हुआ तो कोल्हान के 45 लाख लोग हो जायेंगे रिफ्यूजी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में सीएम हेमंत सोरेन ने 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति बनाये जाने से संबंधित विधेयक के प्रारूप को मंजूरी दे दी है। इसकी घोषणा के साथ ही सीएम हेमंत सोरेन विरोधियों के साथ ही अपनों से ही घिर गये हैं। गठबंधन सरकार में प्रमुख सहयोगी दल कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह सांसद गीता कोड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने इस प्रस्ताव का खुलकर विरोध किया गया है। वहीं, बीजेपी के गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे ने कहा कि राज्य के छह मंत्रियों के पास भी 1932 का खतियान नहीं है।

कोल्हान में 1964, 65 व 70 में सर्वे सेटलमेंट : पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि 1932 खतियान पर स्थानीयता का प्रस्ताव लाया गया, तो सिर्फ कोल्हान प्रमंडल में ही 45 लाख लोग रिफ्यूजी हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि स्थानीय नीति का आधार 1932 करने से लाखों लोगों की परेशानी बढ़ जायेगी, क्योंकि कोल्हान का सर्वे सेटलमेंट 1964, 1965 और 1970 में हुआ था, जिसे राज्य सरकार नहीं मान रही है। सरकार को प्रस्ताव पर पुनर्विचार करना चाहिए। ऐसा नहीं हुआ, तो विरोध में वृहद आंदोलन किया जायेगा। **इधर,** गोड्डा के बीजेपी सांसद निशिकांत दूबे ने कहा कि यह प्रस्ताव वर्ष 2002 में तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी द्वारा लिया गया है। उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन से कहा कि जनता को गुमराह मत करिये, कल से ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

बीजेपी सांसद ने कहा- छह मंत्रियों के पास भी 1932 का खतियान नहीं

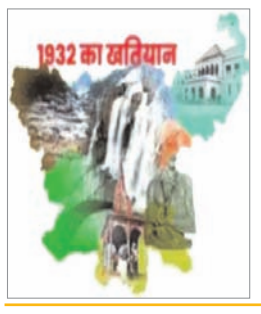

कोल्हान के लाखों लोगों के साथ अन्याय

प्रदेश कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष और सिंहभूम की सांसद गीता कोड़ा ने भी राज्य में 1932 आधारित स्थानीय नीति के प्रस्ताव लाये जाने का विरोध किया है। गीता कोड़ा ने कहा कि स्थानीय नीति के लिए 1932 के खतियान को आधार बनाये जाने के कारण कोल्हान के लाखों लोगों के साथ अन्याय हो जायेगा। उन्होंने सरकार से इस पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, अन्यथा कोल्हान के लोग आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

स्थानीय नीति के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन की आशंका के मद्देनजर बढ़ायी गयी सतर्कता

झारखंड सरकार द्वारा प्रस्तावित-1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति बनाने के प्रस्ताव पर विरोध-प्रदर्शन की आशंका के मद्देनजर सतर्कता बढ़ा दी गयी है। वहीं, दुर्गा पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिए भी सुरक्षा बढ़ायी गयी है। पुलिस मुख्यालय से गुरुवार को मिली जानकारी के मुताबिक स्थानीय नीति के विरोध प्रदर्शन की संभावना के मद्देनजर झारखंड पुलिस पूरी तरह से से अलर्ट मोड में है। इसे लेकर राज्यभर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गयी है। राज्य के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण ले रहे पुलिसकर्मियों को भी वापस बुलाया गया है।

नीट में धांधली ?

जांच के लिए हाईकोर्ट में लगायी याचिका

- आरएनएम

नयी दिल्ली। मध्य प्रदेश के आगर जिले के नलखेड़ा के पास भेसोदा गांव में रहनेवाली एक छात्रा नीट परीक्षा परिणाम के खिलाफ कोर्ट पहुंची है। उसका कहना है कि रिजल्ट में दिखायी जा रही ओएमआर शीट उसकी नहीं है। उसने ओएमआर शीट में अंतर बताते हुए कोर्ट से न्याय की गुहार लगायी है। चौंकाने वाली बात यह है कि छात्रा ने 12वीं में सभी विषयों में डिस्टिंक्शन हासिल किया था, वहीं नीट के परिणाम में उसे शून्य नंबर मिले हैं। छात्रा को आशंका है कि उनकी ओएमआर शीट बदल दी गयी है।

161 प्रश्न हल किये हैं, तो ओएमआर सीट खाली कैसे दिख रही : लिपाक्षी

बारहवीं में सभी विषय में डिस्टिंक्शन मिली थी, नीट में 161 प्रश्न करने पर भी शून्य कैसे?

जानकारी के अनुसार आगर जिले के नलखेड़ा के पास भेसोदा गांव में रहनेवाली लिपाक्षी पाटीदार को नीट के सात सितम्बर को घोषित परिणाम में जीरो नंबर मिले हैं। पहले तो लिपाक्षी को रिजल्ट पर भरोसा नहीं हुआ, उसने अपने दोस्तों की आंसर शीट देखी पर उसमें कोई अंतर नहीं दिखा। छात्रा की मानें तो उसने 200 प्रश्नों में से 161 प्रश्न हल किये हैं। उसका अनुमान था कि उसे 640 नंबर आ सकते हैं। उलट परिणाम आने के बाद परिजनों की सलाह ली गयी और जबलपुर हाईकोर्ट में अपील की गयी। छात्रा का कहना है कि हमें न्याय जरूर मिलेगा। बता दें कि छोटे से ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

न्यूज गैलरी

बाईक सड़क दुर्घटना में पांच लोग घायल

मांडर। थाना क्षेत्र के दो स्थानों पर दो बाईक सड़क दुर्घटना में पांच लोग घायल हो गये।चार घायलों को मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक चिकित्सा के बाद रिम्स राँची बेहतर ईलाज के लिए भेज दिया गया है।पहली घटना मांडर टांगरबसली मुख्य पथ पर नारो पेट्रोल पंप के समीप हुई जिसमें बाईक से सोएब अंसारी 20 वर्ष, बिरसा एक्का 17 वर्ष व चेपो उरांव 20 वर्ष घायल हो गये।सोएब अंसारी व चेपो उरांव टाँगरबसली को रेफरल अस्पताल में प्राथमिक ईलाज के बाद रिम्स रेफर कर दिया गया।दूसरी घटना एन एच- 75 में मुड़मा पेट्रोल पंप के समीप की है जहां राँची जाने के क्रम में बाईक सवार राँची निवासी 43वर्षीय अफसर आलम तथा पंडरा निवासी47 वर्षीय सुजीत कुमार डिवाईडर से टकरा कर गिरने से घायल हो गये।दोनों को मांडर पुलिस ने मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक ईलाज कराकर बेहतर ईलाज के लिए रिम्स राँची भेज दिया है।

1932 का खतियान एवं ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर कांग्रेसियों ने मनाया जश्न

मांडर। मांडर प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद के नेतृत्व में मुड़मा चौक में खुशी का इजहार किया गया। कांग्रेसियों ने 1932 का खतियान एवं ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण झारखंड सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन एवं कैबिनेट के मंत्रीयों के द्वारा आरक्षण लागू करने के सरकार के फैसले पर खुशी मनाते हुए मिठाइयां बांटी और पटाखे फोड़े। मौके पर साकिर इस्लाही, अजबुल अंसारी, अजीम अंसारी, बिरसा उरांव, घीनू उरांव, जगराम उरांव, राजेंद्र ठाकुर, मोहित, असलम अंसारी, तनवीर आलम, अब्रूल अंसारी, अब्दुल अंसारी, आबिद अंसारी, सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रेल धनबाद- जमशेदपुर में 16 दारोगा पदस्थापित

रांची। राज्य पुलिस मुख्यालय ने राज्य पुलिस स्थापना पर्षद की बैठक के बाद रेल जमशेदपुर व रेल धनबाद में दरोगा स्तर के 16 अफसरों को पदस्थापित किया है। पुलिस मुख्यालय ने रांची जिला बल से दरोगा तारीक अनवर, नवीन कुमार रजक, विनोद राम को रेल धनबाद, जमादार मुंडा, विंध्यवासिनी कुमारी सिन्हा को जमशेदपुर, जमशेदपुर जिलाबल से से ज्योति लाल रजवान और सुनील कुमार कुशवाहा को रेल जमशेदपुर, अशोक राम और नीरज कुमार को रेल धनबाद, पाकुड़ जिला बल से मदन कुमार को रेल धनबाद, रामगढ़ जिला बल से अजीत कुमार भारती को रेल धनबाद, पलामू जिला बल से संतोष कुमार सिंह, राकेश कुमार रवि को रेल धनबाद, गढ़वा जिला बल से पंकज कुमार तिवारी को रेल जमशेदपुर, गुमला जिला बल से विमल कुमार को रेल धनबाद, सिमडेगा जिला बल से रामेश्वर भगत को रेल जमशेदपुर भेजा गया है। पुलिस मुख्यालय की डीआईजी कार्मिक ने आदेश जारी किया है कि संबंधित जिलों के एसपी पुलिस पदाधिकारियों को विरमित कर अविलंब इस संबंध में प्रतिवेदन पुलिस मुख्यालय को भेजें।

आवास योजनाओं से वंचित लाभुकों से आरती कुजूर ने की मुलाकात

नामकुम। नामकुम प्रखंड के दर्जनों गांव के कई जरूरतमंद लोगों को आवास योजना से वंचित है। वहीं कई लाभुकों के आवास की प्रतीक्षा सूची में ही नाम है। वैसे सभी लाभुकों से भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती कुजूर ने मुलाकात कर नामकुम प्रखण्ड कार्यालय से संर्पक आवास ना मिलने कारण की जानकारी ली। इससे संबंधित उपायुक्त रांची को पत्र लिख ऐसे कुछ गरीब और जरूरतमंद लोगों को आवास देने का आग्रह किया जिनका न तो सूची में नाम है और न ही आवास देने में किसी ने पहल की। मौके पर आरती कुजुर ,पंचायत सेवक पुरन महली के साथ वार्ड सदस्य शशिकला कुजूर, बबिता देवी,पूनम देवी,विजय महली,बबलू नायक उपस्थित थे।

डीसी ने स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा की

एमओआईसी और सीडीपीओ को प्रत्येक माह बीएलएमसी की बैठक करने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समाहरणालय ब्लॉक ए स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सिविल सर्जन रांची, जिला मलेरिया पदाधिकारी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, आयुष मेडिकल ऑफिसर, सभी एमओआईसी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनएचएम, जिला समन्वयक आयुष्मान भारत, सभी सीडीपीओ, डीसीपीओ एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों एवं बाल

संरक्षण पदाधिकारियों को प्रत्येक माह बीएलएमसी की बैठक करने का निर्देश दिया गया। सभी सीडीपीओ को वीएचएसएनडी दिवस पर निश्चित रूप से क्षेत्र भ्रमण करने का निर्देश उपायुक्त ने दिया। उन्होंने कहा कि सभी सीडीपीओ और एमओआईसी संयुक्त रूप से क्षेत्र भ्रमण करें। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं मुख्यमंत्री कन्यादान योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि पात्र लोगों को योजना का लाभ ससमय देने के लिए गंभीरता पूर्वक कार्य करें। आगामी राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन 17 अक्टूबर, 2022 को राज्य के चिन्हित जिलों के सभी स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में तथा छूट गए बच्चों हेतु मॉप-अप दिवस दिनांक 20 अक्टूबर 2022 को आयोजित किया जाएगा। जिसमें स्कूल शिक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा निर्धारित एल्बेंडाजोल की खुराक 1-19 वर्ष आयुवर्ग के सभी बच्चे और किशोर/किशोरियां दी जाएगी।कृमि मुक्ति दिवस के सफल कार्यान्वयन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को ऊपायुक्त द्वारा आवश्यक निदेश दिया गया। कोविड-19 टीकाकरण को लेकर उपायुक्त द्वारा सिविल सर्जन को कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों एवं चिन्हित गर्भवती/धात्री महिलाओं एवं बच्चों का शत प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराएं।

फिल्म थैंक गॉड को लेकर विरोध शुरू

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अभिनेता अजय देवगन की आने वाली फिल्म थैंक गॉड को लेकर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के द्वारा विरोध की शुरूआत कर दी गई है। फिल्म में भगवान चित्रगुप्त को लेकर जिस तरह से धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाई गई है उसे देखते हुए अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के द्वारा फिल्म के निमार्ता और कलाकारों के खिलाफ रांची अरगोड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज करने का आवेदन दिया गया है।

क्या है पूरा मामला : अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के द्वारा दिए गए आवेदन में यह कहा गया है कि भगवान चित्रगुप्त को लेकर कायस्थ जाति में गहरी आस्था और श्रद्धा है ।हिंदू पुराणों एवं ग्रंथों के अनुसार संपूर्ण चराचर सृष्टि के रचयिता परम पिता ब्रह्मा जी के मानस पुत्र भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज हैं। लेकिन हाल ही में थैंक गॉड नाम के फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ है। फिल्म के ट्रेलर को देखने चाहिए साफ पता चलता है कि भगवान चित्रगुप्त का घोर अपमान और उनका आपत्तिजनक चित्रण इस फिल्म में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस प्रकार के अश्लील चित्रण से कायस्थ जाति के लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा है। फिल्म के ट्रेलर में चित्रगुप्त भगवान को आधुनिक वस्त्रों में दिखाया गया है और उन्हें एक कमीडियन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। वहीं फिल्म में जो भगवान चित्रगुप्त का दरबार दिखाया गया है उसके अंदर अश्लील कपड़ों में महिलाओं को दिखाया गया है। यही नहीं फिल्म के एक और कलाकार सिद्धार्थ मल्होत्रा के द्वारा भगवान चित्रगुप्त का कॉलर पकड़ते हुए भी दिखाया गया है। फिल्म के ट्रेलर में अंतिम में यह भी लिखा गया है कि इस दिवाली चित्रगुप्त तुम्हारे और तुम्हारे परिवार के साथ जीवन का खेल खेलने आ रहे हैं। फिल्म का ट्रेलर देखकर धार्मिक भावनाएं आहत हो रही है। अखिल भारतीय कायस्थ सभा के अनुसार एक सोची समझी साजिश के तहत फिल्म निमार्ताओं के द्वारा धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया जा रहा है।

झारखंड में आगामी पर्व त्योहार को लेकर 17 जिलों में 2800 अतिरिक्त जवानों की तैनाती, संभालेंगे विधि-व्यवस्था

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में आगामी पर्व त्योहार को लेकर पुलिस मुख्यालय राज्य के 17 जिलों में अतिरिक्त पुलिस बलों को तैनाती करेगी। इसे लेकर कवायद शुरू कर दी गयी है। आने वाले दिनों में कई त्योहार दुगार्पूजा, दीवाली, छठ,

चेहल्लूम क्रिसमस आदि में विधि व्यवस्था तथा जिलों में ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए तैयारी मुख्यालय स्तर से शुरू कर दी गयी है। इन पर्व त्यौहार पर सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर 17 जिलों में 2800 पुलिस बलों को तैनाती को लेकर पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी कर दिया है। राँची, जमशेदपुर, हजारीबाग, गिरीडीह, बोकारो, पलामू, पाकुड़, साहिबगंज, सराइकेला-खरसावाँ, रामगढ़, चतरा, देवघर, धनबाद, गोड्डा, दुमका, कोडरमा और गढवा में अतिरिक्त बल की प्रतिनियुक्ति की जायेगी। जैप-2, टीटीएस, जैप-5, जैप-6, जैप-9, जंगलवार फेयर स्कूल नेतरहाट औ? जेएपीटीसी पदमा के एसपी को संबंधित जिले के एसपी से समन्वय स्थापित कर जवानों को अविलंब प्रतिवेदित कराने का आदेश दिया है। अतिरिक्त बलों को दंगा रोधी उपकरणों के साथ विधि व्यवस्था ड्यूटी में तैनात किया जायेगा। पुलिस मुख्यालय चप्पे-चप्पे पर पुलिस बलों को तैनात करने की योजना बनाई है।

भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर पहुंचे रांची

रांची। भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह फतेहपुर सीकरी के सांसद राजकुमार चाहर आज शाम 6.15 बजे राँची के भगवान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे। उनके राँची आगमन पर भाजपा किसान मोर्चा राँची महानगर के कार्यकताओं ने हवाई अड्डे पर अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर का फूल-माला एवं फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया। श्री चाहर प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के जमशेदपुर में चल रहे दो दिवसीय कार्यसमिति बैठक में कल के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। आज राँची हवाई अड्डे पर उनके स्वागत में प्रदेश किसान मोर्चा के महामंत्री ललित नारायण ओझा, मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य अशोक सिंह, महानगर भाजपा अध्यक्ष के के गुप्ता, पंकज सिन्हा, विशाल सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डिप्लोमा अभियंता संघ ने मनाया अभियंता दिवस

डिप्लोमा अभियंताओं के ग्रेड पे में जल्द किया जायेगा समाधान : रामेश्वर

नवीन मेल संवाददाता

नामकुम। डिप्लोमा अभियंता संघ झारखण्ड के केन्द्रीय कार्यालय नामकुम में गुरूवार को अभियंता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समरोह के दौरान मुख्य अतिथि में वित मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए वित मंत्री कहा कि अभियंता विकास के मेरूदंड है, वे ही आधुनिक भारत के निमार्ता है। वित्त मंत्री ने डिप्लोमा अभियंताओं प्रमुख मांग ग्रेड पे की विसंगति 42 सौ से 48 सौ को जल्द दूर करने का आश्वासन देते हुए अभियंताओं को विधि व्यवस्था के कार्य से मुक्त करने का भी आश्वासन दिया। संघ के महामंत्री

ई गुप्तेश्वर राम ने सरकार से केन्द्र सरकार के सामान वेतनमान औरसेवा शने लागु करने की मांग रखते हुए राज्य में पुरानी पेंशन योजना चालु कराने के लिए वित मंत्री को धन्यवाद देते संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए नए सदस्यों को आगे आने की अपील की। वहीं अध्यक्ष शहनवाज खां द्वारा अभियंताओं की समस्याओं के निदान के लिए एकजुटता बनाने की बात कही गयी साथ ही उन्होने मंत्री डा उरांव से अनुबंध पर काम करनेवाले अभियंताओं के समायोजन और प्रमोशन के लिए रास्ता निकालने की बात कही। इससे पूर्व मुख्य अतिथि डा उरावं के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर और डा मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया के चित्रपर माल्यापर्ण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। कार्यक्रम को विशिस्ट अतिथि ई श्यामदास सिंह, हीरालाल रजक योगेन्द्र प्रसाद, अरूणोदय कुमार, कुमार ब्रजेश और शेखर कुमार द्वारा भी संबोधित किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में अभियंतागण और सेवानिवृत अभियंतागण मौजूद थे।

पिछड़े समाज का कर्तव्य है अपने समाज के लिए हक की लड़ाई लड़ना : राजेश कुमार गुप्ता

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हम पिछड़ा समाज के बेटे हैं और मेरा कर्तव्य था ओबीसी के हक अधिकार की लड़ाई लड़ना जो मैं मंत्री होते हुए कैबिनेट में और कैबिनेट से बाहर भी आरक्षण बढ़ाने की लड़ाई लड़ता रहा है और जीत हुई। गुरुवचार को खुशी इस बात का भी है कि राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा लगातार हमारे ऊपर विभिन्न कार्यक्रम कर दबाव बनाए हुए था कि आप ओबीसी का हक अधिकार जल्द दिलाएं। उपरोक्त बातें आज अपने आवास डोरंडा पर राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के तत्वाधान में आयोजित स्वागत आभार कार्यक्रम में बोल रहे थे। कैबिनेट में ओबीसी को 27 परसेंट आरक्षण का प्रस्ताव पारित होने पर राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में प्रदेश कमेटी के पदाधिकारी व जिले के पदाधिकारियों ने गगनभेदी नारों के साथ माननीय मंत्री बन्ना गुप्ता को गुलदस्ता, फूल माला से लाद दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ड्इउ मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ने गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि माननीय

मंत्री बन्ना गुप्ता ने ओबीसी के हक अधिकार दिलाने में अथक प्रयास किया है राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा लगातार सरकार के ऊपर विभिन्न आंदोलन आत्मक कार्यक्रम कर सरकार पर दबाव बनाए था। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा राज्य के तमाम विधायकों मंत्रियों के प्रति आभार व्यक्त करता है जिन्होंने इस आंदोलन का समर्थन सहयोग किया है। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव प्रभात शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष सूबेदार एसएन सिंह संजय मेहता प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रियंका कुमारी प्रदेश सचिव अजय मेहता विद्याधर प्रसाद रांची ग्रामीण जिला अध्यक्ष शिव प्रसाद साहू कार्यकारी अध्यक्ष अजय मेहता आर्थिक सलाहकार सुनील जायसवाल अमित कुमार खुशियाल साहू सहित कई लोग उपस्थित थे।

अभियंता दिवस के मौके पर इंजीनियर अभिजीत कुमार हुए सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। छात्र क्लब ग्रुप के तत्वावधान में गुरुवार को क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा के अध्यक्षता में अभियंता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन अशोक नगर, रोड नंबर एक में संपन्न हुआ। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि आस्था जीवन के सचिव विनोद कुमार साहू, झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज रांची जिला अध्यक्ष संतोष कुमार, छात्र क्लब मानव कल्याण मंच के प्रदेश संरक्षक ललित कुमार चौधरी मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ हमारे देश भारत के महान अभियंता भारतरत्न प्राप्त मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। संतोष कुमार ने अभियंता दिवस के इतिहास को बताते हुए कहा मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया आधुनिक भारत में विश्वकर्मा के रूप में बहुत ही सम्मान के साथ स्मरण किए जाते हैं।

वे अपने समय के महशूर इंजीनियर एवं वैज्ञानिक थे। उन्होंने हमारे देश भारत के विकास में अपना जीवन समर्पित कर दिया था। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारनी चाहिए। मोक्षगुंडम विश्वेश्वरय्या के जन्म तिथि को अभियंता दिवस के रूप मनाई जाती है। इसके पूर्व रांची के (इंजीनियर) रीजनल अफसर अभिजीत कुमार को इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया। शिवकिशोर शर्मा ने कहा रिजनल ऑफिसर अभिजीत कुमार मृदुभाषी के साथ-साथ समाजसेवी भी हैं। वे जरूरतमंदों की सेवा करना ही अपना धर्म समझते हैं। उनमें सेवा की भावना कूट कूट कर भरी हुई है।क्लब की ओर से कडरू,अरगोड़ा,हरमू आदि क्षेत्र के मुहल्ले में जरूरतमंदों के बीच मास्क, सैनिटाइजर, बैंडेज, कॉटन डिटॉल आदि सुरक्षा किट वितरण कर कार्यक्रम समापन की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब के संरक्षक सतीश सिंह, ऋतुराज वर्षा, युवराज पासवान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रांची पुलिस ने हथियार के साथ दो युवक को किया गिरफ्तार

रांची। रांची पुलिस ने मांडर के चटकल मोड़ के पास से हथियार के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में सोहन टाना भगत और प्रकाश उरांव शामिल है। दोनों आरोपी के पास से एक देसी कट्टा व दो गोली बरामद की गई है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी बंधन बैंक के कर्मी को लूटने की योजना बनायी थी। इसकी जानकारी मिलने के बाद खलारी डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने चटकल मोड़ के पास वाहन चेकिंग अभियन शुरू की। इसी दौरान बीते बुधवार की शाम एक बाइक पर सवार दो अपराधी को पुलिस ने रोका। मगर वे दोनों भागने लगे। खदेड़कर पुलिस कर्मियों ने दोनों आरोपी को दबोच लिया। तलाशी के दौरान दोनों के पास से पुलिस ने हथियार बरामद किया है। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपने गिरोह के साथियों के नाम का भी खुलासा किया है। पुलिस उसकी तलाश में जुट गयी है।

कार्यालय जिला परिषद, खूँटी

विज्ञापन संः– 03/2022–23

दिनांक 22.03.2022 को प्रधान कार्यकारी समिति जिला परिषद कार्यालय खूँटी के अध्यक्षता में सम्पन्न जिला परिषद, खूँटी की बैठक की कार्यवाही के आलोक में जिला परिषद, खूँटी द्वारा जिला के सभी प्रखण्डों/पंचायतो में लगाये गये सोलर स्ट्रीट लाईट एवं सोलर पम्प की मरम्मति हेतु टेक्नीशियन एवं हेल्पर की सेवा अनुबंध के लिए योग्य फर्म एवं संस्था से पैनल तैयार करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।

क्र०	सेवा अनुबंध का नाम	पैनल में शामिल करने हेतु कोटिवार व्यक्तियों की संख्या					कुल संख्या	मासिक मानदेय
		ST	SC	BC-1	BC-2	UR		
01	टेक्नीशियन	-	-	-	-	02	02	
02	हेल्पर	-	-	-	-	01	01	

आरक्षण नीतिः– उपरोक्त सेवा अनुबंध के लिए पैनल निर्माण मे राज्य सरकार द्वारा निर्गत जिलावार आरक्षण नीति लागु मानी जायेगी।

उम्र सीमा :– फर्म यह सुनिश्चित करेगी कि सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थी की अधिकतम उम्र सीमा 40 वर्ष होगी। (उम्र सीमा की गणना दिनांक 01.01.2022 के आधार पर की जायेगी)

शौक्षणिक योग्यता :– 1. NCVT Certificate
2. Train in Solar PV Technician
3. Solar System Servicing Technician

अनुभव :– कम से कम एक साल का अनुभव, सोलर लाईट एवं पम्प मरम्मति/अधिष्ठापन मे होना चाहिए।

आवेदन समर्पित करने की प्रक्रिया :–

01. आवेदक विहित प्रपत्र में आवेदन, आवेदन शुल्क एवं सभी प्रमाण–पत्रों की स्वअभिप्रमाणित प्रति के साथ बंद लिफाफे में किसी भी कार्य दिवस को आवेदन पत्र हाथो– हाथ जिला परिषद कार्यालय, खूँटी में समर्पित करेंगे। अन्य माध्यम यथा ई–मेल, पंजीकृत डाक, कुरियर से प्रेषित आवेदन स्वीकार्य नहीं होगा।
02. आवेदन के साथ रू० 2000.00 (दो हजार रू०) मात्र शुल्क का भुगतान करना होगा।
03. आवेदन शुल्क बैंक ड्रफ्ट जो उप विकास आयुक्त–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, खूँटी के पद नाम से भुगतेय हो के माध्यम से देय होगा।
04. आवेदन पत्र समर्पित करने की अंतिम तिथि 24.09.2022 अपराह्न 4:00 बजे तक है। उक्त समय के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा। किसी भी विलम्ब के लिए चयन समिति जवाबदेह नहीं होगी आवेदन को सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि की प्रतिक्षा किये बिना ससमय आवेदन समर्पित कर दें।
05. प्राप्त आवेदन में से मूल्यांकन उपरांत जिला परिषद, स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जायेगा।
06. टेक्नीशियन/हेल्पर की नियुक्ति संबंधि जानकारी www.khunti.nic.in पर देखा जा सकता है।

ह०/–
उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी
जिला परिषद, खूँटी

PR 277860 District (22-23)_D

एफएमडी बीमारी पर राज्य स्तरीय वर्चुअल बैठक आयोजित

देश के 288 जिलों में बड़े पैमाने पर एफएमडी जागरूकता अभियान का किया संचालन : डॉ. जे महापात्रा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। वेटनरी कॉलेज के पशु रोग विज्ञान विभाग के एफएमडी नेटवर्क केंद्र द्वारा गुरुवार को खुरपका - मुँहपका रोग (एफएमडी) विषय पर राज्य स्तरीय वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। एफएमडी जागरूकता अभियान अधीन आयोजित इस वर्चुअल बैठक में एफएमडी निदेशालय भुवनेश्वर के प्रधान वैज्ञानिक, निदेशक पशुपालन, झारखण्ड, विभिन्न जिलों में कार्यरत राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनएडीसीपी) के जिला नोडल अधिकारियों एवं राज्य नोडल अधिकारी ने भाग लिया। मौके पर मुख्य वक्ता एफएमडी निदेशालय भुवनेश्वर के

प्रधान वैज्ञानिक डॉ जे महापात्रा ने एफएमडी जागरूकता अभियान का उद्देश्य तथा भारत वर्ष में एफएमडी नियंत्रण कार्य के लिए किये जा रहे शोध एवं सर्वेक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम पूरे देश के 288 जिलों में बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। भारत के इस अभियान को वैश्विक स्तर पर सराहना मिल रही है। मौके पर डीन वेटनरी डॉ. सुशील प्रसाद ने राज्य पशुपालन विभाग से एफएमडी शोध एवं सर्वेक्षण कार्य में सहयोग एवं स्वीकृति देने का आग्रह किया। ताकि कॉलेज स्थित एफएमडी नेटवर्क केंद्र के कार्यो का सुचारू संचालन किया जा सके। निदेशक पशुपालन डॉ एसपी झा ने राज्य में चल रहे राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रमों (एनएडीसीपी) की जानकारी देते हुए पशु रोग सबंधी उत्पन्न हुए कठिनाईयों को बताया। उन्होंने एफएमडी नेटवर्क केंद्र में राज्य सरकार द्वारा एफएमडी प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए सहायता देने की ईच्छा जतायी।

वाईएमसीए इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट की शुरूआत

रांची। वाईएमसीए रांची के तत्वाधान में खेले जा रहे 34 वे वाईएमसीए इंटर स्कूल मिनी फुटबॉल टूर्नामेंट के आज का पहला मैच शांति रानी स्कूल, घाघरा और वाईएमसीए पब्लिक स्कूल, धुर्वा के बीच खेला गया। शांति रानी स्कूल के ईशांत पहान ने 1 गोल और विवेक कच्छप ने 3 गोल मारकर वाईएमसीए स्कूल पर 4-0 से में जीत हासिल की। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार शांति रानी स्कूल के विवेक कच्छप हुई को ब्रजेश जायसवाल के हाथों से दिया गया। मैच के मुख्य रेफरी निशांत टोप्पो एवं दीपक धान और विशाल कच्छप थे। दिन का दूसरा मैच असीसी हाई स्कूल, सामलोंग और नवा मासकल स्कूल, टाटा रोड के बीच खेला गया। दोनों टीम 0-0 से बराबरी पर रही। मैन ऑफ द मैच आसिसी हाई स्कूल के निहाल तिर्की को श्री अनमोल खलखो के हाथों से दिया गया।

न्यूज गैलरी

36वें राष्ट्रीय खेल के लिए झारखंड हॉकी टीम का गठन

रांची। गुजरात में आयोजित 36वे राष्ट्रीय खेल में भागदारी के लिए हॉकी झारखंड के विशेष प्रशिक्षण शिविर के लिए चयनित 27 महिला एवं27 पुरुष खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी गई। विशेष प्रशिक्षण शिविर के लिए चयनित इन 27 खिलाड़ियों का 16 सितंबर से 26 सितंबर तक रांची में विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे और इनमें से बेहतर 18 महिला एवम 18 पुरुष हॉकी खिलाड़ियों को चयनित कर राष्ट्रीय खेल के लिए हॉकी झारखंड टीम से खेलने का अवसर किया जाएगा।

एससी आरक्षण में 2 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के पूर्व चेयरमैन सुरेन राम ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को पत्र लिखकर आभार व्यक्त किया है। उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा कि झारखंड के दलित समाज एवं रविदास समाज की ओर से आपको झारखंड सरकार के मंत्री परिषद के कैबिनेट में 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति एवं आरक्षण नीति बनाकर मान-सम्मान बढ़ाया है तथा दलित समुदाय के आरक्षण में 10 से 12 प्रतिशत करने पर आभार प्रकट करता है। इसके साथ ही ओबीसी का 27 प्रतिशत आरक्षण महागठबंधन सरकार का सराहनीय कदम है। माननीय श्री राहुल गांधी, श्री राजेश ठाकुर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने जो सहानुभूति दिखाई है, यह दिखाता है कि दलितों का सच्चे हितैषी है तो कांग्रेस एवं जेएमएम है। आंगनबाडी सेविकाओं एवं सहायिकाओं को बढ़े दर पर भुगतान करने के लिए महागठबंन सरकार ने अपना वादा निभाया है। आगे दलित समाज एवं ओबीसी वर्ग समाज को गठबंधन सरकार को समर्थन देना उनका दायित्व होता है। पुनः मुख्यमंत्री एवं गठबंधन सरकार को बहुत-बहुत बधाई।

36वीं राष्ट्रीय खेल एथलेटिक्स में भाग लेने वाली 12 सदस्यीय झारखंड टीम घोषित

रांची। गुजरात में 29 सितंबर से 12 अक्टूबर तक होने वाली 36वी राष्ट्रीय खेल एथलेटिक्स स्पर्धा के लिए विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर परिणाम के आधार पर एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा झारखंड के 09 एथलीटों का इंट्री दिया गया है। जिसमें अंतरराष्ट्रीय एथलीट सपना कुमारी (रामगढ़), फ्लोरेस बारला, आशा किरण बारला (भटिया अकादमी बोकारो), सुप्रीति कच्छप (गुमला), प्रियंका केरकेट्टा (रांची) राष्ट्रीय पदक विजेता अनुरूपा कुमारी (गुमला), सदानंद कुमार (हजारीबाग), विजय लकड़ा (सिमडेगा), आशू कुमार सिंह (रांची साई) प्रशिक्षक - आशू भाटिया (वर्ल्ड एथलेटिक लेवल 2 कोच,भाटिया अकादमी बोकारो)योगेश प्रसाद यादव (वर्ल्ड एथलेटिक लेवल 2 कोच, आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र, साहेबगंज टीम मैनेजर - सुजापा ठाकुर (आई एस। एम। धनबाद) शामिल है। टीम के सभी चयनित खिलाड़ियो को कल प्रातः से टीम प्रशिक्षक को रिपोर्ट करना है।

जोमैटो प्रबंधन श्रम कानूनों की अवहेलना ना करें : यूनियन

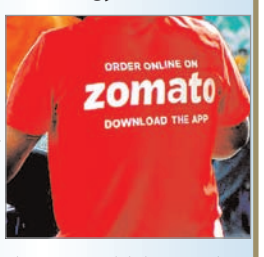

रांची। रांची के गिग वर्कर्स जिन्होंने जोमैटो कंपनी द्वारा उनका शोषण किए जाने के खिलाफ एक रजिस्टर्ड युनियन आल इंडिया गिग वर्कर्स यूनियन का गठन किया है। इससे बौखला कर जोमैटो प्रबंधन ने यूनियन के मुख्य पदाधिकारियों का आईडी ब्लाक कर दिया है। जिसके चलते आधा दर्जन से ज्यादा डिलीवरी ब्वाय जोमैटो की सेवा से वंचित कर दिए गए हैं। इतना ही नहीं जोमैटो के रांची स्थित प्रबंधक अपने साथ बाउंसर लेकर इन डिलीवरी ब्वाय को धमकी देने का काम भी कर रहें हैं। इसके खिलाफ वर्करों द्वारा लालपुर थाना मे आवेदन दिए जाने के बाद वहां के थाना प्रभारी ने जौमेटो के मैनेजर को इन वर्करों का आईडी अन ब्लाक करने का निर्देश दिया लेकिन मैनेजर द्वारा थाना प्रभारी की बातों को अनसुना करते हुए कुछ और लोगों का आईडी ब्लाक कर दिया है । वर्करों ने इसकी सूचना जोमैटो कंपनी के हेडक्वार्टर और उप श्रमायुक्त, रांची को दे दी है। सीटू की झारखंड राज्य कमिटी जोमैटो कंपनी के इस वर्कर विरोधी हरकतों की निंदा करते हुए श्रम विभाग से अपील करती है कि इस मामले में अविलंब हस्तक्षेप कर वर्करों के हितों की रक्षा करे।

सीएफपी का शुभारंभ,मंत्री ने कहा-जनता खुश होगी, तो राज्य बनेगा खुशहाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सरकार जनता की भलाई के लिए है, योजनाएं जनता को समृद्ध और स्वावलंबी बनाने के लिए क्रियान्वित की जाती हैं, ताकि जनता के जीवन में खुशहाली लाई जा सके। जनता खुश होगी, तो राज्य में भी खुशहाली आएगी। ये बातें ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने प्रोजेक्ट भवन के द्वितीय तल स्थित सभागार में सीएसपी के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान कही। आलमगीर आलम ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान विकास बाधित हुआ। इसके बाद भी सरकार के प्रयासों को पूरे देश ने सराहा, क्योंकि हमने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के कई अवसर मनरेगा और जेएसएलपीएस के माध्यम से उपलब्ध कराया। मनरेगा के तहत कई योजनाएं ली गईं । साथ ही बड़ी संख्या में लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने का काम जेएसएलपीए के माध्यम से किया गया। आज वर्षा के अभाव में किसान परेशान हैं, इसके लिए जल समितियों के माध्यम से बंद पड़े नदी नालों के जीर्णोद्धार का काम आरंभ किया गया था। हालांकि, उसमें लक्ष्य के अनुरूप सफलता नहीं मिल पाई और प्रयास आज भी हम कर रहे हैं। उन्होंने कहा की सीएफपी (क्लस्टर फेसिलिटेशन प्रोजेक्ट) के माध्यम से मनरेगा में क्रांतिकारी बदलाव आयेंगे। ग्राम, प्रखंड, जिला व राज्य स्तर पर मनरेगा योजनाओं का क्रियान्वयन सफलता के नए आयाम स्थापित करेगा, क्योंकि सीएफपी का मकसद मनरेगा कार्यों का समय पर भुगतान, सही योजना का चयन और किए गए कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखनी है। उन्होंने पीएम आवास योजना के संदर्भ में कहा की केंद्र सरकार ने हमें एक लाख 75 हजार आवास के निर्माण का लक्ष्य दिया है। इस योजना में हम 50 हजार रुपये अतिरिक्त एक आवास पर राज्य सरकार के मद से देने जा रहे हैं, ताकि पीएम आवास योजना में लाभुक एक कमरे अतिरिक्त बना सकें।

योजनाओं की मॉनिटरिंग के साथ होगी जीआईएस मैपिंग : डॉ मनीष रंजन

ग्रामीण विकास विभाग के सचिव डॉ मनीष रंजन ने कहा कि सीएफपी को मनरेगा से जोड़ने जा रहे हैं। इससे मनरेगा से जुड़ी योजनाओं में बड़ा बदलाव आएगा। इस योजना का पहला वर्जन 2014 में 21 जिलों के 74 प्रखंडों में लॉन्च किया गया था, जो अब पूरे देश में लागू किया जा रहा है। सीएफपी परियोजना को राज्य के 23 जिलों के विभिन्न प्रखंडों में लागू किया जा रहा है। सीएफपी से योजनाएं अब अधिक वैज्ञानिक होंगी। योजनाओं को जीआईएस आधारित तैयार किया जाएगा। साथ ही क्षेत्र की जरूरत के हिसाब से योजनाएं बनाई जा सकेंगी। योजनाओं की प्लानिंग में जीआईएस सहयोग करेगा। उन्होंने कहा की सीएफपी से समस्याओं को प्रखंड स्तर से लेकर राज्य स्तर तक निष्पादन किया जा सकेगा और आजीविका से संबंधित कार्यक्रमों से 65 प्रतिशत योजनाओं को जोड़ा जा सकेगा। इसके अलावा आजीविका से जुड़े प्रोग्राम का विश्लेषण भी संभव हो जायेगा।

झारखंड के प्रोजेक्ट को मिली देशव्यापी पहचान : मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी ने कहा कि यह हमारे लिए खुशी की बात है कि पूरे देश में झारखंड पहला ऐसा राज्य है, जहां सीएसपी सबसे पहले लॉन्च हो रहा है। उन्होंने कहा की 2014 में सीएफपी का पहला वर्जन लॉन्च किया गया था, जिसकी सफलता के बाद भारत सरकार ने इस योजना को पूरे देश में लॉन्च करने की योजना बनाई है। यह हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हमने मनरेगा से इसे जोड़ कर मनरेगा से जुड़ी योजनाओं को ज्यादा वैज्ञानिक बनाने का प्रयास किया है। मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में जीआईएस विशेषज्ञ जिला एवं राज्य स्तर पर सहयोग करेंगे, ताकि योजनाओं को पारदर्शी तरीके की क्रियान्वित किया जा सके।

सीसीएल मुख्यालय में कोल इंडिया मेडिकल कांफ्रेंस आज से

रांची। सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस में 16-18 सितंबर तक कोल इंडिया कांफ्रेंस सिमाकोन का आयोजन होगा। इसका उद?घाटन चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल वर्चुअल रूप से करेंगे। गुरुवार को केंद्रीय अस्पताल गांधीनगर में सीसीएल के सीएमएस डॉ डीएलके चौहान ने प्रेस वार्ता में कहा कि कांफ्रेंस में देशभर के 160 से अधिक चिकित्सक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इस कांफ्रेंस की थीम पोस्ट कोविड इलाज में आने वाली चुनौतियां और इसमें लचीलापन रखा गया है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन से मेडिकल सर्विसेज को बेहतर करने का अवसर मिलेगा। मौके पर सीएमएस गांधीनगर डॉ उत्पला चक्रवर्ती, डॉ सुमन सिंह, सीएमएस रामगढ़ डॉ वीके सिंह भी मौजूद थे।

बीएयू के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग में शिक्षकों ने छात्रों संग इंजिनियर्स डे मनाया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग में गुरुवार को शिक्षकों ने छात्रों संग इंजिनियर्स डे मनाया. मौके पर आयोजित समारोह में कॉलेज के छात्रों ने सर एम विश्वसरैया की जीवनी पर प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत की। छात्रों ने नृत्य, गायन एवं संगीत के माध्यम अपनी कला पेश की। मौके पर मुख्य अतिथि शिवम इंडस्ट्रीज के संस्थापक चेतन कुमार अग्रवाल ने उद्योग की कार्यशैली से मिली सफलता के अनुभवों से छात्रों को अवगत कराया। कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ उत्तम कुमार ने इंजिनियर्स डे का महत्त्व तथा सर एम विश्वसरैया की महत्वपूर्ण उपलब्धियों एवं योगदान पर प्रकाश डाला। डॉ. एसके पांडे ने बताया कि सर एम विश्वसरैया ने बांध से पानी के बहाव को रोकने के लिए स्वचालित द्वार को विकसित कर भारतीय इंजिनियर्स को एक नई दिशा दी। कार्यक्रम का संचालन अनुभव रंजन एवं अन्वेशा निधि ने किया। मौके पर डॉ. प्रमोद राय, डॉ. इरफान अहमद अंसारी, डॉ मिंटू जॉब, डॉ छाया राय, डॉ. वंदना चौबे, डॉ. अल्पना दुबे, गौरव साहू सहित छात्र-छात्राएं भी मौजूद थे।

आंगनबाड़ी केंद्रों में आधारभूत संरचना की होगी मैपिंग

रांची। स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक गुरुवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने की। इस दौरान डीसी ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में आधारभूत संरचना की मैपिंग करने का निर्देश सीडीपीओ को दिया। साथ ही उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों एवं बाल संरक्षण पदाधिकारियों को प्रत्येक माह बीएलएमसी की बैठक करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी सीडीपीओ को वीएचएसएनडी दिवस पर निश्चित रूप से क्षेत्र भ्रमण करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि सभी सीडीपीओ और एमओआईसी संयुक्त रूप से क्षेत्र भ्रमण करें। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और मुख्यमंत्री कन्यादान योजना की समीक्षा करते हुए डीसी ने कहा कि पात्र लोगों को योजना का लाभ ससमय देने के लिए गंभीर होकर काम करें।

रांची नगर निगम बोर्ड की बैठक को लेकर बढ़ रहा विवाद,पीआईएल की तैयारी में डिप्टी मेयर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम बोर्ड की बैठक शुक्रवार को होनी है। अब इस बैठक को लेकर विवाद शुरू हो गया है। डिप्टी मेयर से लेकर पार्षद सभी इसके विरोध में है। वहीं जल्द ही डिप्टी मेयर ने इस मामले में पीआईएल करने की बात कही है। जिसके बाद पार्षदों का भी समर्थन डिप्टी मेयर को मिलने लगा है। सभी पार्षद भी जनप्रतिनिधियों के अधिकारों के हनन को लेकर एकजुट हो गए है। इतना ही नहीं शुक्रवार को बोर्ड की बैठक बुलाए जाने का मामला भी तुल पकड़ गया है। कुछ पार्षदों ने इसका भी विरोध शुरू कर दिया है। बताते चलें कि बोर्ड की बैठक में एजेंडा को लेकर मेयर ने नगर आयुक्त को निर्देश दे दिया है कि

इसके 35 एजेंडा के अलावा किसी और एजेंडे को शामिल नहीं किया जाएगा। अगर किया भी जाएगा तो इसके लिए अध्यक्ष से अनुमति लेनी होगी। लंबे समय से रांची नगर निगम की बोर्ड बैठक नहीं बुलाई जा रही थी। जबकि हर महीने की 10 तारीख तक बोर्ड की बैठक बुलाने का निर्णय बोर्ड में ही पास किया गया था। अब नगर निगम की बैठक 16 सितंबर को बुलाई गई है। जिससे की कई पार्षद खुश है। उनका कहना है कि इस बैठक से विकास की रफ्तार बढ़ेगी। वार्ड 34 के पार्षद विनोद सिंह का कहना है कि निगम के सभी जनप्रतिनिधियों को अपने अधिकार के लिए अब तो लगता है कोर्ट की शरण में जाना होगा। जनप्रतिनिधियों की आवाज को दबाने का प्रयास पिछले कई वर्षों से लगातार किया जा रहा है।

टेड एक्स का ब्रेकिंग द लूप इवेंट 17 को एक्सआईएसएस में

रांची। टेड एक्स कांके सलून, नॉलेज पार्टनर जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) रांची के साथ एक टेड एक्स टॉक, विषय ब्रेकिंग द लूप का आयोजन 17 सितंबर, शनिवार को एक्सआईएसएस में कर रहा है। टेड एक्स कांके एक स्वतंत्र रूप से आयोजित टेड इवेंट है और राजीव कुमार गुप्ता इस इवेंट के क्यूरेटर हैं। अपने विचार साझा करने के लिए इस कार्यक्रम में पांच प्रख्यात वक्ता शामिल होंगे। इनमें सुभ्रोचटर्जीए सीईओए रिलायंस जियो, मैरीस्टेलामाइकल, उद्यमी, शिक्षाविद और एक सामाजिक कार्यकर्ता, श्रीधर राजगोपाल, निदेशक, ओटिस एलेवेटर कंपनी, रोहित त्रिपाठीए संस्थापक, रांचीमॉल और गौरव मनोहर मराठे, सहायक प्रोफेसर, आईआईएम रांची शामिल हैं। कार्यक्रम की मेजबानी 92.7 बिगएफएम की आरजे राशी द्वारा की जाएगी, जहां सुमेधा सेनगुप्ता, भारतीय शास्त्रीय नृत्यांगना प्रस्तुति देंगी और पूजा बियाणी, डांस मूवमेंट थेरेपिस्ट भी कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहेंगी। **टेडएक्स, एक्स-स्वतंत्र रूप से आयोजित कार्यक्रमः** टेड एक्स कार्यक्रम को समुदायों, संगठनों औरव्यक्तियों को स्थानीय टेड जैसे अनुभवों के माध्यम से बातचीत और कनेक्शन को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। एक्सआईएसएस, भारत में एक प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान है जिसका उद्देश्य विवेक, करुणा, क्षमता और सतत विकास और हाशिए के लोगों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धता है।

अग्रसेन जयंती महोत्सव का 46वां वार्षिकोत्सव 18 से 26 सितंबर तक हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अग्रवाल सभा के तत्वधान में अग्रसेन जयंती महोत्सव का 46वां वार्षिकोत्सव 26 सितंबर को महाराजा अग्रसेन भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष नंदकिशोर पाटोदिया एवं मंत्री मनोज चौधरी ने बताया है कि महोत्सव का शुभारंभ 18 सितंबर से होगा। अग्रसेन जयंती महोत्सव को सफल बनाने के लिए अग्रवाल सभा के उपाध्यक्ष सज्जन पाड़िया को महोत्सव का संयोजक बनाया गया है। उन्होंने बताया कि 18 सितंबर को चित्रकला प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता एवं प्रश्न मंच के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। तथा 19 सितंबर को गौ सेवा एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम सुकुरहुटू के गोशाला परिसर में होगा। 24 सितंबर को अग्रसेन भवन में महिला गोष्ठी एवं युवा गोष्ठी का

कार्यक्रम होगा। 25 सितंबर को फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं संध्या में शोभायात्रा निकाली जाएगी। 26 सितंबर अग्रसेन जयंती के दिन सुबह अग्रसेन चौक में महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा में पुष्पांजलि, माल्यार्पण, आरती, प्रसाद एवं प्रभात फेरी का कार्यक्रम होगा। शाम को अग्रसेन भवन में प्रतिभा प्रोत्साहन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। इस समारोह में रांची क्षेत्र के सभी अग्रवंशी ऐसे छात्र-छात्राएं जिन्होंने वर्ष 2021-22 की परीक्षाओं में निर्धारित मापदंड के अनुसार अंक प्राप्त किए हैं उन्हें सम्मानित किया जाएगा। तथा विभिन्न क्षेत्रों में अति विशिष्ट उपलब्धियों के लिए अग्रवाल सभा द्वारा अग्रसेन सम्मान गंगा प्रसाद बुधिया शिक्षा पुरस्कार हनुमान सरावगी कला- संस्कृति साहित्य व शिक्षण सम्मान एवं नंदलाल मोदी खेलकूद पुरस्कार आदि दिये जाएंगे। 26 सितंबर को आयोजित प्रतिभा सम्मान एवं प्रोत्साहन समारोह के लिया संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल एवं सह संयोजक विनोद कुमार जैन बनाए गए हैं। उक्त जानकारी अग्रसेन जयंती आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने दी।

बीएयू कुलपति डेयरी टेक्नोलॉजी कॉलेज के छात्रों से रूबरू हुए

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बीएयू कुलपति डॉ. ओंकार नाथ सिंह ने हंसडीहा (दुमका) स्थित फूलो झानो डेयरी टेक्नोलॉजी कॉलेज का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कॉलेज भवन, छात्रावासों, क्लास रूम, पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। एसोसिएट डीन डॉ. संजय कुमार से संसाधन एवं सुविधाओं की जानकारी ली और जरूरी निर्देश दिये। कुलपति ने एसोसिएट डीन एवं शिक्षकगण संग कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ सीधा संवाद किया और छात्रों की समस्यायों को जाना। छात्रों ने अपनी समस्यायों से कुलपति को अवगत कराया। मौके पर कुलपति ने कहा कि डेयरी टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काफी संभावनाएं मौजूद है। आप डेयरी टेक्नोलॉजी से जुड़े राज्य के एकमात्र कॉलेज के छात्र है। कॉलेज के पहले बैच के छात्रों का

प्लेसमेंट होना खुशी का विषय है। कॉलेज के विकास की दिशा में विवि पहल कर रही है। शिक्षकों की नियुक्ति तथा पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं को जल्द सुदृढ़ किया जायेगा। इस कॉलेज को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान स्थापित करने की आवश्यकता है। जो छात्रों की सफलताओं एवं शिक्षकों के मेहनत से ही संभव होगा। मौके पर कृषि कॉलेज, गोड्डा के एसोसिएट डीन डॉ अमृत कुमार झा, डेयरी टेक्नोलॉजी कॉलेज के एसोसिएट डीन डॉ. संजय कुमार एवं शिक्षकगण सहित छात्र-छात्राएँ भी मौजूद थे।

बूथ स्तर के अधिकारियों के साथ सीधा संवाद स्थापित के लिए बीएलओ ई-पत्रिका का किया शुभारंभ

निर्वाचन आयोग बड़े पैमाने पर मतदाताओं से जुड़ने के लिए बीएलओ की सराहना की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आयोग ने देश भर में पहली बार बीएलओ द्वारा अनुभव साझा करने के लिए इस तरह का संवाद आयोजित किया । भारत निर्वाचन आयोग ने आयोग की सेवाओं की डोर स्टेप डिलीवरी में उनके महत्वपूर्ण योगदान और बड़े पैमाने पर मतदाताओं से जुड़ने के लिए बीएलओ की सराहना की। भारत के चुनाव आयोग ने कल भारत के राज्यों में कार्यरत बीएलओ के साथ आयोजित एक इंटरैक्टिव सत्र में एक नया डिजिटल प्रकाशन बीएलओ ई-पत्रिका जारी किया। 350 से अधिक बीएलओ राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में मुख्य

निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के कार्यालय से वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए और आस-पास के राज्यों राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के 50 बीएलओ इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में लॉन्च इवेंट में शामिल हुए। इस कार्यक्रम को ईसीआई यूट्यूब चौनल पर भी लाइव स्ट्रीम किया गया था एवं बीएलओ की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए इस लिंक को 10 लाख से अधिक बीएलओ के साथ साझा किया गया था। आयोजन के दौरान, ईसीआई यूट्यूब चौनल को आज 25,000 से अधिक नए लोगो ने सबस्क्राईब किया और 2।4 लाख से अधिक लोगो द्वारा यह कार्यक्रम देखा गया। बीएलओ ने आयोग के साथ बातचीत के दौरान उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने अनुभवों, चुनौतियों का सामना करते हुए अपने कर्तव्यों और सफलता की कहानियों को साझा किया। आज का कार्यक्रम आयोग द्वारा देश भर के बीएलओ के साथ अपनी तरह का पहला सीधा संवाद था। आयोजन के दौरान चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारी और सभी राज्यों के सीईओ (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए) मौजूद थे।

राजस्व उप निरीक्षक आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जायेंगे

रांची। झारखंड राजस्व उप निरीक्षक शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। इससे जाति, आय व आवासीय प्रमाण पत्र बनाने का काम, जमीन हस्तानांतरण व म्यूटेशन तथा सड़क परियोजनाओं से संबंधित जमीन अधिग्रहण के कार्य प्रभावित होंगे। झारखंड राजस्व उप निरीक्षक संघ के राज्याध्यक्ष अमर किशोर सिन्हा ने कहा कि संघ लंबे समय से अपनी मांगों के लिए संघर्ष कर रहा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। मांगों को लेकर एक दिन पहले कर्मियों ने राजभवन के समक्ष प्रदर्शन किया था। संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री सचिवालय में जाकर उपसचिव को मांगपत्र सौंपा और बताया कि मांग नहीं माने जाने तक हड़ताल जारी रहेगा। राज्याध्यक्ष ने कहा कि सभी जिला मुख्यालयों में कार्यक्रम होगा।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, रांची का सम्मेलन सिल्ली में सम्पन्न

झारखंड आंदोलनकारियों को चिन्हित करने की दिशा में कोई कोताही नहीं होंगी : भुवनेश्वर महतो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, रांची जिला के तत्वावधान में गुरुवार को सिल्ली प्रखंड कार्यालय के सभागार में सम्मेलन का आयोजन किया गया. मौके पर झारखंड आंदोलनकारी चिन्हित ती करण के सदस्य भुवनेश्वर महतो का भव्य स्वागत किया गया. सम्मेलन में आंदोलनकारियों के चिन्हितीकरण जल्द से जल्द करने, झारखंड आंदोलनकारियों के मान-सम्मान, पहचान नियोजन व पेंशन के सवालों को लेकर जागृति पैदा करना। आंदोलनकारियों के अधिकार, सम्मान एवं अस्तित्व की रक्षा के लिए एक और संघर्ष करने

का आह्वान करना है.साथ ही 10 नवंबर 2022 को रांची में झारखंड आंदोलनकारियों का महासम्मेलन किया जाएगा। अपने सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भुवनेश्वर महतो ने झारखंड आंदोलनकारियों को राजकीय सम्मान देने की मांग सरकार से करते हुए कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों चिन्हित करने की दिशा में कोई कोताही नहीं होगी। जाति व पार्टी की भावनाओं से उपर उठकर चिन्हित होंगे झारखंड आंदोलनकारी। सभी का जल्द से जल्द चिन्हिती करण का कार्य होगा। पूर्व विधायक व झारखंड आंदोलनकारी अर्जुन राम ने कहा कि लंबी लड़ाई के बाद अलग राज्य हुआ है. झारखंड आंदोलनकारियों के संघर्ष के इतिहास को धूमिल नहीं होने देंगे। संस्थापक पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मान व अधिकार के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। समान के साथ सम्मान की लड़ाई जारी रहेगा। विचार व्यक्त करने वा ले झारखंड आंदोलनकारियों में लक्ष्मी नारायण महतो, बानेशवर महतो, रतन महतो, रामेश्वर महतो, त्रिलोकी महतो प्रमुख थे।

न्यूज गैलरी

सहायक अध्यापक संघ ने जिला शिक्षा अधीक्षक व जिला शिक्षा अधिकारी से की मुलाकात, किया सम्मानित

सिमडेगा। जिला सहायक अध्यापक संघ का एक शिष्टमंडल सिमडेगा जिला शिक्षा अधीक्षक बिनोद कुमार एवं जिला शिक्षा अधिकारी मोहन झा से मुलाकात किया।जिलाध्यक्ष एहतेशामुल हक एवं महासचिव फिरनाथ बड़ाईक के अगुवाई में मिलकर सहायक अध्यापकों ने बुके और पेन-डायरी देकर दोनों अधिकारियों को सम्मानित भी किया।मुलाकात के क्रम में सहायक अध्यापकों ने अपनी समस्याओं को जिला शिक्षा अधीक्षक के सामने रखा एवं वर्तमान में सहायक अध्यापकों के शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के सत्यापन की स्थिति के बारे में बात किया।जिला शिक्षा अधीक्षक ने कहा कि सहायक अध्यापकों को मेरे रहते कोई परेशानी नहीं होगी।आपके हर समस्या का ससमय निराकरण होगा। जिला शिक्षा अधीक्षक काफी सहयोगात्मक और साकारात्मक दिखे। प्रमाण पत्र सत्यापन के बारे में एपीओ नीरज बड़ाईक ने बताया कि सत्यापन का कार्य लगभग 90 प्रतिशत हो चुका है।सभी के प्रमाण पत्र संबंधित बोर्ड में सत्यापन के लिए भेजा गया है।जैसे ही सत्यापित होकर आता है ,सत्यापन कार्य समाप्त हो जाएगा।शिष्टमंडल में जिलाध्यक्ष एहतेशामुल हक,महासचिव फिरनाथ बड़ाईक, कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह,मो .उज्जैर, चरण सिंह, उमाशंकर सिंह, राधेश्याम प्रसाद,राजकिशोर सिंह,विश्वंभर सिंह,लोकेंद्र सिंह,राजनवीन खेस,रामकेश्वर सिंह,रंजीत सिंह सहित अन्य साथी शामिल थे।

प्रज्ञा केंद्र संचालक समय से प्रमाण पत्रों के निपटारे में गति लाएं: सीओ

किस्को/लोहरदगा। जिले के किस्को प्रखंड मुख्यालय के समीप संचालित प्रज्ञा केंद्रों का अंचलाधिकारी बुडाय़ं सारू के द्वारा निरीक्षण कर केंद्र संचालकों को समय पर जाति आय आवासीय सहित अन्य सभी प्रकार के प्रमाण पत्रों को निष्पादन करने का सख्त निर्देश दिया। मौके पर सीओ बुडाय़ं सारू ने प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सभी पंचायतों में संचालित प्रज्ञा केंद्र के संचालक को निर्देश देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सहूलियत को देखते हुए सभी प्रज्ञा केंद्र संचालक गति लाते हुए प्रमाण पत्रों के निपटारे में गति लाएं ताकि विद्यार्थियों को पठन पाठन कार्य में बाधा न बने। सीओ ने कहा कि जो प्रज्ञा केंद्र संचालक अपनी जिम्मेवारी पर गंभीरता नहीं दिखाते हैं वैसे केंद्र संचालक के विरूद्ध नियम संगत कार्रवाई किया जाएगा। मौके पर किस्को प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सामुल अंसारी मौजूद थे।

वर्तमान सरकार के गठन के बाद से बढ़ी है खेल गतिविधियां: विधायक

बोलबा। प्रखण्ड के पीडियापोछ में पुलिस पब्लिक सदभावना मैच डॉ सर्वपल्ली राधा कृष्णन महिला-पुरुष हॉकी टूर्नामेंट का समापन हुआ। प्रतियोगिता के महिला वर्ग फाईनल मैच में अवगा करमटोली ने पेनाल्टी शूट आउट में ओड़िशा 4-3 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। पुरुष वर्ग के फाइनल में संगम क्लब ने पेनाल्टी शूट आउट में सिमडेगा को 5-4 से हराया। जिसे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अपने सम्बोधन में विधायक ने कहा कि सरकार राज्य में खेल के विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। हेमंत सरकार के कार्यकाल में खिलाड़ियों को पुरा सम्मान मिल रहा है। हमारी सरकार ने जो कहा उसे कर के दिखाया है। विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि जिस प्रकार सरकार खेल की दिशा में कदम बढ़ाया है। निश्चित ही खेल के क्षेत्र में झारखंड राज्य देश का अग्रणी राज्य बनेगा। वर्तमान सरकार के गठन के बाद से ही राज्य में खेल गतिविधियां तेजी से बढ़ी है। सरकार द्वारा बनाई गई खेल नीति राज्य के खिलाड़ियों, कोच तथा प्रशिक्षकों के लिए समर्पित है। कार्यक्रम में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद थे।

बेड़ो के तुतलो में पांच दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट संपन्न

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के तुतलो मैदान में आदिवासी युवा संघ के तत्वाधान में आयोजित पांच दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट गुरुवार को संपन्नहो गया। फाइनल मैच के मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी डा प्रवीण कुमार, विशिष्ट अतिथि नरकोपी थाना प्रभारी विजय मंडल उपस्थित थे। जिसमें प्रथम स्थान लोवाडीह की टीम को 17,000 एक बड़ा खस्सी दिया गया। द्वितीय स्थान नवाटोली की टीम को 12000 नगद व एक बड़ा खस्सी दिया गया। वहीं तीसरे, चौथे व मैन ऑफ द सिरिज व मैन ऑफ द मैच को भी पुरूस्कृत किया गया।

बेड़ो में स्थानीय नीति पारित किये जाने पर निकला जुलूस

बेड़ो। झारखंड में महागठबंधन की सरकार के कैबिनेट द्वारा 1932 खतियान के आधार पर स्थानीय नीति के प्रस्ताव पारित किये जाने पर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के नेतृत्व में कांग्रेसी कार्यकताओं ने जुलूस निकाला। जुलूस प्रखंड परिसर से महाबीर चौक, जिला परिषद,बाजार टांड़,देवी मंडप होते हुए पुनः प्रखंड परिसर में पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया। मौके पर दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

1932 के खतियान लागू करने पर महागठबंधन ने निकाला आभार यात्रा

सभी चुनावी वादे को पूरा कर रही सरकार : अनूप

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। राज्य सरकार द्वारा 1932 के खतियान लागू करने और ओबीसी को 27% आरक्षण देने के फैसले का महागठबंधन के द्वारा गुरुवार को भव्य तरीके से विजय जुलूस और आभार यात्रा निकालकर स्वागत किया गया। आभार यात्रा का आयोजन सिमडेगा की कचहरी चौक से शुरू हुई, जहां पर हजारों की संख्या में महागठबंधन की कार्यकर्ता इसके अलावा स्थानीय लोग तथा झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित रहे यहां पर सभी लोगों ने अपने हाथों में पार्टी के झंडा लेकर हेमंत सोरेन के प्रति जमकर नारेबाजी करते हुए मिठाई खिलाकर बम पटाखे फोड़ते हुए जश्न मनाया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष अनूप केसरी ने कहा कि यह फैसला राज्य की इतिहास में पहली बार ऐसी फैसला ली है और हेमंत सोरेन ने अपने

चुनावी वादे के मुताबिक अपनी घोषणा पत्र में लिखे बातों को एक एक करके पूरा करने का काम कर रही है। इधर झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला संयोजक मंडल सदस्य सफीक खान ने कहा कि आज पूरे राज्य गर्व महसूस कर रहा है कि आदिवासियों की प्राचीर मांग को राज्य की वर्तमान सरकार ने पूरा करने का काम किया है उन्हें कहा कि झारखंड के आदिवासियों को उनका हक दिलाने के लिए हेमंत सोरेन ने जो फैसला लिया है इसका स्वागत करते हैं। किधर झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के जिला अध्यक्ष भुनेश्वर सेनापति ने भी सरकार का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे फैसले से राज्य की जनता में हेमंत सोरेन का विश्वास बढ़ा है। और आने वाले 2024 के दिनों में प्रचंड बहुमत के साथ राज्य में पुणे झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनेगी। इस मौके पर हजारों की संख्या में महागठबंधन के नेता एवं पदाधिकारी सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे इस दौरान जमकर पटाखे छोड़ते हुए आतिशबाजी की गई।

कांग्रेसियों ने हेमंत सोरेन के फैसले का स्वागत किया

लोहरदगा। स्थानीय नीति लागू होने समेत अन्य प्रस्ताव की स्वीकृति पर कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र भवन के समक्ष जिला कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेसी नेसार अहमद के नेतृत्व में कांग्रेसियों द्वारा मिठाइयां बांटकर एवं पटाखे फोड़ कर खुशी मनाया गया व झारखंड सरकार के प्रति आभार प्रकट किया गया। इस मौके पर नेसार अहमद ने कहा कि राज्य की महागठबंधन सरकार द्वारा 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति एवं ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक फैसला लेकर कांग्रेस के घोषणा पत्र का राज्य में जनता से किए अपने वायदों को पूर्ण किया है। महा गठबंधन सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय से पूरे राज्य के लोगों में काफी हर्ष है। मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता जगदीप भगत, संदीप कुमार, फहद खान, परवेज सिद्दीकी, नंद किशोर शुक्ला, कुडू प्रखंड अध्यक्ष सदरुल अंसारी, सेन्हा प्रखंड अध्यक्ष जमील अंसारी, पेशरार प्रखंड अध्यक्ष रविंदर सिंह, दीपक महतोय आदि मौजूद थे।

इंडियन टैलेंट इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो के इंडियन टैलेंट इंटरनेशनल स्कूल में गुरुवार को शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जहां कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में सीपीआईएम के नेता सुभाष मुंडा शामिल हुए। इस दौरान अतिथि सुभाष मुंडा ने शिक्षकों के साथ मिलकर कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। वही कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि को स्कूली छात्रों व स्कूल के शिक्षकों ने अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इधर शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सुभाष मुंडा ने कहा कि बच्चों के सर्वप्रथम गुरु उनके माता-पिता होते हैं और बच्चों को शिक्षित कर कामयाबी की मंजिल तक पहुंचाने में शिक्षकों का अहम योगदान होता है। इसलिए स्कूली छात्रों को अपने माता पिता के

साथ साथ अपने व अन्य शिक्षकों का आदर करना चाहिए। इधर कार्यक्रम के दौरान स्कूल के छात्रों ने शिक्षकों के सम्मान में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर शिक्षकों को उपहार स्वरूप गिफ्ट भेंट किया। शिक्षक सम्मान समारोह को सफल बनाने में विद्यालय के डायरेक्टर प्रीतम कुमार लाल केसरी सुरेश महतो, बजरंग गोप, रवि सिंह, विवेक सर समेत अन्य शिक्षक व शिक्षिकाएं का सराहनीय योगदान रहा।

भारी बारिश से जरिया और नारी में गरीब का गिरा घर

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड में पिछले दिनों हुई बारिश के कारण प्रखंड के जरिया डोका टोली गांव में भोला महतो और नारी बधिया टोली गांव में सुखदेव उरांव का गिर गया जिससे घर में रखे घरेलू सामान दबकर बर्बाद हो गया। जहां पीड़ित स्वजनों ने बताया कि वे किसी प्रकार जान बचाकर घर से बाहर निकले। लेकिन घर के गिरने से इस बरसात के मौसम में बेघर हो गए। वही घर में रखी सामान दबकर व भींग कर बर्बाद हो गए। इधर घटना की जानकारी मिलने पर भाजपा नेता जगरनाथ भगत ने पीड़िता के घर का मुआयना किया। साथ ही आपदा प्रबंधन के तहत उचित मुआवजा दिलाये जाने का आश्वासन दिया।

कांग्रेस और झामुमो ने पदयात्रा कर लोगों का किया अभिनंदन

नवीन मेल संवाददाता

सिल्ली। झारखंड मुक्ति मोर्चा सिल्ली के द्वारा ग्राम विकास से पदयात्रा निकाल कर छोटा मुरी पहुंच कर संपन्न हुआ । यह पदयात्रा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा 1932 खतियान आधारित नीति लागू करने पर झामुमो कार्यकताओं ने पदयात्रा कर लोगों को अभिनंदन किया एवं आपस में रंग गुलाल लगाकर खुशी जाहिर की। वही कॉग्रेस कार्यकताओं के द्वारा सिल्ली बुंडू चौक पर खतियान आधारित नीति बनाने पर लोगों के बीच मिठाई बांटकर एवं पटाखे फोड़कर खुशी जाहिर किया। इस मौके पर रामानंद बेदिया जूनियर अमित महतो नगेंद्र नाथ गोस्वामी राकेश किरण महतो राजकुमार महतो नागेश्वर महादेव हरे कृष्णा महतो आदि लोग उपस्थित थे।

मुरी स्टेशन पर मजिस्ट्रेट चेकिंग के दौरान यात्रियों से 42000 वसूला गया जुर्माना

नवीन मेल संवाददाता

मुरी। मुरी स्टेशन परिसर में रेलवे मजिस्ट्रेट के द्वारा चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान हटिया से चलकर मुरी आने वाली सभी ट्रेनों में यात्रियों से टिकट चेकिंग किया गया साथी साथ मुरी जीआरपी आरपीएफ स्टेशनों पर तैनात नजर आए। इस चेकिंग में 16 टिकट चेकिंग स्टाफ मौजूद थे। चेकिंग के दौरान महिला बोगी से 14 बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्री 90 बिना बुकिंग किए हुए लगेज बोगी से समान 35 बरामद किया गया। यात्रियों से 42 हजार रुपए जुमार्ना वसूला गया। ए सी एम संजय कुमार ने यात्रियों से कहा कि यात्रा करते समय ट्रेन के पौदान पर बैठकर एवं महिला बोगी दिव्यांग बोगी में बैठकर सफर ना करें अन्यथा पकड़े जाने पर फाइन के साथ चालान किया जाएगा। इस अभियान में सीसीआई विकास कुमार सीटीआई वीरेंद्र कुमार एमडी दत्ता आदि स्टाफ मौजूद थे।

ट्रांसफॉर्मर जलने से पांच दिनों से गांव अंधेरे में

सिल्ली । सिल्ली प्रखंड के रामपुर बाजार में पांच दिनों से ट्रांसफॉर्मर जला हुआ है क्षेत्र के आसपास इलाकों में अंधेरा छाया हुआ है। बच्चों को पाठन करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीण अंधेरे में जीवन व्यतीत करने पर विवस हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इसकी शिकायत जेई दिया गया है मगर अभी तक किसी प्रकार का करवाई नहीं किया गया। इस संबंध में जेई से पूछने पर उन्होंने कहा कि ट्रांसफॉर्मर विभाग के पास जैसे ही आएगा जल्द से जल्द लगा दिया जाएगा।

विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में स्वच्छता पखवाड़ा का समापन

निबंध प्रतियोगिता में विजेता बनी तनिशा व रीना

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज लोहरदगा में गुरुवार को स्वच्छता पखवाड़ा का समापन पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। जिसमें स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता अंतर्गत विद्यालय में आयोजित निबंध प्रतियोगिता के पांच श्रेष्ठ विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। संस्कृति बोध परियोजना अंतर्गत 2047 में ऐसा होगा भारत विषयक अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता में कक्षा 11वीं एवं 12वीं के कुल 176 छात्र-छात्राएं शामिल हुए जबकि स्वच्छता पखवारा के समापन के अवसर पर आयोजित जीवन में स्वच्छता का महत्व विषयक निबंध प्रतियोगिता में

कक्षा ग्यारहवीं के 135 छात्र-छात्राएं शामिल हुई। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, लोहरदगा के दिशा निर्देश में आयोजित स्वच्छता पखवारा अंतर्गत आयोजित निबंध प्रतियोगिता में कक्षा ग्यारहवीं विज्ञान में तनिशा केसरी, शशि कश्यप और रोहित कुमार साहू क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय हुए जबकि कक्षा 11 वीं कला में रीना कुमारी, पूनम कुमारी और शंकर लोहरा क्रमशः प्रथम द्वितीय और तृतीय हुए। अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता में कक्षा ग्यारहवीं के श्रेष्ठ 5 विद्यार्थियों में अल्फा कुजूर, मनीष भगत, सत्यम कुमार, अवंतिका कुमारी पुजारी एवं बबली कुमारी तथा कक्षा बारहवीं के पांच श्रेष्ठ विद्यार्थियों में निकिता कुमारी, दिया टोप्पो, आशीष उरांव, मनीष उरांव एवं अर्शिता कुमारी शामिल है। पुरस्कार वितरण समारोह में प्राचार्य उत्तम मुखर्जी, रेणु कुमारी, रिद्धि मिश्रा, चेतना प्रिया, रश्मि साहू, यशोदा कुमारी सहित शिक्षक शिक्षिकाओं ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की बैठक में 43 मामलों की हुई समीक्षा

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में हुई। बैठक में कुल 43 मामलों की समीक्षा की गई। इसमें 17 एसटी, 02 एससी और 24 पिछड़ा वर्ग के मामले थे। सभी मामलों की समीक्षा की गयी और लाभुकों की बीमारी अनुसार विभागीय संकल्प में निर्धारित मापदंडों के अनुसार सहायता राशि सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी। बैठक में आइटीडीए निदेशक अरविंद कुमार लाल, जिला कल्याण पदाधिकारी नारायण राम, सिविल सर्जन डॉ संजय कुमार सुबोध, विधायक प्रतिनिधि निशिथ जायसवाल, जिला परिषद सदस्य सुखदेव उराँव उपस्थित थे।

लोहरदगा चैंबर ऑफ कॉमर्स का व्यापारी मिलन समारोह 18 को

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष रितेश कुमार ने बताया कि विगत आठ वर्षों के लम्बी अंतराल व प्रतीक्षा के बाद गठित नयी कार्यकरिणी के प्रथम बैठक में लिये निर्णयानुसार दिनांक 18 सितम्बर दिन रविवार को सुबह 11.30 बजे स्थानीय राणा चौक अवस्थित अग्रसेन भवन के लोहरदगा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का आम सभा सह व्यापारी मिलन समारोह होना सुनिश्चित हुआ है। जिसमें लोहरदगा जिला के सभी व्यापारी सादर आमंत्रित हैं। एवं जिला के सभी व्यापारियों से अपील किया जाता है कि जो अभी तक चैंबर ऑफ कॉमर्स का सदस्य नहीं बने है वह 18 सितंबर तक सदस्यता शुल्क भुगतान कर सदस्यता ग्रहण कर लें। इस संदर्भ में ऊपर बाजार में चैंबर

कोषाध्यक्ष दीपक पोद्दार, निचे बाजार में चैंबर अध्यक्ष रितेश कुमार तथा पावरगंज क्षेत्र में सचिव राकेश कुमार सिन्हा 'गुड्डन' से सम्पर्क किया जा सकता है। लोहरदगा जिला के सभी व्यापारियों से विनम्र अपील है कि चैम्बर द्वारा बुलाये गये आमसभा सह व्यापारी मिलन समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर चैंबर को प्रगतिपथ में अग्रसर होने हेतु प्रेरित करें एवं व्यापारी एकता का परिचय दें।

राज्य सरकार के दो बड़े फैसले का सिमडेगा में भव्य स्वागत

आदिवासी-मूलवासी की हुई जीत: विधायक भूषण बाड़ा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। राज्य सरकार द्वारा 1932 का खतियान लागू करने और ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले का कांग्रेस कमेटी ने जोरदार स्वागत किया। साथ ही फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए ढोल नगाड़े के साथ शहर का भ्रमण कर जश्न मनाया। वहीं कांग्रेस नेताओं ने विधायक भूषण बाड़ा का फुला माला पहनाकर स्वागत। विधायक भूषण बाड़ा ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि आज आदिवासी मूलवासी की जीत हुई। 1932 का खातियान लागू करने का झारखंड सरकार का फैसला ऐतिहासिक है। हेमन्त सरकार ने 1932 का खातियान लागू कर आदिवासियों की चिर प्रतिचिर मांग को पूरा करने का काम किया है। अब राज्य के आदिवासी समाज को उनका हक और अधिकार मिल पायेगा। 1932 खतियान के आधार पर स्थानीयता

परिभाषित होने से झारखंड के आदिवासियों को काफी फायदा होगा। उनके अधिकारों की रक्षा होगी। सत्ता और संसाधनों में उनकी भागीदारी बढ़ जाएगी। हमारी सरकार को अब कोई हिला नहीं सकता। सभी के प्रति सरकार की संवेदनाएं हैं, सभी के साथ सरकार न्याय करेगी। हेमंत सोरेन के शासनकाल में राज्य के हर वर्ग के लोगों के चेहरे पर मुस्कान है। सरकार लगातार कल्याणकारी फैसले ले रही है, जो भाजपा को नहीं पच रहा है। यही कारण है कि भाजपा संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर पिछले दरवाजे से सत्ता हथियाना चाहती है। भाजपा की मंशा कभी सफल नहीं होगी। 1932 का खतियान और ओबीसी आरक्षण लागू करने की दिशा में भाजपा ने कभी काम नहीं किया। पर हमारी सरकार ने कर्मियों के लिए पुराना पेंशन स्कीम लागू किया है। पुलिसकर्मियों को अतिरिक्त वेतन और क्षतिपूर्ति अवकाश की स्वीकृति दी गई है। अनुबंध कर्मचारियों को स्थायी करने की दिशा में भी सरकार लगातार कार्य कर रही है। राज्य में स्थायी नौकरी की बाढ़ आ गयी है। इस ऐतिहासिक एवं बहुप्रतीक्षित निर्णय के लिए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम बधाई के पात्र हैं। अब स्थानीयता की पहचान निर्धारण का मार्ग प्रशस्त होने से स्थानीय युवाओं को रोजगार के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा। कार्यक्रम में 20 सूत्री उपाध्यक्ष मनोज जयसवाल, जिप सदस्य जोसिमा खाखा, जिप सदस्य समरोम पौल तोपनो, जिला प्रवक्ता रंधीर रंजन, विधायक प्रतिनिधि संतोष सिंह, तिलका रमण, यूथ जिलाध्यक्ष आकाश सिंह, दुष्यंत मिंज, संदीप नायक, अमजद खान, अख्तर खान, निमरोध एक्का, भुनेश्वर राम, वाल्टर, गुड्डू खान, सोनल लकड़ा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जीलिंगा मैदान में फूलजेंस तिर्की मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट शुरू

नवीन मेल संवाददाता

ठेठईटांगर। प्रखंड के ताराबोगा पंचायत के जीलिंगा मैदान में गुरुवार को फूलजेंस तिर्की मेमोरियल हॉकी टूनार्मेंट के अवसर पर ठेठईटांगर प्रखंड प्रमुख विपिन पंकज मिंज उपस्थित हुए एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया। प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह का आयोजन छोटे से गांव में सराहनीय है इसके लिए आयोजन समिति को बहुत-बहुत धन्यवाद खासकर के कमेटी के अध्यक्ष अमित चिराग तिर्की का कार्य सराहनीय है और इस तरह का कार्य समाज में एकता एवं समाज को आगे बढ़ाने के लिए बहुत ही कारगर है । उन्होंने कहा कि आज हमारे राज्य के मुख्यमंत्री माननीय हेमंत सोरेन जी ने 1932 खतियान लागू करके एक नया इतिहास रचा है। इन्हे हम आभार व्यक्त करते है।

उन्होंने 1932 का खतियान लागू होने पर गांव के बच्चों एवं बच्चियों के बीच में टॉफी बांटकर प्रमुख ने खुशी का इजहार किया एवं जुलूस निकाला गया। जिसमें हॉकी खिलाड़ी गण एवं जिलिंगा गांव के ग्रामीण उपस्थित हुए। साथ ही इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यता हॉकी टूनार्मेंट के अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की अभिषेक तिर्की ,अमोल तिर्की, अनूप तिर्की, कोषाध्यक्ष अरविंद तोप्पो, नंदन सिंह, विनोद, अखिलेश सिंह, जयराम इत्यादि का सराहनीय योगदान रहा।

न्यूज गैलरी

भारतीय वैश्य महासभा ने 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का किया स्वागत

कोडरमा। भारतीय वैश्य महासभा ने झारखंड में 14 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किए जाने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को बधाई दिया। प्रदेश युवा अध्यक्ष सूर्यदेव मोदी ने कहा कि अन्य राज्यों की तुलना में झारखंड में ओबीसी आरक्षण प्रतिशत काफी नीचे थी। देश में ओबीसी की जनसंख्या का अनुमान 52 प्रतिशत लगाया गया था। जबकी राज्य में भी ओबीसी की जनसंख्या 50 प्रतिशत से अधिक है। दूसरे राज्यों के ओबीसी की तुलना में झारखंड के ओबीसी समुदाय ज्यादा पिछड़े हुए हैं। जबकि उनको सिर्फ 14 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा था। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि आपने पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देकर जो मान- सम्मान और अधिकार प्रदान किया है उसके लिए आपको झारखंड के समस्त वैश्य समाज के तरफ से बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। बधाई देने वालों में कोडरमा जिला अध्यक्ष अजय वर्णवाल, युवा जिला अध्यक्ष सुजीत नायक, महिला जिला अध्यक्ष पिंकी जैन, सतीश कुमार, अनिल साव, पंकज मोदी, मनोज साव, रितेश लोहानी, रोहित जायसवाल, आकाश वर्मा, नारायण साव, प्रियंका वर्णवाल, सविता देवी, पुष्पा वर्मा, किरण वर्णवाल, बेबी साव, राजेश वर्मा आदि शामिल है।

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया ने आधुनिक भारत की रचना की

बड़कागांव। एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने भारत के महान अभियंता एवं भारतरत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिवस पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि भारतरत्न विश्वेश्वरैया ने आधुनिक भारत की रचना की और भारत को नया रूप दिया। उनकी दृष्टि और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में समर्पण भारत के लिए असाधारण योगदान दिया। उन्होंने देश में कई ब्रिज और नदियों का बांध बनाने का कार्य किया है हमारे देश में कई जगह एम विश्वेश्वरय्या के कामो की वजह से पानी की समस्या खत्म हुई थी। मौके पर बादम परियोजना के महाप्रबंधक के चंद्रशेखर, माइनिंग विभाग के महाप्रबंधक एसके गुप्ता, सूचना प्रद्योगिकी विभाग के अपर महाप्रबंधक आनंद अग्रवाल, मानव संसाधन विभाग के अपर महाप्रबंधक अमित कुमार अस्थाना, सभी अभियंता एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कृषक मित्र संघ ने पुतला दहन किया

चौपारण। जीटी रोड के ताजपुर काली मंडा चौक पर झारखंड कृषक महासंघ के निर्देश पर चौपारण प्रखंड इकाई के अध्यक्ष अमल किशोर सिंह, सचिव जयप्रकाश रजक के नेतृत्व में सीएम, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख का पुतला दहन किया। पुतला दहन के पूर्व आमसभा कर कृषक मित्र अध्यक्ष ने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं के संचालन में भागीदारी, जैसे कृषि ऋण माफी, केसीसी कार्ड, फसल बीमा, पीएम किसान, धान क्रय का निबंधन, मिट्टी जांच, पशुपालन विभाग सहित कई विभागों में किसान और पशुपालन, कृषि से संबंधित किसानों का काम करते हैं। लेकिन कृषक मित्रों को सरकार कोई मानदेय नहीं दे रही है। सरकार ने संघ को कई बार आश्वाशन दिया गया लेकिन हमेशा कृषक मित्रों की उपेक्षा की गई। पुतला दहन में कोषाध्यक्ष सुखदेव दांगी, श्यामलाल राम, भवानी देवी, मिक्की कुमारी, सचिदानंद सिंह, मुकेश साव, संदीप सिंह, प्रकाश रजक, विवेक सिंह, पंकज सिंह, रंजीत सिंह, रंजीता कुमारी आदि शामिल थे।

पूर्व विधायक व जनप्रतिनिधियों का धरना-प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी

चलकुशा। प्रखंड मुख्यालय के समक्ष पूर्व विधायक एवं जनप्रतिनिधियों का धरना-प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। चलकुशा बीडीओ समरेश प्रसाद भंडारी एवं थाना प्रभारी ने धरनास्थल पहुंच कर धरना को समाप्त करने का आग्रह किया। वहीं पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने कहा कि जबतक हमारे 13 सूत्री मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा तब तक धरना जारी रहेगा। वहीं बीडीओ ने पूर्व विधायक को उच्च अधिकारियों से दूरभाष से बात करवाई। इसमें उत्तरी वन प्रमंडल पदाधिकारी हजारीबाग ने कहा कि तत्काल हाथियों को चलकुशा प्रखंड से भगाने के लिए बांकुड़ा से आज से कल तक टीम पहुंच जाएगी। वहीं चलकुशा पावर सब-स्टेशन को शीघ्र चालू करने के लिए हजारीबाग विद्युत विभाग के महाप्रबंधक ने दूरभाष पर आश्वासन दिया कि चलकुशा पावर सब-स्टेशन का काम आज से चालू किया जाएगा। चलकुशा ग्रामीण जलापूर्ति की टीम ने कहा कि ने जल्द से जल्द चालू किया जाएगा। उच्च अधिकारियों से बात कराने पर पुर्व विधायक ने बीडीओ धन्यवाद दिया। धरनास्थल पर मौजूद मुखिया आलोक सिंह, मुखिया सुखदेव यादव, मुखिया कुमार अंशु, मुखिया प्रतिनिधि केदार यादव आदि मौजूद थे।

चतुभुर्जी जीटी रोड संकीर्ण होने से फिर फंसा एक ट्रक

बरकट्ठा। बरकट्ठा में चतुभुर्जी जीटी रोड को सिक्सलेन में अपग्रेडेशन कार्य के क्रम में निमार्णाधीन फ्लाईओवर बनाने के लिए सड़क को संकीर्ण किया गया। इसमें एक ट्रक फिर फंसकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जाता है कि ट्रक फ्लाईओवर के लिए बने पिलर में झूल गया। इसके दो दिन पूर्व फ्लाईओवर निर्माण के क्रम में सड़क किनारे छोड़े गए लोहे के कील में एक ट्रक के चार टायर एक साथ फट गया। लोगों ने सड़क को चौड़ा करने की मांग एनएचएआई से की है। ग्रामीणों के मुताबिक संकीर्ण सड़क में छोटे वाहन, बाइक सवार और पैदल चलने वालों को बहुत परेशानी होती है। हरसमय हादसा होने की आशंका बनी रहती है।

संत कोलंबा महाविद्यालय में इंडक्शन मीट का आयोजन

हजारीबाग। गुरुवार को संत कोलंबा महाविद्यालय के प्रांगण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत चार वर्षीय स्नातक कोर्स के प्रथम बैच का इंडक्शन मीट का आयोजन किया गया। इस विशेष की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जेआर दास ने सत्र 2022- 26 के सेमेंस्टर वन के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी झारखंड राज्य के उच्च शिक्षा के अत्यंत प्रतिष्ठित एवं ऐतिहासिक महाविद्यालय में नामांकन लिए हैं आपका हार्दिक स्वागत है अभिनंदन है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षण एवं प्रशिक्षण का अवसर प्राप्त होगा। प्राचार्य ने कहा कि आप सभी विद्यार्थियों के माध्यम से पूरे झारखंड प्रदेश के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का जो लक्ष्य तय किया गया है वह प्रसारित होगा। प्राचार्य ने सभी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों का विद्यार्थियों से परिचय करवाया। एक अन्य सत्र में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के नोडल ऑफिसर डॉ इंद्रजीत कुमार ने महाविद्यालय के शिक्षकों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के द्वारा लागू पाठ्यक्रम को लेकर आयोजित किया गया। कार्यशाला में प्रो इंद्रजीत कुमार ने मेजर, माइनर, वोकेशनल आदि विषय के पाठ्यक्रमों पर प्रकाश डाला। सेमिनार में महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने भाग लिया।

पल्स पोलियो अभियान सितंबर 2022 का उपायुक्त ने किया शुभारंभ, कहा

सभी अभिभावक अनिवार्य रूप से अपने 5 वर्षों तक के बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाएं

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उपायुक्त माधवी मिश्रा ने गुरूवार को पल्स पोलियो अभियान सितंबर 2022 का शुभारंभ छत्तरमांडू स्थित सदर अस्पताल परिसर से किया। मौके पर उपायुक्त ने 5 वर्ष से कम आयु के बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाने के उपरांत सभी जिले वासियों से अनिवार्य रूप से अपने 5 वर्ष तक कि आयु तक के बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाने की अपील की। उपायुक्त ने सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार से पल्स पोलियो अभियान 2022 के तहत रामगढ़ जिला अंतर्गत प्रत्येक योग्य बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाने हेतु तैयार माइक्रो प्लान की जानकारी ली। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को ज्यादा से ज्यादा बच्चों को गुरुवार को जिले के विभिन्न बूथों पर पोलियो की खुराक पिलाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि किसी कारणवश जो बच्चे बूथ पर पोलियो की खुराक नहीं ले पाते हैं उन्हें 16 एवं 17 सितंबर को घर-घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाने दी जाए। गौरतलब है कि पल्स पोलियो अभियान 2022 के तहत रामगढ़ जिला अंतर्गत लगभग 172146 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित है। जिसमें गुरुवार को विभिन्न बूथों पर बच्चों को पोलियो खुराक पिलाई जाएगी। वहीं, 16 एवं 17 सितंबर को घर-घर जाकर 5 वर्ष से कम आयु तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का कार्य किया जाएगा। पल्स पोलियो अभियान 2022 के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्जन, डीआरसीएचओ, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, विधायक प्रतिनिधि, अन्य स्वास्थ्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

समझदार-जिम्मेदार समाज के लिए प्रत्येक बच्चे का पढ़ाई कराना जरूरी : उपायुक्त

झारखंड शिक्षा परियोजना के तहत बृहस्पतिवार को उपायुक्त माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में छत्तरमांडू स्थित टाउन हॉल भवन में जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त माधवी मिश्रा, कार्यपालक दंडाधिकारी सह जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी डॉ मोहम्मद हुसैन, जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम, जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार व अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी का पुष्प देकर स्वागत किया गया जिसके उपरांत दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सम्मेलन के दौरान उपायुक्त माधवी मिश्रा ने कहा कि सरकार शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है इसी कड़ी में आज यहां झारखंड शिक्षा परियोजना के तहत जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन का आयोजन किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों व ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के स्तर को सुधारने में आपकी भागीदारी सुनिश्चित करने एवं आपके द्वारा किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति आपको जानकारी देना है। उपायुक्त ने कहा कि आप सभी जनप्रतिनिधि विभिन्न माध्यमों से अपना योगदान देते हुए शिक्षा के स्तर को सुधारने में एक बड़ी कड़ी साबित हो सकते हैं, ग्रामीण क्षेत्रों से कई बार ऐसी सूचनाएं सामने आती है कि विद्यालय की मूलभूत संरचना ठीक नहीं है रामगढ़ जिला एक खनिज प्रधान जिला है जहां की अगर सही प्रक्रिया का पालन किया जाए तो खनिज निधि के माध्यम से विकास के कई कार्य किए जा सकते हैं। आप सभी से अपील है कि आप नियमित रूप से अपने क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के विद्यालय प्रबंधन समिति के साथ बैठक करें एवं विद्यालय के सुचारू रूप से संचालन हेतु जो भी कदम उठाए जाने हैं उसके लिए कार्य करें। अगर आपको लगता है कि किसी योजना से आपके क्षेत्र में ग्रामीणों व विद्यार्थियों को फायदा हो सकता है तो आप उसके लिए ग्राम सभा आयोजित कर ग्राम सभा के पास कराते हुए उसे प्रखंड विकास पदाधिकारी तक पहुंचाने का प्रयास करें ताकि जिला स्तर से जिला प्रशासन उस पर कार्यवाई कर सके उपायुक्त ने कहा कि सिर्फ विद्यालय ही नहीं आंगनबाड़ी केंद्रों सहित कई अन्य सार्वजनिक स्थल भी हैं जिनके माध्यम से आप गांव का विकास कर सकते हैं आप सभी को आज इस सम्मेलन में विभिन्न जानकारियों से संबंधित पुस्तिका उपलब्ध कराई गई है आप उसे पढ़ें एवं अगर आपको किसी प्रकार की दुविधा है तो उसके लिए संबंधित पदाधिकारी के साथ संपर्क करें। उपायुक्त ने कहा कि एक समझदार और जिम्मेदार समाज के निर्माण के लिए यह बहुत जरूरी है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित ना रहे, केवल स्कूल जाना ही नहीं बल्कि पढ़ाई पूरी करना भी जरूरी है। आज हम देखते हैं कि कई क्षेत्रों में महिलाएं देश का नाम रोशन कर रही हैं इसके बावजूद कुछ क्षेत्रों से आज भी यह खबर सामने आती है कि अभिभावक अपनी बच्चियों को सातवीं व आठवीं कक्षा के बाद स्कूल नहीं भेजते हैं आप सभी उन्हें इसकी जानकारी दें कि अगर वे अपनी बच्ची को विद्यालय नहीं भेजेंगे तो वह अपने जीवन में कभी भी सफल नहीं हो पाएगी। मौके पर उपायुक्त ने स्कूल ड्रॉपआउट कम करने व रिटेंशन रेट बढ़ाने को लेकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के संबंध में भी सभी को जानकारी दी।

भाजपा जिला कार्यालय में बैठक का आयोजन

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़ा चलाने का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। भाजपा जिला कार्यालय में 15 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाने के मुद्दे पर बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता ने एवं संचालन महामंत्री रंजन फौजी ने की। बैठक में मुख्य रूप से जिला प्रभारी शशि भूषण भगत उपस्थित हुए। मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर चलने वाले 15 दिनों के सेवा पखवाड़ा को लेकर विचार विमर्श किया गया। जानकारी दी गई की सेवा पखवाड़ा के तहत 16 सितंबर को बुक स्टॉल,लगाया जाएगा,17 सितंबर को रक्तदान किया जाएगा। 18 सितंबर को स्वास्थ्य शिविर, 19 सितंबर को व्हील चेयर एवम कृत्रिम अंग वितरण, 20 सितंबर टीबी मरीजों का इलाज सुनिश्चित करना, 21 सितंबर कोविड बूस्टर डोज का शिविर आयोजन,22 सितंबर वृक्षा रोपण, 24 सितंबर जल संरक्षण जागरूकता, 25 सितंबर मन की बात सहित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती, 26 सितंबर भोजन उत्सव, 27 सितंबर लोकल फॉर वोकल कार्यक्रम को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम, 28 सितंबर नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियों पर कार्यक्रम, 29 सितंबर बुद्धिजीवी वर्ग के लेखों को प्रसारित करना, 30सितंबर से 1 अक्टूबर तक लाभार्थियों द्वारा प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड प्रेषित करना, 2 अक्टूबर को कार्यकर्ताओं द्वारा खादी वस्त्र खरीद कर उसको बढ़ावा देना, स्वच्छता अभियान चलाना सहित अन्य कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई है। बैठक में मुख्य रूप से महामंत्री खिरोधर साहू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू चतुर्वेदी, स्नेहलता चौधरी, सरिता ठाकुर, पूर्व जिलाध्यक्ष रंजीत सिन्हा, मंत्री राजेंद्र कुशवाहा, दिलीप सिंह, रमेश वर्मा, वसुध तिवारी, मीडिया प्रभारी सत्यजीत चौधरी, सोशल मीडिया प्रभारी संतोष शर्मा, आईटी सेल प्रभारी प्रवीण कुमार सोनू, कुमैल उरांव, अवितेश सिंह, महेंद्र प्रजापति, खुशीलाल महतो, मनोज गिरी, धीरज साहू, टोकेश सिंह,सतीश मोहन मिश्र, राजाराम प्रजापति, बबलू साव, गणेश प्रसाद, अशोक कुमार आदि मौजूद थे।

फाइलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम को लेकर सीएचसी में प्रेस मीटिंग का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरकट्ठा में गुरुवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अर्जुन सोरेन की उपस्थिति में फाइलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम को लेकर एक प्रेस मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर चर्चा की गई ।बीपीएम रंजीत कुमार ने बताया कि 16 सितंबर से 30 सितंबर तक संपूर्ण प्रखंड बरकट्ठा व चलकुशा में फाइलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। कहा कि 16 सितंबर को प्रशासकों द्वारा बुथ पर एवं 17 से 30 सितंबर तक घर घर जाकर लक्षित आबादी को एल्बेंडाजोल टेबलेट एवं डीईसी टेबलेट दवा का सेवन अपने समक्ष कराना है। इसके लिए सहिया दीदी उपस्थित रहेंगी। वहीं चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि फाइलेरिया बीमारी का असर हो जाने के बाद इसका कोई इलाज नहीं है।इसका असर 7 साल के बाद भी होता है। उन्होंने बताया कि दोनों प्रखंड से दवा सेवन कराने हेतु एक लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसमें 2 से 5 वर्ष,6 से 14 वर्ष एवं 15 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को अलग-अलग खुराक खिलाना है। बताया कि इस हेतु दोनों प्रखंडों में कुल 181 बूथ बनाए गए हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ 16 सितंबर को 11:30 बजे सीएससी बरकट्ठा में किया जाएगा।

दिव्यांग बच्चों के लिए जांच शिविर का आयोजन

सतगावां। प्रखंड अंतर्गत सभी विद्यालयों समावेशी शिक्षा अंतर्गत एड़ी आईपी-एसएसए स्कीम के तहत एलिम्को भुवनेश्वर के द्वारा गुरूवार को प्रखंड संसाधन केन्द्र, सतगावां कन्या विद्यलय में तीन से अठारह आयु वर्ग के शारीरिक अक्षमता, श्रवण-बाधित दृष्टि अक्षमता, बौद्धिक अक्षमता वाले दिव्यांग बच्चों की जांच कर सहायक उपकरण प्रदान किया गया। इस दौरान नए 29 बच्चों का जांच हुआ वहीं 52 बच्चों को उपकरण दिया गया। एलिम्को भुवनेश्वर से आये डॉ जीएस बेहरा, अंकुश राज, फैसल करीम, दिलिप महतो, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉक्टर सीरिन बानो, प्रखंड संसाधन केन्द्र से बीईओ शेख सकील अहमद, बीपीओ अशोक कुमार उपाध्याय, आर टी मुन्ना शाह, सुजित कुमार, सहयोगी बजरंगी सिंह, उमेश यादव, बीआरपी सहजाद आलम, बीरेन्द्र कुमार, सी आर पी संतोष कुमार, राजेन्द्र प्रसाद, कन्हैया कुमार, बिनोद कुमार, जवाहिर अकेला, होली फैमली कोडरमा से शुभम कुमार सिंह, सीबीआर जयमंगल कुमार शाही उपस्थित थे।

घरों और जेवर दुकानों में चोरी की घटना का हुआ उद्भेदन

चोरी के कई समानों के साथ तीन हुए गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। जिले के विभिन्न इलाकों में घरों एवं जेवर दुकानों में चोरी की घटना का उद्भेदन करने में कोडरमा पुलिस को सफलता मिली है। इस बाबत चोरी के कई समानों के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। कोडरमा एसडीपीओ अशोक कुमार ने गुरुवार को बताया कि विगत कुछ दिनों से कोडरमा जिला के विभिन्न क्षेत्रो जयनगर, तिलैया, डोमचांच में लगातार घरो एवं जेवर दुकानों में चोरी, मोबाईल चोरी की घटना घट रही थी। जिसको लेकर एसपी कुमार गौरव ने एक टीम गठित कर मामले का उद्भेदन का निर्देश दिया था। गठित टीम में पुनि तिलैया एवं थाना प्रभारी जयनगर के नेतृत्व में तकनीकी शाखा से उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कांड में संलिप्त अपराधियों को पकड़ा गया जिसके बाद पकड़े गए आरोपियों नें कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया। उनके पास से चोरी के सामानों को बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में दीपक पासी (उम्र 43 वर्ष पे जैलाल पासी सा- स्वांग, गांधीग्राम, थाना-गोमिया जिला-बोकारो) व दो अन्य किशोर को पकड़ा गया है। जब्त सामानों में वीवो कम्पनी का मोबाईल, जियो कम्पनी, रीयलमी नारजो, रेडमी कम्पनी का मोबाईल, एक स्मार्ट फोन का कवर जिसमें एक आधार कार्ड रखा हुआ है। साथ ही एक हीरो होंडा कम्पनी का मोटरसाईकिल जेएच10जी 9549, चाकू छुरी पजाने वाला लोहे का मशीन, चांदी का दो अंगुठी, चांदी का एक दीया, प्लास्टिक का छोटा बड़ा कुल 10 डब्बा, एवं प्लास्टिक का बीस रैपर, चोरी में प्रयुक्त एक सब्बल भी बरामद किया गया है।

जाने किस किस थाना में दर्ज हुए थे चोरी के मामला

कोडरमा जिले के जयनगर थाना कांड सं-160/2022, दिनांक 04.09.22, तिलैया थाना कांड सं- 230/2022, दिनांक 02.09.22, जयनगर थाना कांड सं-156/2022, दिनांक 25.08.22, धारा 457/380, जयनगर थाना कांड सं-168/2022, दिनांक 13.09.22, डोमचांच थाना कांड सं-110/2022, दिनांक 13.09.22। प्रेस वार्ता में एसडीपीओ अशोक कुमार के अलावे तिलैया थाना प्रभारी रामनारायण ठाकुर समेत अन्य लोग मौजूद थे।

सांढ़ दुर्गा मंदिर प्रांगण में लगा बूस्टर डोज

बड़कागांव। चिकित्सा प्रभारी डॉ बीएन प्रसाद के नेतृत्व में बड़कागांव प्रखंड के सांढ़ पंचायत के दुर्गा मंदिर प्रांगण में कोविड-19 की बूस्टर डोज दिया गया। बूस्टर डोज लेने के बाद पूर्व वार्ड सदस्य सह वर्तमान वार्ड सदस्य प्रतिनिधि आनंद कुमार पासवान ने कहा कि कोरोना वायरस से लड़ने के लिए वैक्सीन बहुत जरूरी है। साथ ही लोगों से अपील करते हुए कहा कि वैक्सीन लेने से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसे अति आवश्यक समझे और वैक्सीनेशन करवाएं। संक्रमण से बचाव के लिए बूस्टर डोज फ्री में लोगों को मुहैया कराया जा रहा है। लोगों को यह सुविधा सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर भी मिल रही है। मौके पर स्वास्थ्य कर्मी सोहदरी मांझी, अमित कुमार, सहिया विमला कुमारी, सरिता पासवान सहित अन्य लोगों का योगदान रहा।

राधा गोविंद विवि शिक्षा विभाग में मना हिंदी दिवस

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में हिंदी दिवस मनाया गया। इस दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता, श्लोगन लेखन, कविता पाठ, वाद-विवाद एवं हस्त लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ. अंजू तिवारी ने हिंदी के महत्व को बताया एवं सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। विभाग की व्याख्याता रंजना पांडेय ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हिंदी आम-जनमानस की भाषा है, इसका समुचित विकास एवं विस्तार करना हमारा दायित्व होना चाहिए।

हस्त-लेखन में किरण कुमारी, कविता में लक्ष्मण कुमार, वाद-विवाद में समूह 'अ' ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विभाग के व्याख्याता उषा किरण, अनामिका कुमारी, उमेश चंद्र महतो, राकेश रंजन, अरबिंद कुमार, अर्चना राणा समेत छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग ने जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन का आयोजन

विद्यालय में शिक्षा की बेहतरी में मुखिया की अहम भूमिका : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। पंचायत जनप्रतिनिधियों का शिक्षा के क्षेत्र में लोक भागीदारी एवं उनकी अहम भूमिका को लेकर झारखंड शिक्षा परियोजना, हजारीबाग द्वारा गुरुवार को राजकीय $2 जिला स्कूल हजारीबाग के प्रांगण में जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि उपायुक्त नैंसी सहाय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शिक्षा की बेहतर बनाने में मुखिया एवं पंचायत जनप्रतिनिधियों की अहम भूमिका है। उन्होनें कहा कि गांव के सरकारी विद्यालय, मॉडल स्कूल,कस्तूरबा विद्यालय या अन्य आवासीय विद्यालयो में हम सब मिलकर कार्य करें तो गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर शिक्षा बच्चों को दिलाने में

सफल होंगे। दिव्यांग बच्चों के प्रति भी सहयोगात्मक भूमिका निभाने एवं पंचायत की समस्या को लेकर सीधे संपर्क करने की सलाह दी। डाढा की मुखिया सुनीता देवी ने मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों के लिए बस की सुविधा, विद्यालय की चहारदीवारी की मांग की तथा शिक्षा में सुधार करना है तो सहायक अध्यापकों का स्थानांतरण करने का जिक्र किया। सम्मेलन को डीईओ उपेंद्र नारायण, डीएसई संतोष गुप्ता, डीएवी के प्राचार्य अशोक कुमार, साईट सेवर्स के राज्य पदाधिकारी डा जितेंद्र कुमार, बीपीओ नागेश्वर सिंह, बंशीधर राम मुखिया अर्जुन पांडेय, सुनीता देवी, रंजीत मेहता, महेश कुमार, सीश्री के आलोक रॉय, पिरामल के अविनाश कुमार, गौरव कुमार, एडीपीओ सुनीला लकड़ा, अंजुला कुमारी, लालिमा जयोत्सना लकड़ा ने भी संबोधित किया। मंच संचालन एपीओ संजय तिवारी एवं सीआरपी अजय नारायण ने किया। सम्मेलन में लोक भागीदारी, शिक्षा की अवश्यकता, नई शिक्षा नीति, एनईआर, जीईआर, पंचायत जनप्रतिनिधियों का कार्य एवं दायित्व, विद्यालय में बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन एवं ठहराव, शून्य ड्रॉप आउट, विद्यालय विकास में सहयोग समेत अन्य बातों पर चर्चा की गई। इस दौरान राज्य से आए साईट सेवर्स के जितेंद्र कुमार ने दिव्यांग बच्चों को भी सामान्य बच्चों की भांति शिक्षा का अधिकार दिलाने में अहम भूमिका निभाने की बात रखी। इस दौरान दो दिव्यांग बच्चों ने शिक्षा से जुड़ने पर साइट सेवर्स के प्रयास पर अपनी अनुभव को रखा। मौके पर मुखिया काजल देवी, मीना देवी, मोदी कुमार, सकेंदर मेहता, जिले के विभिन्न पंचायतों के सैकड़ों मुखिया ने सम्मेलन में भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रविंद कुमार सिंह, अभय कुमार, ओमप्रकाश कुमार, रंभा कुमारी, मीनाक्षी अम्बष्ठा समेत अन्य सीआरपी-बीआरपी ने सहयोग किया।

वज्रपात से एक व्यक्ति की मौत

डोमचांच। थाना अंतर्गत पचगावां मे गुरुवार को वज्रपात से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक व्यक्ति की पहचान नारायण राणा (उम्र 40 वर्ष, पिता रामचंद्र राणा, ग्राम पचगावां, थाना डोमचांच) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त व्यक्ति पचगावां तालाब स्थित जानवर चराने गया था। उसी समय तेज बारिश होने के दौरान वज्रपात से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो - रो कर बुरा हाल है। इसकी सूचना डोमचांच थाना प्रभारी को मिलने के बाद पुलिस बल के साथ पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया।

राधाकृष्णन पब्लिक स्कूल का किया शुभारंभ

बरकट्ठा। प्रखंड के मेरमगड्डा मोड़ के समीप राधाकृष्णन पब्लिक स्कूल का शुभारंभ किया गया। सीबीएसई पैटर्न पर आधारित विद्यालय राधाकृष्णन पब्लिक स्कूल इंग्लिश मीडियम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिप सदस्य कुमकुम देवी,भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर,सांसद प्रतिनिधि केदार साव,मुखिया सुमन कुमार, मुखिया मुन्नी देवी, पंसस मंजू देवी ने संयुक्त रुप से फीता काटकर उद्घाटन किया। वही निदेशक राम प्रसाद ने कहा कि विद्यालय में कक्षा नर्सरी से 10 वीं तक की पढ़ाई करायी जायेगी । साथ ही साथ सैनिक ,नेतरहाट व नवोदय विद्यालय एवं अन्य टॉप विद्यालयों में नामाकंन हेतु बच्चों को निशुल्क तैयारी कराई जाएगी। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि बिरेन्द्र शर्मा,संजय यादव,बिनोद प्रसाद, राजेंद्र पासवान पवन कुमार, विजय रविदास, रामेश्वर प्रसाद,लखन यादव,संतोष यादव, संतोष कुमार साव,मुकेश प्रसाद समेत कई लोग उपस्थित थे।

बिजली तार की चपेट में आने से मवेशी की मौत

मरकच्चो। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कादोडीह में गुरुवार को 11हजार वोल्ट के तार की चपेट में आकर एक मवेशी की मौत हो गयी। गुरुवार को गांव की जुगली देवी पति रामप्रसाद महतो अपने भैंस को पंचायत भवन के समीप चराने के लिए निकली थी। तभी बिजली के खंभे से झुलती तार के चपेट में आकर मवेशी की मौत हो गयी। बिजली विभाग की लापरवाही से मवेशी की मौत से जुगली देवी काफी आहत है।

न्यूज गैलरी

बरसलोया पंचायत भवन में रोजगार दिवस का हुआ आयोजन

कोलेबिरा। प्रखंड के बरसलोया पंचायत सभागार में गुरुवार को मुखिया संदीप मुंडा की अध्यक्षता में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया जिसमें प्रखंड कर्मी और जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित वार्ड सदस्यों, सखी मंडल की दीदियों, दीदी बाड़ी के सदस्यों और उपस्थित ग्रामीणों से उनकी समस्याएं सुनी साथ ही पूर्व से चली आ रही योजना एवं कार्यो की समीक्षा की गई। वृद्धा पेंशन, दीदी बाड़ी बिरसा हरित ग्राम योजना सहित कई योजनाओं की भी चर्चा की गई साथ ही जॉब कार्ड भी वितरण किया गया।वहीं जन प्रतिनिधियों ने पूर्व से चली आ रही योजनाओं के अंतर्गत कार्यो को जल्द से जल्द पूर्ण करने को कहा और आने वाली योजनाओं के बारे में बताया। मौके पर मुखिया संदीप मंडा बरसलोया, उप मुखिया केशनी देवी,पंचायत सचिव जगतपाल महतो, जनसेवक पुणे उरांव रोजगार सेवक, वार्ड सदस्य गण और बरसलोया पंचायत के ग्रामीण उपस्थित थे।

कीटनाशक पीकर व्यक्ति ने की आत्महत्या का प्रयास

सिमडेगा। केरसई करईगुड़ा डिपाटोली गांव में 35 वर्षीय शख्स ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास किया परिवार वालों ने बिगड़ती हालत को देख तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल सिमडेगा लाया जहां पर डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रही है। घटना के संबंध में यह पत्नी ने बताया कि राजेंद्र राणा घर में विगत दो-तीन दिनों से काफी परेशान रहे थे और अचानक किसी बात को लेकर चिंतित होकर घर में रखे कीटनाशक पी लिया। जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी इधर सदर अस्पताल में उसे इलाज के लिए भर्ती कराया जहां इलाज चल रही है।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल

जलडेगा। थाना क्षेत्र के लंबोई के समीप मोटरसाइकिल दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में 108 एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल सिमडेगा लाया जहां पर उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को सिमडेगा के सलडेगा निवासी विराज इंदवार किसी काम को लेकर जलडेगा गया था और वापस लौट रहा था इसी दौरान लम्बोइ के पास मोटरसाइकिल से नियंत्रण खो कर गिरा। जिसके बाद माथे में गंभीर चोट आई। माथे में गंभीर चोट लगने की वजह से फिलहाल बेहोशी की स्थिति में सदर अस्पताल में इलाज चल रही है। समाचार लिखे जाने तक मरीज के समक्ष परिवार के कोई भी सदस्य मौजूद नही थे।

शिव शिष्य परिवार की ओर से हरिद्रानंद जी को आज दी जायेंगी श्रद्धांजलि

सिमडेगा। सिमडेगा के शिव शिष्य परिवार की एक बैठक गुरुवार को संपन्न हुई। जहां गुलजार गली शिव मंदिर में आज शिव शिष्य हरिद्रानंद का 12 वा श्राद्ध के इस अवसर पर सिमडेगा के अनाथालय में दर्जनों बच्चे एवं बच्चियों को तथा कार्यरत सभी कर्मचारी को भरपेट भोजन कराने का निर्णय लिया। गौरतलब हो कि 4 सितंबर को हरिद्रानंद जी का रांची धुर्वा स्थित आवास में देहांत हो गया था इनके लाखों शिव शिष्य परिवार के लोग काफी दुखित एवं अपने आप को अनाथ महसूस कर रहे हैं शुक्रवार को उनके चित्र में श्रद्धा सुमन सैकड़ों भाइयों बहनों के द्वारा अर्पित किया जाएगा।

बच्चा चोर के अफवाह से बचें ग्रामीण : थाना प्रभारी

कुडू-लोहरदगा। एक बार फिर से बच्चा चोर गिरोह के सक्रिय होने की तेजी से फैल रही अफवाह से बचने के लिए थाना प्रभारी अविनव कुमार ने थाना क्षेत्र के लोगों से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अफवाहें समाज के लिए खतरा बन जाती हैं। बिना जांच पड़ताल के फैलाई गई अफवाह के कारण बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसलिये ग्रामीण बच्चा चोर की अफवाह पर ध्यान नहीं दें साथ ही बिना सोचे समझे कोई भी मैसेज फॉरवर्ड न करें। किसी भी तरह का अफवाह फैलाना कानूनन जुर्म है। गांव में अंजान लोग दिखें या किसी प्रकार का शक हो तो उसपर नजर रखें। इसकी सूचना पुलिस को दें। किसी को भी देखकर बच्चा चोर समझ कानून अपने हाथों में न ले। कानून अपने हाथों में लेने वालों को बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी इस तरह की बेबुनियाद अफवाह वर्ष 2017 में फैलाई गई थी। जिसकी चपेट में कई बेगुनाह लोग आए थे। इसपर हम सभी को सतर्क रहने की जरूरत है।

जय श्री राम समिति का प्रखंड से पंचायत स्तर तक होगा विस्तार

लोहरदगा। जय श्रीराम समिति की बैठक देवी मंडप प्रांगण दुर्गा बाड़ी में श्री राम समिति के प्रखंड अध्यक्ष विनोद रविदास की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से समिति का विस्तार प्रखंड स्तर से पंचायत स्तर तक करने हेतु चर्चा किया गया। बैठक में जय श्रीराम समिति लोहरदगा के संरक्षक अजय सोनी, कार्यकारी अध्यक्ष ओम महतो, उपाध्यक्ष अनिल उरांव, सह-कोषाध्यक्ष विनोद प्रसाद मुख्य रूप से उपस्थित हुए। वही संबोधन में कहा गया कि पंचायत स्तर पर समिति का गठन जल्द से जल्द करते हुए विस्तार करें। उक्त बैठक में जिला समिति के पदाधिकारियों के साथ मुख्य संरक्षक मुरारी सोनी, बजरंग उरांव,विवेक प्रजापति, सुजित प्रसाद,संजय कुमार साहू, कोषाध्यक्ष बाबुलाल उरांव, मीडिया प्रभारी अंकित कुमार, रंजन कुमार उपाध्यक्ष रंजीत कुमार, सुखदेव महतो, मनोज साहू, विष्णु कुमार, ब्रजेश कुमार, पंकज साहू, अनमोल कुमार रंजीत महली, गोविंद मुखर्जी, भोला साहू, प्रकाश साहू जयराम उरांव, पहान महादेव उरांव, गौतम कुमार,अनिल कुमार, सीताराम उरांव, आनंद प्रसाद, मोहर साहू,सुलेन्द्र उरांव, मुनु उरांव, राधेश्याम साहू, बबलू राम, अमन पांडेय, अमरेश राम, विकाश राम, बालक बैठा कृष्णा साहू दिलीया भगत इत्यादि सामिल थे।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2023 को लेकर उपायुक्त ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक, कहा

योग्य मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए प्रेरित करें

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2023 एवं मतदाता पहचान पत्र को आधार नंबर से लिंक करने संबंधी बैठक लोहरदगा जिला के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल के अध्यक्ष/सचिव के साथ हुई। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त द्वारा सभी राजनैतिक दलों से अपील की गई कि योग्य मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए प्रेरित करें। उन्हें सभी तरह की जानकारी दी जाय ताकि जिला में जनसंख्या में अनुपात में मतदाताओं की संख्या बढ़े। निर्वाचन आयोग द्वारा कई बदलाव किये गये हैं उनकी भी जानकारी दी जाय। साथ ही, जिनके पास अभी मतदाता पहचान पत्र हैं उन्हें आधार नंबर से जोड़े जाने हेतु प्रेरित किया जाय। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा चुनाव अधिनियम संशोधन विधेयक-2021 की जानकारी दी गई। संशोधन के मुख्य बिंदुओं में बताया गया कि आरपी एक्ट 1950 के सेक्शन 23 के सब-सेक्शन 4 के अंतर्गत अब वोटर कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ने का प्रावधान किया गया है।सभी पुराने पंजीकृत मतदाताओं को आधार नंबर से जोड़ा जाना है। आधार कार्ड नहीं रहने के बावजूद मतदाता का अधिकार बना रहेगा। जिला में मतदाता पहचान पत्र को अब मतदाता के आधार नंबर से जोड़े जाने का कार्य चल रहा है। 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में अब तक 65 प्रतिशत मतदाताओं का एपिक नंबर उनके आधार नंबर से लिंक किया जा चुका है। कई बूथों में 98 प्रतिशत मतदाताओं का एपिक नंबर उनके आधार नंबर से लिंक किया जा चुका है। कई ऐसे भी बूथ हैं जहां की उपलब्धि कम है। राजनैतिक दलों

के प्रतिनिधियों से अपील की गई कि वे मतदाताओं को उनके एपिक नंबर से उनके आधार नंबर लिंक करने के लिए प्रेरित करें। बैठक में सर्विस और विशेष मतदाताओं के लिए लैंगिक समानता का प्रावधान और निर्वाचन संचालन के लिए प्रयोजन से परिसर को अधिग्रहण करने की शक्ति की जानकारी राजनैतिक दलों को दी गई। लैंगिक समानता का प्रावधान में बताया गया कि आरपी एक्ट 1950 के सेक्शन 20 के सब-सेक्शन 6 के अंतर्गत अब बीवी की जगह स्पाउस रहेगा। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल, उप निर्वाचन पदाधिकारी नारायण राम, भारतीय जनता पार्टी के अनिल उरांव, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के निशीथ जायवाल, झामुमो के मोजम्मील अहमद, आजसू पार्टी अनिल उरांव, भाकपा माले के महेश सिंह, राजद के बालमुकुंद लोहरा, झारखंड पार्टी के पवन तिग्गा समेत अन्य उपस्थित थे।

मतदाता सूची में शामिल होने के लिए अब चार अर्हता तिथियां : बैठक में राजनैतिक दलों को बताया गया कि आरपी एक्ट 1950 के सेक्शन 14 के क्लॉज बी के अंतर्गत अब एक ही वर्ष में मतदाताओं की अर्हता की तिथि चार हो जायेगी। 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर को आधार मानते हुए 18 वर्ष या इससे उपर की उम्र के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किये जा सकेंगे। वार्षिक संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए अर्हता तिथि उस वर्ष की 1 जनवरी होगी। योग्य आवेदक पंजीकरण के लिए अर्हता तिथियों के अनुसार अपना आवेदन अग्रिम तौर पर प्रारूप-6 में समर्पित कर सकते हैं। वार्षिक संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में प्रारूप प्रकाशन की तिथि 1 जनवरी के संदर्भ में होगी। पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान प्राप्त सारे प्रपत्रों को जन्म तिथि एवं अर्हता तिथि के अनुसार अलग-अलग किया जायेगा। बैठक में राजनैतिक दलों को विभिन्न प्रकार के आवेदन संबंधित प्रपत्र, सूची प्रपत्र आदि की भी जानकारी दी गई। दावे और आपत्ति का प्रारूप, नये मतदाताओं के लिए फार्म-6, दावे के विरूद्ध आपत्ति एवं नाम विलोपन हेतु प्रपत्र-7 और निर्वाचन क्षेत्र के भीतर निवास का स्थानांतरण, निर्वाचन क्षेत्र के बाहर निवास का स्थानांतरण, प्रविष्टियों के सुधार या अद्यतन के लिए आवेदन हेतु प्रपत्र-8 भरा जायेगा।

कुल मतदाताओं की संख्या : अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में कुल 324 मतदान केंद्र हैं जहां कुल मतदाता 2,65,109 हैं। 69-बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र में 104 मतदान केंद्र हैं जहां कुल मतदाता 78,889 मतदाता हैं। इस प्रकार लोहरदगा जिला में कुल 3,43,998 मतदाता हैं। 72-लोहरदगा में कुल जनसंख्या में मतदाताओं का प्रतिशत 58.34 है। लिंगानुपात 992 है। 69-बिशुनपुर में कुल जनसंख्या में मतदाताओं का प्रतिशत 57.69 है। लिंगानुपात 987 है।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की दी गई जानकारी : बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, लोहरदगा द्वारा मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम, 2023 की जानकारी दी गई। इसमें बताया गया कि दिनांक 04.08.2022 से 24.10.2022 तक मतदान केंद्रों का अनुपातीकरण/री-अरेंजमेंट, मतदाताओं के पहचान पत्र के फोटो में सुधार, मतदान केंद्रों का निर्धारण आदि का कार्य चल रहा है। दिनांक 25.10.2022 से 07.11.2022 तक प्रपत्र 1 से 8 तक की तैयारी का कार्य चलेगा। दिनांक 09.11.2022 को मतदाता सूची के इंटीग्रेटेड ड्राफ्ट का प्रकाशन किया जायेगा। दिनांक 09.11.2022 से 08.12.2022 तक दावा/आपत्ति भरा जायेगा। इसी दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निदेश पर निर्धारित दो शनिवार व दो रविवार की तिथियों को मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप का आयोजन किया जायेगा। दिनांक 26.12.2022 तक दावा व आपत्ति का निराकरण किया जायेगा। दिनांक 05.01.2023 को मतदाता सूची का फाइनल प्रकाशन किया जायेगा।

कुडू में होटल और किराना दुकानों का फूड सेफ्टी ऑफिसर ने किया निरीक्षण

कुडू-लोहरदगा। उपायुक्त लोहरदगा वाघमारे प्रसाद कृष्ण एवं अनुमंडल पदाधिकारी अरबिंद कुमार लाल के निदेशानुसार आगामी दुर्गा पूजा और दीपावली त्योहार पर आम लोगों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जाने को लेकर जिला खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने गुरुवार 15 सितंबर को कुडू ब्लाक मोड़, मेन रोड, बस स्टैंड आदि कई स्थानों पर मिठाई दुकान, किराना दुकानों की जांच की। जांच टीम में जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी राजा कुमार, कार्यपालक दंडाधिकारी सन्नी कुमार दास, सहायक रजनीश कुमार शामिल थे। इस दौरान जांच टीम ने सभी खाद्य कारोबारियों और होटल संचालकों को प्रतिष्ठान की साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों को ढंककर रखने, अखाद्य रंग का प्रयोग न करने एवं एक्सपायरी खाद्य सामग्री नहीं बेचने और मिठाई की कीमत लिखने सहित कई हिदायत दी। साथ ही जिनहोने खाद्य अनुज्ञप्ति नही ली है उन्हें जल्द से जल्द अनुज्ञप्ति लेकर उसकी प्रति को प्रतिष्ठान पर चस्पा करने की हिदायत दी। इस दौरान जांच में आये अधिकारी होटलों में गंदगी और बासी मिठाई देखकर आग बबूला हुए और जमकर फटकार लगाई और मौके पर कई दुकानों में फाइन काटा गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी राजा कुमार ने बताया कि जांच के क्रम में किराना दुकानों में प्रतिबंधित पान मसाला नही रखने की चेतावनी दी गयी है। उन्होंने बताया कि यह अभियान आगे भी लगातार चलता रहेगा।

कैरो में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया

नवीन मेल संवाददाता

कैरो/लोहरदगा। कैरो थाना क्षेत्र के नागजुआ में गुरुवार को कैरो थाना एसआई हरिऔध करमाली के अगुवाई में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान दो पहिया, चार पहिया वाहनों की गहन जांच की गई। वाहन से संबंधित कागजात, हेलमेट व डिक्की आदि की भी जांच की गई।इस दौरान हेलमेंट नही पहनने व वाहन से संबंधित कागजात लेकर नही चलने वाले लोगों को सख्त हिदायत दी गई।इस दौरान नागजुआ साप्ताहिक हाट में खड़े वाहन की जांच की गई। क्षेत्र से वाहन चोरी होने की घटनाएं होने के बाद लोग खुद भी नहीं सुधर रहे है। बिना हैन्डल लॉक किये ही वाहन सड़क व बाजार हाट में खड़े कर रहे है। सड़क पर खड़े वाहनों को चेक कराना शुरू किया तो कई वाहन बिना लॉक के मिली। सभी वाहनों के मालिक को उठक-बैठक करवाकर चेतावनी देकर छोड़ा। मौके पर एसआई हरिऔध करमाली ने आंकड़े बताते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या ज्यादातर युवाओं की होती है,जिसमे अधिकतर लोग बिना हेलमेंट पहनने वालें के होते है। इतना कुछ होने के बावजूद बिना हेलमेंट व तीन सवारी बैठाए बाइक चलाते हुए आम तौर पर देखा जाता है। जबकी प्रशासन द्वरा लगातार वाहन जांच के दौरान लोगों को हेलमेंट को लेकर जागरूक करने का काम किया जाता है। साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करने के लिए सख्त मना किया जाता है। इस दौरान थाना के दलबल मौजूद थे दलबल मौजूद थे।

सिमडेगा के युवक का शव पालकोट से मिला, हत्या की आशंका

एनएच 143 जाम, लोगों ने की आरोपी को गिरफ्तार कर फांसी देने की मांग

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा के खैरनटोली निवासी युवक का शव पालकोट से मिलने की सूचना के बाद लोग उसकी हत्या की आशंका जताते हुए लोग सड़क पर उतर कर खैरनटोली में एनएच 143 जाम कर जम कर बवाल काटा। मिली जानकारी के अनुसार खैरनटोली निवासी सन्नी बुधवार की सुबह दस बजे से अपने घर से लापता था। उसके परिजनों ने गरजा निवासी अंकित मिंज पर उसके अपहरण का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन दिया था। इधर गुरुवार को दोपहर एक बजे के करीब सन्नी का शव गुमला जिला के पालकोट से बरामद होने की सूचना उनके परिजनों को मिली। इसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। घर वालों का रोना सुन खैरनटोली के लोग वहां जुटने लगे। सन्नी के परिजनों ने अंकित पर सन्नी के हत्या करने का आरोप लगाते हुए खैरनटोली स्कुल मोड़ के पास एनएच 143 पर बैठकर सड़क जाम कर दिया। उनके इस दुख में पुरा खैरनटोली उनके साथ सड़क पर उतर आया। सभी लोग

सिमडेगा पुलिस पर समय पर सूचना देने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाने लगे। सन्नी की मां ने कहा पुलिस समय पर एक्शन लेती तो उनका बेटा जीवित होता। मृतक सन्नी की मां ने कहा कि सन्नी मोबाइल बनाने का काम करता था। राज मोबाइल वाला उससे हमेशा कहता था कि पचास हजार रूपए देगें राउरकेला जाकर काम करो। उन्होने कहा राज मोबाइल वाले ने सन्नी का परिचय अंकित से कराया था। सन्नी को अंकित का फोन आया उसके बाद से हीं सन्नी घर से कहीं चला गया था। बाद मे पता चला की वह अंकित के साथ कहीं गया है। उसके बाद सन्नी का मोबाइल स्वीच ऑफ हो गया तो वे लोग घबराने लगे क्योंकि सन्नी पर अंकित का कुछ पैसा बकाया था और अंकित उससे हमेशा कहता था कि पैसा दे दो नहीं तो ठीक नहीं होगा। सन्नी की मां ने बताया इसी आशंका के कारण वे लोग सिमडेगा पुलिस को लिखित आवेदन देते हुए सन्नी को ढूंढने की मिन्नतें की थी। सन्नी की मां ने कहा सभ्य पर सूचना देने का बाद भी पुलिस कुछ नहीं की। उसी का नतीजा है कि सन्नी अंकित ने मार डाला। इधर सिमडेगा में गुरुवार को दोपहर शहर के खैरनटोली में सड़क में उतरे लोगों द्वारा एनएच 143 जाम की सूचना पर एसडीपीओ डेविड ए डोडराय और ठेठईटांगर थाना प्रभारी कुमार इंद्रेश दलबल के साथ जाम स्थल पंहुचे तो पुलिस को देख जाम कर रहे लोग आक्रोशित हो गए और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। मौके पर मौजुद एसडीपीओ और कार्यपालक दंडाधिकारी पंकज भगत लोगों को समझाने का काफी प्रयास करते रहे लेकिन लोग अंकित की गिरफ्तारी और फांसी की मांग को लेकर सड़क पर डटे रहे। कुछ देर बाद लोगों ने भट्ठीटोली में भी कॉलेज मोड़ के पास एनएच को जाम कर दिया। दोपहर एक बजे से लगा जाम शाम पांच बजे तक भी जारी था। लोग आरोपी अंकित की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए थे। पुलिस जाम खुलवाने का हरसंभव प्रयास करती रही लेकिन लोग अपनी मांग पर अड़े रहे। जाम लगने के कारण सड़क के दोनो तरफ काफी लंबी वाहनों की कतार लग गयी। जिसमें लंबी दुरी के कई यात्री बस भी फंसे रहे। हालांकि करीब साढे पांच बजे जामकर्ताओं ने सदर सीओ प्रताप मिंज को एक मांग पत्र सौंपा। जिसमें मृतक के परिजनों को पचास लाख रूपए देने की मांग के साथ आरोपी अंकित की अविलंब गिरफ्तार और उसे कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की गई। मामले में एसपी सौरभ से बात हुई तो उन्होने कहा अंकित कल से हीं फरार है। पुलिस लगातार उसके गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

एंटी क्राइम अभियान के तहत वाहन जांच अभियान चलाया गया

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। एंटी क्राइम अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार के निदेर्शानुसार गुरुवार को भी सेन्हा थाना के समीप लोहरदगा गुमला मुख्य पथ में वाहन जांच अभियान चलाया गया। पुलिस अवर निरीक्षक सन्तोष कुमार के नेत्तृत्व मे गुरुवार को एन्टी क्राइम अभियान के तहत वाहन जांच किया गया। जांच के दौरान दो पहिया वाहन, तीन पहिया वाहन और चार

पहिया वाहन को रोक कर वाहनों से सम्बन्धित सभी आवश्यक कागजात एवं डिक्की खुलवा कर और पॉकेट तथा थैला का भी जाँच किया गया। साथ ही सभी आने जाने वाले लोगो को सड़क सुरक्षा का नियम को पालन करने का सख्त निर्देश दिया गया। वहीं बिना हेलमेट पहने बाइक चालकों को फटकार लगाते हुए हेलमेट पहन कर बाइक चलाने का निर्देश दिया गया। प्रभारी थाना प्रभारी ऋषिकान्त ने बताया कि सड़क सुरक्षा तथा एंटी क्राइम को लेकर लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलता रहेगा। साथ ही कहा कि दो पहिया वाहन चलाने वाले सभी लोग बिना हेलमेट का वाहन न चलाये नही तो सख्त करवाई किया जायेगा। मौके पर पुलिस अवर निरीक्षक सन्तोष कुमार दल बल के साथ मौजूद थे।

हेमंत सरकार ने 1932 का खतियान लागू करने समेत अन्य प्रस्ताव की मंजूरी देने से जनता में खुशी

नवीन मेल संवाददाता

कैरो/लोहरदगा। झारखंड सरकार के द्वारा 13 सितम्बर के कैबिनेट के बैठक में 1932 का खतियान लागू करने, पिछड़ो का आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत, अनुसूचित जाति को 10 से बढ़ाकर 12 प्रतिशत व अनुसूचित जनजाति को 26 से बढ़ाकर 28 प्रतिशत आरक्षण करने समेत 43 का प्रस्ताव को मंजूरी देने पर क्षेत्र की जनता में खुशी का लहर है। चौक चौराहो, गली मुहल्लों सभी जगह सरकार के द्वारा किये जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं का चर्चा है। साथ ही साथ मुख्यमंत्री की प्रसंशा करते नही थक रहें है। जेएमएम प्रखंड कमिटी द्वारा सरकार के कार्यो के लिये आभार व्यक्त करते हुए बधाई दी है। प्रखंड अध्यक्ष मो सजाद ने कहा कि 1932 का खतियान लागू करने,पिछडो को 27 प्रतिशत आरक्षण जो झारखंड की बहुत पुरानी मांग रही है उसे कैबिनेट से मंजूरी दिलाना एक ऐतेहासिक फैसला है,यह फैसला झारखंडियों के लिए मिल का पत्थर साबित होगी। जेएमएम पार्टी अपने सारे वादे पूरा कर रही है आने वाले समय 2024 विधान सभा चुनाव मे झारखंड में जेएमएम की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। जनता दिल खोलकर जेएमएम को सपोर्ट करेगी। आभार व्यक्त करने व बधाई देने वालो में जेएमएम के केंद्रीय समिति सदस्य सह प्रखंड बीससूत्री सदस्य समीद अंसारी, प्रखंड सचिव सह प्रखंड बिससूत्री सदस्य धनपत उरांव, सेरोलीना मिंज, जमील अख्तर, बुदीया उरांव, समीरुदीन अंसारी, बजरंग साहू, अजमेर खान, मनोज उरांव, अख्तर अंसारी, सकलु उरांव, सुरेश उरांव, रुस्तम अंसारी, बिनोद उरांव, चन्द्रदेव उरांव, बहुरा उरांव, समेल उरांव आदि शामिल हैं।

शिक्षा विभाग की उपायुक्त आर. रॉनीटा ने की समीक्षा बैठक, कहा

शिक्षकों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित करें पदाधिकारी

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त आर. रॉनीटा ने शिक्षा विभाग का समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने समग्र शिक्षा, छात्रवृत्ति, जाति प्रमाण पत्र, पोशाक वितरण, पाठ्य पुस्तक वितरण, ई-विद्या वाहिनी पोर्टल पर शिक्षक एवं छात्रों की उपस्थिति, बीआरपी/सीआरपी का विद्यालय भ्रमण, आईसीटी लैब, नेताजी सुभाषचन्द बोस आवासीय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार एवं मध्याह्न भोजन से संबंधित विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने विद्यालयों में शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति की समीक्षा की। विद्यालयों में ई-विद्या वाहिनी पोर्टल पर शिक्षकों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिस प्रखंड के शिक्षकों का ई-विद्या वाहिनी पोर्टल पर शत-प्रतिशत उपस्थिति नहीं पाई जाएगी, उन पर कर्रवाई की जाएगी। जिले के सभी सरकारी विद्यालयों के कक्षा 1-12 में अध्ययनरत सामान्य वर्ग के बच्चों

को मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत डीबीटी के माध्यम से ससमय छात्रवृति का लाभ देने की बात कही। पाकरटांड प्रखंड के 70 बच्चों का चयन किया गया है, जिसमें 11 बच्चों का बैंक खाता से संबंधित समस्या को एक सप्ताह के अंदर बीपीओ को निराकरण करने का निर्देश दिया। पोशाक योजना का भी लाभ ससमय मुहैया कराने की बात कही। कक्षा 1 एवं 2 के बच्चों का पोशाक वितरण का कार्य ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सिमडेगा, ठेठईटांगर एवं कोलेबिरा प्रखंड में पोशाक वितरण के कार्य प्रगति को बढ़ाने का निर्देश दिया। जिले के 13 विद्यालयों में राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा आईसीटी लैब का अधिष्ठापन किया गया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को विद्यालय का भ्रमण कर आईसीटी लैब के संचालन व्यवस्था से संबंधित फॉटोग्राफ के साथ अद्यतन प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया। कस्तुरबा गांधी विद्यालय की समीक्षा के क्रम में बालिकाओं को मिलने वाले मूलभुत सुविधाएं एवं विधि-व्यवस्था संधारण की दिशा में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दियें। जाति प्रमाण पत्र से ससमय विद्यालय के बच्चों को अच्छादित करने का निर्देश दिया। जिला पुस्तकालय का सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त अरूण वाल्टर संगा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, बीईईओ, बीपीओ, एपीओ व अन्य उपस्थित थें।

खनन विभाग ने कार्रवाई कर तीन ट्रैक्टरों को अवैध बालू के साथ किया जब्त

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। खनन विभाग सिमडेगा द्वारा कार्रवाई करते हुए बंगरु के समीप 3 अवैध बालू लदे हुए ट्रैक्टरों को जब्त करते हुए गुरुवार को सिमडेगा थाना को सुपुर्द किया। जानकारी देते हुए खनन निरीक्षक गणेश चंद्र परीड़ा ने बताया कि जिला खनन पदाधिकारी के निर्देश अनुसार छापेमारी अभियान चलाया गया इस दौरान अवैध बालू लोड कर शहर की ओर आ रहे तीन ट्रैक्टर को जप्त करते हुए थाना को सुपुर्द किया है तथा उनके विरुद्ध खनन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार बार-बार अवैध खनन को लेकर खनन विभाग की ओर से कार्रवाई की जा रही है लेकिन

इसके बावजूद कई ट्रैक्टर चालक मनमाना तरीके से चोरी-छिपे अवैध बालू का कारोबार कर रहे हैं। ऐसे लोगों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी ताकि सरकार का राजस्व का नुकसान ना हो। गौरतलब हो सिमडेगा के पालमाड़ा नदी सहित कई नदियों में अभी तक टेंडर नहीं हुआ है इसके बावजूद अवैध बालू के कारोबारी धड़ल्ले से बालू का उठाव कर रहे हैं।

न्यूज गैलरी

अभाविप ने एनपीयू के कुलपति को ज्ञापन सौंपा

मेदिनीनगर। अभाविप के पलामू जिला प्रतिनिधि मंडल ने गुरुवार को विभाग संयोजक मंजूल शुक्ला के नेतृत्व में नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलपति को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि सभी मेरिट सूची में चयनित विद्यार्थियों का एप्रूव्ड बाय कॉलेज को तुरंत स्वीकृत किया जाये। प्रत्यक्ष सत्यापन उपरांत फॉर्म जमा करने की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाये। नामांकन में विद्यार्थियों की मदद हेतु हेल्पलाइन नंबर एवं हेल्पडेस्क की व्यवस्था की जाये। दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को दिए जाने वाले साफा को नि:शुल्क किये जाए एवं सामान्य छात्रों की भी सहभागिता सुनिश्चित हो। परिषद के कार्यकर्ताओं के द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग किया गया। कुलपति ने तुरंत स्वीकार कर कहा कि सभी विद्यार्थियों को साफा नि:शुल्क दिया जायेगा। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य विनीत पांडे ने कहा कि नामांकन के नाम पर विद्यार्थियों से महाविद्यालय के कर्मचारियों के द्वारा अवैध रूप से पैसा दोहन किया जा रहा है । कई मामले विद्यार्थी परिषद के संज्ञान में आये हैं और उन पर विद्यार्थी परिषद ने पुरजोर तरीके से मांग भी उठाया है। विभाग संयोजक मंजूल शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय से वेरीफाइड हो जाने के बाद भी विद्यार्थियों का नामांकन फॉर्म महाविद्यालय का ऑपरेटर के द्वारा वेरीफाई करने में विलंब किया जा रहा है और उन पर दबाव बनाया जा रहा है कि वह वहीं से पेमेंट करें और पेमेंट के लिए अतिरिक्त उगाही भी की जा रही हैं। उन्होंने कुलपति से इस विषय को संज्ञान में लेकर त्वरित कार्यवाही की मांग की। मौके पर प्रांतीय निजी विश्वविद्यालय प्रमुख आनंद पांडे, जिला सहसंयोजक रोहित देव, नगर मंत्री रामा शंकर पासवान और जिला संयोजक गोविंद मेहता उपस्थित रहे।

भाजपा ने सेवा पखवाड़ा को लेकर की बैठक

मेदिनीनगर। पीएम के जन्म दिवस के मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर मनाये जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत गुरुवार को भाजपा विधानसभा के सभी मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारियों एवं आगामी कार्यक्रमों की प्रभारी की बैठक स्थानीय भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महामंत्री श्याम बाबू ने किया एवं कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष मेदिनीनगर अविनाश सिन्हा छोटू ने की। मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र के विधायक आलोक चौरसिया मौजूद रहे । गौरतलब है कि सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाया जायेगा। इस दौरान ब्लड डोनेशन कैंप, हेल्थ चेकअप कैंप, नरेन्द्र मोदी के सफल राजधर्म के 20 साल पर चित्र प्रदर्शनी, वृक्षारोपण समेत अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपमहापौर मंगल सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अविनाश वर्मा, जिला मंत्री धीरेंद्र दुबे, जिला सोशल मीडिया प्रभारी सोमेश सिंह, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनील पांडे, चैनपुर मंडल अध्यक्ष शशि भूषण पांडे, पथरा मंडल अध्यक्ष सिकंदर चौधरी, दीपक सिंह, किशन मखड़िया, संयुक्ता कुमारी ज्योति कुमारी, रेखा देवी ,दीपक सिन्हा ,विक्रांत सिंघानिया ,विकास सिंह, अनिमेष सिंह , धीरज गुप्ता, सुदेश्वर चौधरी, विनोद रवि मौजूद रहे।

फोटोग्राफरों के लिए फोटो-वीडियो वर्कशाप का आयोजन

मेदिनीनगर। पलामू फोटो एसोसिएशन के द्वारा साहित्य समाज चौक स्थित सेलिब्रेशन हॉल में फोटोग्राफरों के लिए फोटो-वीडियो के वर्कशाप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में करीब 50 फोटोग्राफरों को नई तकनीक का प्रशिक्षण और नये प्रोडक्ट की जानकारी दी गई। कैनन की तरफ से एसएसओ राज कुमार दास ने वर्कशॉप कंडक्ट कराया। कैनन के बीडीएम दीपांकर चक्रवर्ती, शेखर उपाध्याय भी उपस्थित थे। पलामू फोटो एसोसिएशन के द्वारा दूसरा वर्कशॉप का आयोजन किया गया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय सिन्हा ने कहां की वर्कशॉप आयोजित करने का मकसद स्थानीय फोटोग्राफरों को फोटोग्राफी क्षेत्र के नई तकनीकों से परिचित कराना है। आज के दौर में नये तरीके के टेक्नालॉजी से लेश कैमरे आ गए है । उसकी बेहतर जानकारी देना है। एसोसिएशन के संरक्षक विजय कश्यप ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने रांची से आई टीम को धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने बहुमूल्य समय निकालकर पलामू के फोटोग्राफरों को अपना वक्त दिया। उन्होंने वक्त वक्त पर वर्कशॉप आयोजन करने की बात कही। ताकि फोटोग्राफरों को काफी मदद मिल सके। पलामू से विजय कश्यप, अनुज कुमार, प्रेम गुप्ता, मृत्युंजय कुमार, प्रेम प्रकाश साहू, उमेश कुमार, राजा कुमार गुप्ता, मनोज विश्वकर्मा, संजय सोनी, अखिलेश कुमार, अमन कुमार, बिंदा कुमार, प्रमोद कुमार गुप्ता, आदित्य कुमार, जितेंद्र कुमार सिंह, अखिलेश कुमार, रवि, मनोज आदि शामिल हुए।

कांग्रेस जो कहती है वह करती है: बिट्टू पाठक

मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक केनेतृत्व में स्थानीय कांग्रेस भवन से 15 सितंबर को जुलूस निकालकर शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए कांग्रेस भवन के मैदान में सभी कांग्रेस जनों ने जमकर आतिशबाजी एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां मनाया। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जो कहती है वह करती है। इसका परिणाम आप देख चुके हैं । झारखंड में महागठबंधन की सरकार है, चुनाव के पहले हमने जो वादा किया था कि ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देंगे। 1932 का खतियान लागू करेंगे, जो महागठबंधन की सरकार ने करके दिखा दिया । साथ ही साथ पुरानी पेंशन बहाल कर पारा टीचरों के मांगों को गंभीरता पूर्वक लागू किया । साथ ही बहुत और ऐसे योजना और मांगों को महागठबंधन की सरकार ने लागू करके झारखंड वासियों को तोहफा देने का काम किया । झारखंड को खुशहाल के पथ पर अग्रसर महागठबंधन की सरकार करेगी। मौके पर समीम अहमद राईन ,इश्वरी सिंह, सतनारायण तिवारी ,अरविन्द पासवान, भिखारी राम, राजेन्द्र अग्रवाल ,घुरा तिवारी, इकराम हुसैन माइकल ,सत्येंद्र सिंह, शशांक सुमन, अशोक पासवान ,सुरेश पाठक, राजेश चौरसिया ,अजय साहू, जितेंद्र कमलापुरी ,नाफिज खान, हर्ष साहनी,विद्या सिंह चेरो, अर्जुन सिंह, विनोद पाठक, मुखिया छोटू सिंह, सिराजुद्दीन अंसारी ,नदीम खान, अभय पांडेय ,खुर्शीद खान, रिजवान खान ,सूर्यांश प्रताप सिंह, सागर दास ,रामानंद पाठक, उदय यादव ,विष्णुदेव यादव, मनोज अग्रवाल, ऋतुराज अग्रवाल, भूमिती नारायण पाठक ,अखिलेश तिवारी ,गोविंदा रजक सहित कई लोग उपस्थित थे।

ट्रैफिक से मिलेगी मुक्ति: 191 करोड़ की लागत से होगा तीन सड़कों का चौड़ीकरण व मजबूतीकरण

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा की चिर प्रतिक्षित मांग पूरी हो गई है। 191 करोड़ की लागत से जिले की तीन सड़कों का चौड़ीकरण व मजबूती करण कार्य किया जाएगा। झारखंड सरकार ने कैबिनेट में इसकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन सड़कों में गढ़वा -चिनिया, रंका-रमकंडा व रमना- विशुनपुरा-मॉझियाव पथ शामिल है। करीब 75 किलोमीटर लंबी इन सड़कों का निर्माण पथ निर्माण विभाग झारखंड कराएगा। अब ये सड़कें डबल लेन अर्थात सात मीटर चौड़ी बनेगी। फिलहाल इनकी चौड़ाई 3.75 मीटर है। जानकारी देते हुए गढ़वा विधायक सह पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने बताया कि उक्त सड़कों की चौड़ाई काफी कम होने के कारण हमेशा ट्रैफिक जाम की

स्थिति बनी रहती है। साथ ही अक्सर दुर्घटना भी होते रहती है। इन क्षेत्रों के ग्रामीणों की लंबे समय से इन सड़कों के चौड़ीकरण की मांग की जा रही थी। उन्होंने दृढ़ता से इस मांग को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने इसे कैबिनेट से स्वीकृति प्रदान कर दी। मंत्री ने बताया कि गढ़वा-चिनिया पथ 26.3 किमी 70 करोड़, 24 लाख, एक हजार 300 रुपए, रंका-रमकंडा पथ 20.95 किमी 65 करोड़, 77 लाख, 86 हजार, 500 रुपए तथा रमना- विशुनपुरा-मांझियाव पथ 29.3 किमी का 55 करोड़, 26 लाख, 90 हजार, 500 रुपए की से चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जाएगा। अब जल्द ही निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर कार्य आरंभ किया जाएगा।

लोगों को आवागमन में होगी सहूलियत : मंत्री

मंत्री ने कहा कि इन तीनो पथों पर ट्रैफि क का भार काफी बढ़ने सहित पथ की स्थिति भी काफी जीर्ण-शीर्ण हो गई थी। आज उन क्षेत्र के लोगों की पूरी करते हुए काफी सुकून की अनुभूति हो रही है। इन पथों के निर्माण के उपरांत गढ़वा से चिनिया और रंका से रमकंडा पहुंचने में 20 मिनट से अधिक का समय नहीं लगेगा तथा इन पथों के दोनों ओर बसे गांवों की आर्थिकी भी बदलेगी। गढ़वा-चिनिया पथ एनएच 75 गढ़वा से शुरू होकर मुख्य रूप से कल्याणपुर, चामा, पेसका, गेरुआसोती, कोलदह, तसरार, कपराठ, सोती व चिनिया प्रखंड मुख्यालय से साढ़े पांच मीटर चौड़ी पीडब्ल्यूडी सड़क को जोड़ते हुए रंका अनुमंडल के विभिन्न सुदूरवर्ती आदिवासी व नक्सल प्रभावित गांव से होते हुए रंका अनुमंडल मुख्यालय में एनएच 343 को जोड़ेगा। जबकि रंका- रमकंडा पथ रंका अनुमंडल मुख्यालय के एनएच 343 से शुरू होकर मुख्य रूप से रंका, लिदीकंडा, मानपुर, मतौली, पूरेगाड़ा, चटकमान, केरवा, रमकंडा सहित अन्य आदिवासी व नक्सल प्रभावित गांव से होते हुए हुए पलामू जिला के चैनपुर प्रखंड को जोड़ेगा। इन सड़कों को छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश की सीमा से जुड़ने के कारण गढ़वा जिला मुख्यालय से छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश की दूरी भी काफी कम हो जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर बीडीओ ने की बैठक, दिये कई निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड सभागार मे बिडीओ जयपाल कुमार महतो ने प्रधानमंत्री आवास को लेकर के एक बैठक आयोजित किया जिसमें सभी पंचायत के मुखिया पंचायत सचिव एवं स्वयंसेवक लोगों ने भाग लिया वहीं बिडीओ ने सभी स्वयंसेवकों से प्रधानमंत्री आवास को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया तथा कुछ लोगों को कार्य में कोताही बरतने पर कड़ी फटकार लगाई ,वही बिडीओ ने कहा कि कि ऐसा नहीं होने पर नया लक्ष्य पर भी संकट आ सकता है वैसे लागू जो लाभुक प्रधानमंत्री आवास को नहीं बना रहे हैं उन लोगों पर कानूनी कार्रवाई की भी किया जाएगा। बैठक में उपस्थित पीएम आवास कोडीनेटर सिराज अहमद कंप्यूटर ऑपरेटर अशोक कुमार भवनाथपुर मुखिया बेवी देवी, शैलेश चौबे ,सुकनी देवी पंचायत सचिव भुनेश्वर सिंह ,अजीत सिंह, सतीश सिंह, विष्णु प्रसाद , स्वयंसेवक में कौशल कुमार सिंह, निरंजन पाठक, अजीत कुमार, अभिषेक गुप्ता कुमार, अरुण पाठक, उपेंद्र कुमार, नितीश कुमार, बीरबल राम, ओम आर्य, विजय यादव, दीपक कुमार, मंजू देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जंगल में मवेशियों को चराने गये बुजुर्ग पर भालू ने हमला कर किया घायल

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा वन क्षेत्र अंतर्गत नवटोली पंचायत के सारंगापानी मुर्गा टोली के निवासी लुधु सिंह जंगली भालू के हमले से गंभीर रूप से घायल हो गया परिवार वालों की मदद से उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलेबिरा में भर्ती कराया है जहां पर उसकी इलाज चल रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लुधु सिंह शाम अपने मवेशियों को चराने के लिए जंगल गए हुए थे। मवेशियों को चारा खिला कर घर आते समय उन्होंने अपना छाता जंगल में ही छोड़ दिया था। जिसे लाने के लिए लुधु सिंह गुरुवार सुबह करीब 6:00 बजे के आसपास अपने घर से जंगल की ओर जा रहे थे। तभी उनके ऊपर तीन भालुओं ने हमला कर दिया जिसमें वे बुरी तरह घायल हो गए। भालू के हमले से उनके दोनों पैर के जांघों में काफी गहरे जख्म आए हैं। भालू के हमला करने पर लुधु सिंह अपने बचाव को लेकर जोर-

जोर से चीखने चिल्लाने लगे जिसे तीनों भालू वहां से भाग गए। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़ित का बेटा धर्म सिंह घटनास्थल पहुंचकर अपने पिता को अपने दो पहिया वाहन के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलेबिरा पहुंचाया। जिसके बाद चिकित्सकों के द्वारा उनका इलाज किया जा रहा है। भालू हमला की सूचना मिलने पर नवाटोली पंचायत की मुखिया कल्पना देवी और भाजपा मंडल अध्यक्ष अशोक इंदवार ने घायल लुधु सिंह से हालचाल जाना। भालू के घटना की जानकारी वन विभाग को दे दी गई है।

17 सितंबर से गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा के रूप में मनायेगी भाजपा : मनीष शिखर

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। भारतीय जनता युवा मोर्चा लोहरदगा जिला के जिला अध्यक्ष मनीष शिखर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की 17 सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन है पर भारतीय जनता पार्टी आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाएगी। जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर एवं प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार अनेकों कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। जिसमें मुख्य रुप से भारतीय जनता युवा मोर्चा के द्वारा मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर पर भाजयुमो लोहरदगा के द्वारा 17 सितंबर को एक महारक्तदान शिविर का आयोजन करेगी। यह रक्तदान

शिविर सदर अस्पताल ब्लड बैंक में किया आयोजित किया गया है जिसमें कम से कम 100 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा गया है भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जी जान से लगे हुए हैं। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत युवा मोर्चा के द्वारा मुख्य रूप से महा रक्तदान अभियान, रक्तदाता सूची, टीवी मुक्त भारत अभियान, एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। जिसके निमित्त इन अलग-अलग कार्यक्रमों के संयोजक नियुक्त किए गए हैं। महा रक्तदान अभियान के लिए पवन प्रजापति,रक्तदाता सूची के लिए सजल कुमार, टीवी मुक्त भारत अभियान के लिए डॉ मृत्युंजय चक्रवर्ती एवं वृक्षारोपण अभियान के लिए विजय कुमार महतो को जिला संयोजक मनोनीत किया गया है।
जिला अध्यक्ष मनीष शिखर ने कहा 17 सितंबर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्म दिवस से लेकर 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक यह जो सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता इस सेवा पखवाड़ा में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे एवं जितना हो सके जनता की समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेंगे।

सीओ ने मेलाटांड अतिक्रमण मामले पर की कार्रवाई , निर्माण कार्य बंद

टंडवा(चतरा) प्रखंड क्षेत्र के गाड़ीलौंग स्थित सतबहिनी माता स्थान के मेलाटांड अतिक्रमण मामले पर अंचल अधिकारी विजय कुमार दास ने संज्ञान लेते हुए अगले आदेश तक कराए जा रहे निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है। आपको बता दें ग्रामीणों ने गांव के कुछ दबंगों द्वारा कराए जा रहे बाजबरन गृह निर्माण कार्य का तीखा विरोध करते हुए एक पत्र अंचलाधिकारी को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु सौंपा था।जिसपर संज्ञान लेते हुए ज्ञापांक 663 दिनांक 15/09/22 को पत्र जारी करते हुए खाता संख्या 161 प्लॉट संख्या 1121 पर रोक लगाते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

झारखंड मे 1932 के खतियान लागू होने पर लोगों ने हर्ष व्यक्त की

सिमरिया(चतरा)। झारखंड में 1932 के सर्वे खतियान को आधार मानकर स्थानीय नीति लागू करने के लिए कैबिनेट से प्रस्ताव पारित कराने पर झारखंड खतियान आंदोलन के अग्रणी नेता जयनारायण प्रसाद मेहता ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्री मेहता ने कहा कि अब यहां के आदिवासियों मूलवासियो के चिर प्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है। 1932 के पहले यहां निवास करने वाले आदिवासी मूलवासी को झारखंड की भूमि पर पहला हक अधिकार बनता है। अब यहां स्थानीय नीति का 1932 के खतियान कट ऑफ डेट लागू होगा। विधानसभा से प्रस्ताव को पारित कराकर राजपाल से हस्ताक्षर होने के उपरांत यह कानूनी रूप ले लेगा। आदिवासी मूलवासी के सर्वांगीण हित भलाई में मुख्यमंत्री द्वारा उठाए गए इस साहसी राजनीतिक फैसले की लोग प्रशंसा कर रहे हैं। श्री मेहता द्वारा लिखित पुस्तक हक की लड़ाई झारखंड में 1932 के खतियान लागू कराने के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मालगाड़ी की चपेट में आने से सिग्नल मैन की हुई मौत

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। बरकाकाना-बरवाडीह रेलखंड के कुमंडीह पोल संख्या 229 के रेलवे ट्रैक के पास मालगाड़ी की चपेट में आने से सिग्नल मैन की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। मृतक की पहचान विशुनपुर गांव निवासी स्व. लव कुमार पांडेय के पुत्र राकेश कुमार पांडेय उम्र के रूप हुई है। बताया जा रहा है की बुधवार की रात 12 बजे सिग्नल मैन राकेश कुमार पांडेय कुमंडीह पोल संख्या 229 के रेलवे ट्रैक के पास सिंगल फेल रहने पर ट्रैक पर काम कर रहा था। अचानक इस लाइन से मालगाड़ी गुजरने के दौरान इसकी चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा गुरुवार की सुबह रेलवे ट्रैक पर शव होने की सूचना आरपीएफ

पुलिस को दी गई। आरपीएफ की टीम ने घटना स्थल पर पहुंचकर रेलवे ट्रैक से शव को हटाया गया। जिसके बाद रेल परिचालन सामान्य हो पाया। इधर लातेहार पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता को इसकी सूचना मिलते ही पुलिस पदाधिकारी को घटनास्थल पर भेजकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लातेहार भेज दिया।

झारखंडी जन संघर्ष मोर्चा ने 1932 का खतियान लागू करने पर मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर/चतरा। 1932 खतियान लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने पर झारखंडी जन संघर्ष मोर्चा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प्रति आभार व्यक्त करते हुए गुरुवार को गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय में एक दुसरे को गुलाल लगा और मिठाई बांट खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम का नेतृत्व झारखंडी जनसंघर्ष मोर्चा के गिद्धौर संयोजक प्रदीप कुमार, 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष बिनोद पासवान, मनोज वर्मा, मुखिया निर्मला देवी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान झारखंडी जनसंघर्ष मोर्चा के लोगों ने मुख्यमंत्री जिंदाबाद के नारे लगाए। साथी ही संयोजक ने कहा कि सरकार 1932 का खतियान लागुकर झारखंडियों को हक अधिकार दिया है। कार्यक्रम में 20 सूत्री उपाध्यक्ष रामदेव यादव, विजय भारती, संगीता कुशवाहा, चंदा कुमारी, देवदीप कुमार, विश्वजीत कुमार, प्रकाश दांगी, कवींद्र दांगी सहित कई ग्रामीण शामिल थे।

26 वृद्धा पेंशन की बीडीओ ने दी स्वीकृति

गिद्धौर/चतरा। गिद्धौर प्रखंड कार्यालय सभागार में गुरुवार को बीडीओ संजीत कुमार सिंह ने बारिसाखी पंचायत के 26 वृद्ध लाभुकों को पेंशन की स्वीकृति पत्र दी। इस दौरान बीडीओ ने बताया कि शिविर में वृद्धा पेंशन को ले बारिसाखी पंचायत से 36 आवेदन प्राप्त हुआ था। आवेदन के भौतिक सत्यापन सहित लाभुक का उम्र, आधार नम्बर, बैंक खाता का सत्यापन के बाद 26 योग्य लाभुकों के वृद्धा पेंशन की स्वीकृति दी गयी। साथ ही स्वीकृत वृद्धापेंशन की सूची जिला को भेज दी गयी है। मौके पर पंचायत सचिव मिथलेश कुमार सिंह, मुखिया पति दिनेश भारती व लाभुक आदि उपस्थित थे।

वोटर कार्ड को आधार से जोड़ने के लिये जागरूकता रथ रवाना

घर बैठे वोटर कार्ड को आधार से करे लिंक

21 प्रखंडों सहित सभी पंचायतों में जाकर आमलोगों को उनके वोटर कार्ड को आधार से जोड़ने हेतु जागरूक करेगा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने को लेकर गुरुवार को समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को जिला निर्वाचन

पदाधिकारी सह उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शुरू किया गया है। साथ ही यह जागरूकता रथ जिले के सभी 21 प्रखंडों सहित सभी पंचायतों में जाकर आमलोगों को उनके वोटर कार्ड को आधार से जोड़ने हेतु जागरूक करेगा। निर्वाचन आयोग ने अग्रिम तौर पर योग्य आवेदक पंजीकरण के लिए अर्हता तिथियों एक अप्रैल,एक जुलाई एवं एक अक्टूबर के अनुसार अपना आवेदन अग्रिम तौर पर फार्म-छह समर्पित कर सकते हैं। वार्षिक संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में प्रारूप प्रकाशन की तिथि एक जनवरी के संदर्भ में होगी । साथ ही बताया कि मतदाता पुनरीक्षण के दौरान अग्रिम दावा समर्पित करने की सुविधा युवा नागरिकों के लिए एक अतिरिक्त सुविधा है। इस अवसर पर उपनिर्वाचन पदाधिकारी शैलेश कुमार सिंह,सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी,सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी शैलेश कुमार सिंह ने बताया कि कोई भी मतदाता घर बैठे अपने दोनों कार्ड को लिंक करा सकते हैं । इसके लिये उन्हें अपने इलाके के बीएलओ को आधार और वोटर आइडी नंबर देना होगा। बीएलओ दस्तावेज को वेरिफाई करके वोटर आइडी को आधार से लिंक कर देंगे।

यूथ कांग्रेस का बूथ जोड़ो-यूथ जोड़ो कार्यक्रम लॉन्च

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय सर्किट हाउस में झारखंड प्रदेश यूथ कांग्रेस द्वारा बूथ जोड़ों यूथ जोड़ो कार्यक्रम जिला में लॉन्च किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव सह प्रदेश प्रभारी दीनबंधु शर्मा ने कहा कि आगामी 2024 के चुनाव को लेकर पलामू जिला यूथ कांग्रेस के द्वारा सभी पांचों विधानसभा में हर बूथ पर दस यूथ जोड़ने की बात कही । वही प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज ने कहा कि आज इस तरीके से देश में संवैधानिक शक्तियों को तोड़ा जा रहा है और उसको तोड़ने वाले को देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। आगामी 2024 में कांग्रेस देश ने एक नया संदेश लेकर जायेगी इसको लेकर सभी युवा साथी अपने अपने बूथ को मजबूत करें। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पलामू जिला यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष परवेज अली मुन्ना खान ने की और इसका संचालन सौरभ तिवारी ने किया। इस मौके पर पूर्व राष्ट्रीय सचिव वेद प्रकाश मिश्रा पलामू प्रभारी कृतिका त्रिपाठी, पलामू सह प्रभारी अंशु तिवारी,प्रदेश सचिव अभिषेक तिवारी ,लक्ष्मीकांत विशाल तिर्की ,सोहेल अंसारी, अरुण सांगा, जिला उपाध्यक्ष मणिकांत सिंह, गोपाल सिंह विधानसभा अध्यक्ष गुलाम नबी, सूर्यांश प्रताप सिंह, नीतीश कुमार पासवान, एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष अमरनाथ तिवारी, ओम प्रकाश त्रिपाठी, हसीन बिस्मिल, राशिद बक्शी ,इफ्तेखार अली ,नन्हे जावेद अली सहित यूथ कांग्रेस व एनएसयूआई के युवा साथी मौजूद थे।

पांचों विधानसभा में हर बूथ पर दस यूथ जोड़ा जायेगा

सम्पादक की कलम से...

राज्य में शह-मात का खेल

झारखंड की सियासत में शह मात का खेल जारी है। पक्ष-विपक्ष के बीच पिछले डेढ़ महीने से यह खेल चल रहा है। विपक्ष खास कर भाजपा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके परिवार पर वार कर रहा है। वहीं हेमंत सोरेन विपक्ष के हर वार का लगातार माकूल जवाब दे रहे हैं। विपक्ष उन पर और उनके परिवार पर आरोपों की बौछार कर रहा है तो हेमंत नित नये निर्णय लेकर जनता के बीच अपनी पैठ को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। पहले तो हेमंत ने पुरानी पेंशन स्कीम लागू कर विपक्ष के हर वार को कुंद किया। अब बुधवार कैबिनेट की बैठक में 1932 का खतियान आधारित स्थानीय और नियोजन नीति तथा ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण के प्रस्ताव पर मुहर लगा कर विपक्ष को करारा झटका दिया है। सवाल यह उठ रहा है कि यह हेमंत कैबिनेट का निर्णय है या राज्य में सियासी तूफान का एक नया एजेंडा। सवाल यह उठता है कि जिन दो अहम मुद्दों पर हेमंत कैबिनेट ने फैसला लिया है उस पर यह भी कहा गया है कि संविधान की 9 वीं अनुसूची के तहत इस मामले को केंद्र सरकार के पास भेजा जायेगा। यही सियासी दांव की बू आ रही है। गौरतलब है कि हेमंत के इस सियासी दांव का आभास विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान ही सामने आ गया था। सदन में विश्वास प्रस्ताव लाने के लिए बुलाये गये मानसून सत्र की विस्तारित अवधि में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने भाषण के दौरान कहा था कि बहुत जल्द उनकी सरकार 1932 के आधार पर स्थानीय नियोजन नीति बनायेगी और ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देगी। देखना है कि केंद्र में भाजपा सरकार के विधायकों और सांसदों का रुख इस पर क्या रहता है। सत्र समाप्ति के 9 दिनों के बाद ही हेमंत कैबिनेट ने इस पर मुहर लगा कर एक बड़ा सियासी दांव खेला है। गौरतलब है कि झारखंड में स्थानीय नीति और ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण का मामला नया नहीं है। झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की कैबिनेट ने राज्य में 69 फीसदी आरक्षण को पारित किया था। जिस में एससी को 14 फीसदी, एसटी को 28 फीसदी और ओबीसी को 27 फीसदी की वकालत की गयी थी। लेकिन जब यह मामला झारखंड हाइकोर्ट में गया तो खारिज हो गया। खारिज होने के पीछे यह तर्क दिया गया कि 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण नहीं दिया जा सकता। तब बाबूलाल सरकार की कैबिनेट ने हाइकोर्ट के निर्णय के आधार पर एससी को 10 फीसदी, एसटी को 26 फीसदी और ओबीसी को 14 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया। अब सवाल उठ रहा है कि हेमन्त कैबिनेट ने आरक्षण के कोटे को 60 फीसदी से बढ़ा कर 73 प्रतिशत किया है। क्या यह संवैधानिक प्रावधान के अनुरूप है या महज एक सियासी दांव है। संवैधानिक जानकारों का कहना है कि राज्य में चल रहे सियासी शह मात का ही यह एक बड़ा हिस्सा है। देखना दिलचस्प होगा कि हेमंत सोरेन ने जो यह सियासी दांव खेला है उसका हश्र क्या होता है।

आज का इतिहास

1941 : न्यूजीलैंड की लेबर पार्टी ने मृत्युदंड समाप्त कर दिया।
1947 : अमेरिका में रक्षा विभाग की स्थापना हुई।
1949 : दक्षिण भारतीय राजनीतिक दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की स्थापना हुई।
1950 : भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म हुआ।
1956 : भारतीय तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग का गठन हुआ।
1956 : ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेलीविजन पर प्रसारण हुआ।
1957 : मलेशिया संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ।
1974 : बंगलादेश, ग्रेनेडा और गिनी बिसाऊ संयुक्त राष्ट्र संघ में शामिल हुए।
1984 : ब्रायन मुलरनी ने कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।
1988 : ग्रीष्मकालीन ओलंपिक दक्षिण कोरिया के सोल में आयोजित किया गया।
2004 : यूरोपीय संसद ने मालदीव पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया।
2011 : न्यूयॉर्क के जुकोट्टी पार्क में वॉल स्ट्रीट घेरो आंदोलन की शुरूआत।
2016 : न्यूयॉर्क के चेल्सी में विस्फोट से 29 लोग घायल हुए।
1784 : अमेरिका का पहला दैनिक अखबार(पेनसिलवेनिया पैकेट एंड जनरल एडवरटाइजर) प्रकाशित हुआ।
1815 : किंग विलियम प्रथम ने ब्रुसेल्स में शपथ ली।
1885 : नीदरलैंड के लोगों ने मतदान के अधिकार के लिये प्रदर्शन किया।
1857 : बहादुर शाह द्वितीय ने अंग्रेजों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।
1905 : अटलांटा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का गठन हुआ।
1928 : 'माय विकली रीडर' मैगजीन की शुरूआत हुई।
1934 : एक बड़े तूफान से पश्चिमी होन्शू, जापान में 3000 से अधिक लोग मारे गए थे।
1937 : जे आर आर टॉकियन का द हॉबिट प्रकाशित किया गया था।
1938 : चक्रवाती तूफान(183 मील प्रति घंटे की रफ्तार) से न्यू इंगलैंड में 700 लोगों की मौत।

हादसों की भेंट चढ़ते वन्य जीव

पिछले पांच सालों में बाघों के शिकार में कुछ कमी जरूर आई है, लेकिन जिस दर से इनकी तादाद कम हो रही है, उसे रोकना बहुत बड़ी चुनौती है। विडंबना ही कही जायेगी कि इनके संरक्षण की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में हर साल औसतन 98 बाघों की मौत हो जाती है। गौरतलब है कि बाघ गणना रिपोर्ट-2018 के मुताबिक देश में 2,967 बाघ थे, जिनमें विभिन्न हादसों और शिकार की वजह से पिछले साढ़े चार सालों में 404 बाघ मौत के गाल में समा गये हैं। हालांकि इसमें बाघों की प्राकृतिक रूप से हुई मौत के आंकड़े भी शामिल हैं, लेकिन हकीकत यह है कि जंगलों की बेतहाशा कटाई, खराब होता पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, शिकार और जंगलों में प्रवेश करती भौतिक विकास की गतिविधियों ने बाघों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया है।

जिस तरह जंगल कट और नये-नये शहर बसाये जा रहे हैं, वन्य जीवों पर खतरा बढ़ता जा रहा है। हादसों पर रोक लगाने के साथ शिकारियों में भय पैदा करने के लिए कानून को और कठोर तथा असरकारी बनाना होगा। पर, इससे भी ज्यादा जरूरी है, वन्य जीवों के प्रति लोगों के नजरिये में बदलाव लाने के लिए जन जागरूकता लाना। पिछले कुछ महीनों में सोशल मीडिया पर वन्य जीवों की दर्दनाक मौत के अनेक चित्र देखने और अनेक घटनाओं के समाचार पढ़ने को मिले। स्वाभाविक रूप से सवाल उठा कि क्या वन विभाग या पुलिस इन्हें बचाने के लिए कोई पहल नहीं करती? अगर कानून हैं तो उनका पालन क्यों कड़ाई से नहीं कराया जाता, जिससे वन्य जीवों के साथ ऐसे रूह कंपा देने वाले हादसे न हों। गौरतलब है कि दस साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने वन्य जीवों के संरक्षण के मद्देनजर जब पर्यटन के नाम पर बढ़ती शिकार की घटनाओं को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया था, तब ऐसा लगा था कि वन्य जीवों का संरक्षण अब सही तरीके से हो पायेगा। अवैध तरीके से वन्य जीवों के शिकार का सिलसिला रुक जायेगा। मगर पिछले दस सालों में वन्य जीवों की घटती संख्या चिंता का सबब बनती रही है। सरकार के कारगर कदम और कठोर कानून की वजह से वन्य जीवों के शिकार में कमी तो आई है, लेकिन इनकी हादसों में हो रही मौतों ने वन्य जीव संरक्षण पर सवालिया निशान लगा दिया है। केंद्र द्वारा जारी ताजा जानकारी के मुताबिक 2012 से लेकर 15 जुलाई 2022 तक 1059 बाघों की जान विभिन्न हादसों के चलते चली गई। इसमें सबसे ज्यादा 270 मध्यप्रदेश में और 183 महाराष्ट्र में बाघों की मौत शिकार, अप्राकृतिक और प्राकृतिक कारणों से हुई। मध्यप्रदेश में पिछले छह महीनों में 27 बाघों की मौत हो चुकी है। इसी तरह 2019 से 2021 के मध्य शिकार, बिजली का करंट, जहरीले पदार्थ खाने और ट्रेन हादसों की वजह से 307 हाथियों की मौत हो चुकी है। इसी तरह रेल से कट कर ओड़ीशा में 12, पश्चिम बंगाल में 11 और अन्य राज्यों में 22 हाथियों की दर्दनाक मौत हो गई। उनतीस हाथियों का शिकार किया गया, तो जहरीले पदार्थ खाकर मरने वाले हाथियों की तादाद ग्यारह रही। गौरतलब है बाघ की खाल और हाथी के दांत का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में वर्षों से बड़ी मांग रही है। इसलिए शिकारियों और तस्करों की नजर हाथी और बाघ पर बनी रहती है। पिछले पांच सालों में बाघों के शिकार में कुछ कमी जरूर आई है, लेकिन जिस दर से इनकी तादाद कम हो रही है, उसे रोकना बहुत बड़ी चुनौती है। विडंबना ही कही जायेगी कि इनके संरक्षण की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में हर साल औसतन 98 बाघों की मौत हो जाती है। गौरतलब है कि बाघ गणना रिपोर्ट-2018 के मुताबिक देश में 2,967 बाघ थे, जिनमें विभिन्न हादसों और शिकार की वजह से पिछले साढ़े चार सालों में 404 बाघ मौत के गाल में समा गये हैं। हालांकि इसमें बाघों की प्राकृतिक रूप से हुई मौत के आंकड़े भी शामिल हैं, लेकिन हकीकत यह है कि जंगलों की बेतहाशा कटाई, खराब होता पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, शिकार और जंगलों में प्रवेश करती भौतिक विकास की गतिविधियों ने बाघों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया है। बाघों की तादाद भारत में ही नहीं, पूरी दुनिया में तेजी से घट रही है। कम होते-होते इनकी तादाद 3900 रह गई है। बाघों की कम होती तादाद को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आइयूसीएन) ने अपनी लाल सूची (रेड लिस्ट) में 1969 में ही बाघ को लुप्तप्राय श्रेणी में शामिल कर उसके संरक्षण के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान खींचा था। इसका असर यह हुआ कि बाघों के संरक्षण के लिए 2010 में सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बाघ सम्मेलन कराया गया और इस पर खुल कर चचायें हुईं। तब से दुनिया में बाघों को लेकर सजगता बढ़ी है। खासकर भारत, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, चीन, म्यांमा सहित तेरह देशों ने 2022 के अंत तक अपने देश की सीमा के भीतर बाघों की आबादी को दोगुना करने का संकल्प लिया था। गौरतलब है 2018 तक भारत इस लक्ष्य तक पहुंचने में 74 फीसद सफल रहा। 2010 में भारत में 1706 बाघ थे, जो 2014 में बढ़ कर 2226 और 2018 में बढ़ कर 2967 हो गये। भारत का राष्ट्रीय पशु होने की वजह से बाघ का संरक्षण हर हाल में जरूरी है।

■ अखिलेश आर्येंदु

आई डोंड नो हिंडी

मैं हैदराबाद एयरपोर्ट पर अपनी फ्लाइट का इंतजार कर रहा था। फ्लाइट थी दो घंटे लेट। आखिरकार दो घंटे बाद फ्लाइट आ ही गई। चेकिन करने का समय आया तो मेरे आगे एक मैडम खड़ी थीं। मैडम की पाश्चात्य संस्कृति की ब्रैंड अंबासिडर दिख रही थी। ऊपर से भारी-भरकम अंग्रेजी शब्दों का लाग लपेट। जब तक खड़ी रही तब तक किसी से फोन पर अंग्रेजी झाड़े जा रही थीं। मैं ठहरा पक्का हैदराबादी। वह भी पुराने शहर का। उसमें भी मोगलपुरे का। देश की पूरी लाली मेरे मुँह में दिखती थी। होगी भी क्यों न! साहब पान जो खाता था मैं। वह तो एयरपोर्ट का तामझाम देखकर किसी तरह अपने मुँह पर ताला लगाये बैठे था। अगर बस स्टैंड या रेलवे स्टेशन होता तो अब तक वो हालत करता कि लाली तेरे लाल की जित देखो तित लाल की तर्ज पर सारा वातावरण लाली से भर देता। बहरहाल चेकिन चल रही थी। टाइट सेक्युरिटी के बीच सबकी जमकर तलाशी ली जा रही थी। मैं अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहा था। चेकिन करने वाले सीआईएसएफ कांस्टेबल ने मेरे आगे खड़ी मैडम से हिंदी में कुछ पूछा। इस पर मैडम ऐसी भड़की मानो कोई उनसे पर्स छीन लिया हो। मैडम को न जाने क्या हुआ पता नहीं। फरार्टेदार अंग्रेजी में जोर-जोर से बड़बड़ाने और चिल्लाने लगीं- 'हाव डेर यू टु आस्क मी इन हिंडी', ''आई विल कंप्लेन अगेस्ट यू।'' 'आई विल फायर यू फ्रॉम जॉब', 'यू सेंसलेस पिपुल।' अब मैं ठहरा अंग्रेजी में गुड़गोबर। मुझे न मैडम की बात समझ में आ रही थी और न ही मामला। मैं अपने बाल नोंचने लगा। मुझसे रहा नहीं गया। मैं पास में खड़े सेक्युरिटी वाले से पूछ बैठा - 'भाई साहब! यह मैडम इतना क्यों चिल्ला रही हैं? वैसे हुआ क्या है?' सेक्युरिटी गार्ड ने मुझसे कहा - 'वह हुआ यूँ कि सीआईएसएफ कांस्टेबल ने मैडम से हिंदी में कुछ पूछ लिया। मैडम ने कहा- 'आई डोन्ट नो हिंडी। प्लीज आस्क मी इन इंग्लिश।' इस पर कांस्टेबल ने पूछा- 'क्या आप भारतीय हैं?' इतना सुनना था कि मैडम का गुस्सा सातवें आसमान पर। मैडम को लगा कि उनकी भारतीयता को अपमानित किया गया है। इसीलिए मैडम इतनी गुस्से में बड़बड़ा रही हैं।' इस पर मैंने कहा - 'अरे साहब! क्या जमाना आ गया देखिये। इत्ती-इत्ती बातों के लिए ऐसे भला कौन करता है। देखने वाले को भी कितना खराब लगता होगा। उस कांस्टेबल ने हिंदी में क्या पूछ लिया मैडम ऐसी भड़की जैसे कोई बड़ा अपराध हो गया। अब आप ही बताइये साहब! हिंदी किधर नहीं है? एयरपोर्ट पर हर चीज पहले हिंदी में लिखा में होता है उसके बाद अंग्रेजी में। उतना क्यों साहब! देश के रुपए-पैसों पर पहले हिंदी में लिखा रहता और बाद में इंग्लिश। इसका मतलब यह तो नहीं कि जिन लोगों को हिंदी पसंद नहीं हैं वे लोग रुपए उठाकर थोड़े न फेंक देते हैं? दो लब्ज हिंदी में बोल देने से जमीन-जायदाद थोड़े न कम हो जायेगी! वैसे भी हिंदुस्तान में ऐसा कौन होगा जिसे हिंदी नहीं आती होगी। थोड़ी-बहुत हिंदी तो सभी को आती है। अब मुझे ही ले लीजिये साहब, मैं जिस जबान में बात कर रहा हूँ उसमें उर्दू के शब्दों का इस्तेमाल ज्यादा हैं। लेकिन मुझे यकीन है कि हिंदी सुनने-समझने-बोलने वालों को थोड़ी भी तकलीफ नहीं होती होगी।' इस पर सेक्युरिटी गार्ड ने कहा -'भाषा का झगड़ा जितना हमारे देश की राजनीति में है, उतना लोगों में नहीं है। भाषा के नाम पर लड़ाकर लोगों को भड़काना, जैसे अभी-अभी मैडम भड़क गयी थीं, ठीक उसी तरह उनकी संवेदनाओं से खेलकर वोट बटोरने का प्रयास करना, हमारी गंदी राजनीति का हिस्सा है। मैंने आज तक अपने जीवन में किसी को हिन्दी का विरोध करते हुए नहीं देखा। वे तो टूटी फूटी ही सही, आपसे अंग्रेजी की जगह हिंदी में बात करते हुए मिलेंगे। हाँ कुछ लोग होते हैं जो एयरपोर्ट जैसी खास जगहों पर सबका ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए भाषा के नाम पर कुछ न कुछ तमाशा खड़ा कर देते हैं। साफ-सुथरी राजनीति जहाँ एक भाषा को फलने-फूलने का अवसर देती है, वही गंदी राजनीति उस भाषा को जमीन में दफन भी कर देती है।' मेरी और सेक्युरिटी गार्ड की बातचीत खत्म हुई थी कि नहीं तभी अंग्रेजी मैडम फोन पर किसी से बात करती हुई दिखायी दी। ध्यान से सुनने पर पता चला कि फोन के दूसरे सिरे पर उनका नौकर है। मैडम तो पहले अंग्रेजी में बात कर रही थीं। लेकिन दो मिनट बाद डाँटते-फटकारते हुए कहने लगीं- देखो मैं दो-तीन दिन में लौट आऊँगी। तुम बेकार के बहाने बनाकर काम से छुट्टी मत लेना। अगर तुमने छुट्टी ली तो मैं तुम्हारी पगार काट लूँगी।' यह माजरा देख मैं और सेक्युरिटी गार्ड हक्के-बक्के से अवाक रह गये।

■ डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
मो. नं. 73 8657 8657

फिर वही जुड़ाव तलाशती पदयात्रा

पिसुदूर दक्षिणी छोर कन्याकुमारी से कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू हो गई है। राहुल गांधी इस यात्रा से अगले 150 दिनों में करीब 3,500 किलोमीटर की दूरी नापेंगे। इसके जरिये महंगाई, बेरोजगारी, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार व भारतीय जनता पार्टी को घेरा तो जायेगा ही, कांग्रेस पार्टी के संगठन में प्राण फूंकने के प्रयास भी किये जायेंगे। सवाल है कि क्या यह यात्रा पार्टी को नई संजीवनी दे सकेगी? दरअसल, भारत में राजनीतिक यात्राएं लंबे समय से होती रही हैं। मगर सूचना क्रांति के बाद इनका उद्देश्य बहुत कुछ बदल चुका है। महात्मा गांधी, एनटी रामाराव, लालकृष्ण आडवाणी, सुनील दत्त, राजीव गांधी, चंद्रशेखर जैसी तमाम शख्सीयतों ने राजनीतिक यात्राएं कीं, क्योंकि उन्हें लोगों तक अपनी बात पहुंचानी थी। उस वक्त सूचना तंत्र इतना ज्यादा सक्रिय नहीं था और लोगों पर भी कई तरह की बंदिशें आयद थीं। मगर आज कोई भी सूचना तत्काल पूरे देश में फैल जाती है, और लोग उसके आधार पर अपनी राय बनाने लगते हैं। इसमें राजनीतिक दुष्प्रचार भी खूब किया जाता है। लिहाजा अब यात्राएं काफी सोच-समझकर निकाली जाने लगी हैं। अगर यात्रा अध्यात्म के प्रचार-प्रसार, चिंतन या कुछ सीखने की मंशा के साथ शुरू की गई हो, तो वह अमूमन सफल होती है। मगर राजनीतिक यात्राओं के साथ दिक्कत यह है कि उनको चुनावी जीत-हार के पैमाने पर तौला जाता है। कांग्रेस की इस यात्रा का भी यही मापदंड है। अगले तीन-चार महीनों में गुजरात और हिमाचल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में चुनाव होने हैं। 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 182 सीटों में 77 सीटें इसलिए मिल सकी थीं, क्योंकि राहुल गांधी व अशोक गहलोत की टीम ने काफी मेहनत की थी। मगर इस बार राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा को ज्यादा वक्त देने का फैसला किया है। वह आगामी विधानसभा चुनावों के लिए उतनी उत्सुकता नहीं दिखा रहे हैं। इस कारण यह भी पूछा जा रहा है कि कहीं सियासी पिच पर विफल रहने के आरोपों से वह दुखी तो नहीं हैं या आत्मविश्वास तो नहीं हार रहे हैं? हालांकि, यह यात्रा राहुल गांधी के लिए आसान नहीं होने वाली। उनको कई मोर्चों पर जूझना पड़ सकता है। मसलन, साल 2011 के बाद से ही उनका मजाक उड़ाने के लिए एक पूरा तंत्र तैयार किया गया है, ताकि वह एक संजीदा राजनेता के रूप में स्थापित न हो सकें। उनकी जुबान क्या फिसलती है, उनको फौरन ट्रोल किया जाने लगता है। ऐसी 'ट्रोल आर्मी' इस यात्रा में भी सक्रिय है। इसके अलावा, राजनीतिक विरोधी भी राहुल को लगातार निशाने पर लेते रहेंगे। मीडिया के एक हिस्से से भी उनको टकराना होगा, क्योंकि वह लगातार उनकी आलोचना करता रहा है। लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि राहुल गांधी थककर हार मान लेंगे। वह एक कर्मठ नेता हैं और मजबूत भी। वह इस अभियान को लेकर काफी गंभीर भी दिख रहे हैं। वह पूरी यात्रा में मौजूद रह सकते हैं, ताकि कांग्रेस के विचारों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा सकें। हां, बीच में वह गुजरात और हिमाचल के चुनाव प्रचार के लिए भी जा सकते हैं और पार्टी अध्यक्ष की चुनाव-प्रक्रिया में भी शामिल हो सकते हैं। इस यात्रा में अन्य विपक्षी दलों को साथ न लेना भी कांग्रेस की एक बड़ी रणनीति है। इसमें योगेंद्र यादव, अरुणा रॉय जैसे सिविल सोसाइटी के लोग जोड़े गये हैं।

■ रशीद किदवई

धर्म दर्शन

श्री मद्देवी भागवतमाहात्म्यम्

अथ प्रथमोऽध्यायः

जब यह सारा संसार ही दैवके अधीन है, तब विजयके सम्बन्धमें मुझे क्या चिन्ता हो सकती है? जैसे हमलोग दैवके अधीन हैं, वैसे ही ब्रह्मा आदि देवता भी सदा देवके अधीन रहते हैं। ब्रह्मा, विष्णु, महेश, यम, अग्नि, वरूण, सूर्य, चन्द्र और इन्द्र-ये सब देवता सदा देवके अधीन है। हे मूर्खो! तब मुझे किस बातकी चिन्ता? जो होना होगा, वह तो होकर रहेगा। जैसी भवितव्यता होती है, उसी प्रकार उद्यम भी आरम्भ हो जाता है। सब प्रकारसे ऐसा विचार करे विद्वान् लोग कभी शोक नहीं करते। ज्ञानी लोग मृत्युके भयसे अपने धर्मका त्याग नहीं करते।।27-30।।

समय आनेपर दैवकी प्रेरणासे मनुष्योंको सुख, दुःख, आयु, जीवन तथा मरण-ये सब निश्चितरूपसे प्राप्त होते हैं, अपना-अपना समय पूरा हो जानेपर ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी नष्ट हो जाते हैं। इन्द्रसहित सभी देवता भी अपनी आयुके अन्तमें विनाशको प्राप्त होते हैं। उसी प्रकार मैं भी सर्वथा कालका वशवर्ती हूं। अतः अब मुझे विनाश अथवा विजय जो भी प्राप्त होगी, उसे मैं अपने धर्मका सम्यक् पालन करते हुए स्वीकार करूंगा।।31-33।।

जब इस स्त्रीने मुझे युद्धके लिये ललकारहै, तब [उसके भयसे] भागकर मैं सगड़ो वर्ष जीवित रहनेकी आशा क्यों करूं? मैं आज ही उसके साथ युद्ध करूगा, फिर जो होना है वह होवे! युद्धमें विजय अथवा मृत्यु जो भी प्रदान प्राप्त होगी, उसे मैं स्वीकार करूंगा।।34-35।।

'दैव मिथ्या है'- ऐसा उद्यमवादी विद्वान् कहते हैं। इस प्रकार जो शास्त्रको जानते है, उन उद्यमवादी विद्वानोंकी बात युक्तिमुक्त भी है।।36।।

बिना उद्यम किये मनोरथ कभी सिद्ध नहीं होते। केवल कायरलोग ही कहते हैं कि जो होना होगा, वह तो होकर होगा। अदृष्ट-प्रारब्ध बलवान् होता है-ऐसी मूर्ख कहते हैं न कि पण्डितजन। प्रारब्धकी सत्ता है-इसमें क्या प्रणाम हो सकता है? क्योंकि जो स्वयं अदृष्ट है वह भला कैसे दिखायी पड़ सकता है?।।37-38।।

अदृष्टको कभी किसीने देखा भी है क्या? यह तो मूर्खोंके लिये विभीषिकामात्र है। इसका कोई आधार नही; केवल कष्टकी स्थितिमें मनको ढ़ांढस देनेके लिये वह सहारामात्र अवश्य बन जाता है।।39।।

आटा पीसनेवाली कोई स्त्री चक्कीके पास चुपचाप बैठी रहे , तो बिना उद्यम किये किसी प्रकार भी आटा तैयार नहीं हो सकता।।40।।

उद्यम करनेपर ही हर प्रकारसे कार्य सिद्ध होता है। जब कभी उद्यम करनेमें कमी रह जाती है, तब कार्य किसी तरह सिद्ध नहीं हो पाता है।।41।।

- क्रमशः

संपादक के नाम पाठकों की पाती

आवारा कुत्तों से परेशानी

शहर में आवारा पशुओं की संख्या काफी बढ़ गई है। अभी शहर के कई जगहों पर आवारा कुत्तो के झुंड घुमते दिखाई देते हैं। रात में दफ्तर से लौट रहे व्यक्तियों पर अचानक से हमला भी कर दिया करते है। जिससे वे रेबीज के शिकार हो रहें हैं। वहीं कई चौक -चौराहों पर गाय व साढ़ भी दिखाई देते हैं। इन पशुओं के आपस में लड़ने के कारण राहगीरों को चोट लगने का खतरा रहता है। रात के समय कई मवेशी राह पर ही आराम से बैठे रहते हैं,जिसके कारण वाहन चालकों को काफी असुविधा होती है। कई बार तो ऐसा होता है कि अगर गाय काली या लाल रंग की ही तो सड़क पर दिखाई नहीं देती है,जिसके कारण दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। वहीं देखा जाये तो गाय का मालिक कोई न कोई जरूर होता है,लेकिन कुत्तों का कोई मालिक नहीं होता है। ऐसे में गाय पालकों से अपील है कि अपनी गाय को यूं ही आवरा नहीं भटकने दें और उसे अपने घर में बांध कर रखें। वहीं कुत्ते अधिकतांशतः आवारा ही होते हैं,कई लोग तो इन कुत्तो के चलते अपनी राह भी बदल देते हैं। मैं आपके लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र राष्ट्रीय नवीन मेल के माध्यम से नगर निगम के अधिकारियों से अनुरोध करता हूं कि शहर को मवेशियों के कारण होने वाली परेशानियों से निजात दिलायी जाये।

■ निलय कुमार मेदिनीनगर।

स्थायी संसदीय समितियों का बढ़ाना चाहिये कामकाज

संसदीय परंपराओं के पक्षधरों को यह देखकर प्रसन्नता हुई है कि हाल ही में संपन्न मानसून सत्र में विद्युत (संशोधन) विधेयक, 2022 व प्रतिस्पर्द्धा (संशोधन) विधेयक, 2022 को विस्तृत जांच और रिपोर्ट के लिए संसद की स्थायी समिति को भेजा गया है। यह इस तथ्य के आलोक में और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि संसद के पास इस सत्र में सीमित विधायी समय था और केवल पांच विधेयक पारित हो सके और तब भी सरकार ने कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई। ऐसा तब हुआ है, जब विपक्ष द्वारा लगातार इस बात की आलोचना की जा रही थी कि वह पिछले कुछ सत्रों से विभिन्न विधानों को बिना विस्तृत विचार-विमर्श के और उन्हें बिना स्थायी समिति को संदर्भित किये पारित करा रही है। सरकार की चिंता यह रहती है कि संसद में व्यवधानों के चलते इतना समय नष्ट हो जाता है कि विधायी प्रक्रिया विलंबित हो जाती है और ऐसे में विधेयकों को स्थायी समितियों को सौंपने से इस कार्य में अधिक विलंब हो सकता है। मानसून सत्र की कार्यवाही इस तथ्य की साक्षी है, जिसमें लोकसभा की उत्पादकता 47 प्रतिशत और राज्यसभा की केवल 42 प्रतिशत रही। गौरतलब है, संसद में विभागों से संबंधित 24 संसदीय स्थायी समितियां गठित हैं, जिनमें लोकसभा और राज्यसभा, दोनों के सदस्य 2 : 1 के अनुपात में रखे जाते हैं और यह लोकसभा अध्यक्ष व राज्य सभा के सभापति द्वारा संयुक्त रूप से गठित की जाती है। सवाल है कि क्या ये समितियां अपने निर्दिष्ट उद्देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम हैं? और यदि नहीं या मात्र अपर्याप्त रूप से सफल रही हैं, तो उनकी कारगरता और उनकी प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए क्या कार्रवाई की जा सकती है? 14वीं, 15वीं और 16वीं लोकसभा के कार्यकाल के दौरान सदन में प्रस्तुत विधेयकों को संबंधित स्थायी समितियों को भेजे जाने का यदि हम प्रतिशत देखें, तो यह क्रमशः 60 प्रतिशत, 71 प्रतिशत व 27 प्रतिशत रहा है। 16वीं लोकसभा के दौरान इस प्रतिशत में गिरावट ज्यादातर दूसरी छमाही के दौरान देखी गई, जब सरकार 2019 के चुनाव के परिप्रेक्ष्य में अपने बड़े सुधारों और बड़ी योजनाओं को आगे बढ़ाने की जल्दी में थी और विपक्ष चुनावी प्रतिस्पर्द्धा के कारण इसे रोकने को समान रूप से अडिग था। भले ही सरकार के लिए प्रत्येक विधेयक समिति के पास भेजना अनिवार्य नहीं है, पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव यह रहा है कि विधेयकों को संसदीय समितियों को संदर्भित करना तथा वहां होने वाले विचार-विमर्श का कानून को अंतिम रूप देने के लिए उपयोग करना लाभकारी रहा है। यह समझ लेना चाहिए कि संसदीय समितियों द्वारा विधेयकों की जांच विपक्ष की तुलना में सरकार के लिए अधिक लाभकारी है। इसका सीधा सा कारण यह है कि संसदीय समितियों व संसद में चर्चा का माहौल बिल्कुल अलग होता है। समितियों की बैठकें गोपनीय होती हैं और वहां प्रेस का या सामान्य जनता का प्रवेश निषिद्ध होता है। इस कारण ये बैठकें तुलनात्मक रूप से ज्यादा समझदारी के माहौल में होती हैं और सदस्य अपने दल की घोषित स्थिति के बावजूद आम सहमति बनाने का प्रयास करते हैं। बहरहाल, विधेयकों पर और बेहतर विचार के लिए संसद में निर्धारित प्रक्रियाओं में निम्न बदलाव किये जा सकते हैं। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति के पास विधेयकों को संसद की स्थायी समिति को भेजने का अधिकार है। अक्सर विभिन्न कारणों से इस प्रावधान का उपयोग नहीं किया जाता है। इस दृष्टि से समितियों को स्वचलित प्रक्रिया के रूप में अनिवार्य बनाना उपयोगी होगा, ताकि कोई भी विधेयक पेश होते ही समिति के पास चला जायेगा। संसदीय स्थायी समिति में सभी चर्चाएं स्वतंत्र होंगी, इसके लिए यह प्रावधान किया जा सकता है कि इन बैठकों की चर्चा में पार्टी का कोई व्हिप लागू नहीं होगा। समितियों को अपनी सिफारिशें पेश करने के लिए एक निश्चित समय-सीमा दी जा सकती है। समितियों में संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जा सकता है, इससे सांसदों को विचार करने में सुविधा होगी। ऐसी समितियों को मंत्रालयों को नई पहल करने और जनहित के उपाय करने के सुझाव भी देने चाहिए।**(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

■ देश दीपक वर्मा

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लि.)प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड में मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : **सुरेश बजाज,** संपादक : **हर्षवर्द्धन बजाज*, प्रेस कार्यालय :** रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, **फोन नंबर :** 06562-240042/ 222539, **फैक्स नंबर :** 06562-241176/ 231257, **रांची कार्यालय :** 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, **फोन नंबर :** 0651-2283384, **फैक्स नंबर :** 0651-2283386, **दिल्ली कार्यालय :** 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नयी दिल्ली-1, **ई-मेल :** rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com, (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

न्यूज गैलरी

भागलपुर में सिल्क व्यवसायी की गोली मारकर हत्या

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार में भागलपुर जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक सिल्क व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को यहां बताया कि के.बी.लाल रोड निवासी सिल्क व्यवसायी अफजाल अंसारी (35)बुधवार की देर रात को दुकान बंद करने के बाद अपने घर की ओर जा रहा था , तभी रास्ते में मोटरसाइकिल सवार छह अपराधियों ने उसे रोक लिया और गोली मारकर घायल कर दिया। सूत्रों ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजन लोगों के सहयोग से व्यवसायी को भागलपुर के जवाहरलाल नेहरु मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। हत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। इस सिलसिले में संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस हत्या में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिये छापेमारी कर रही है।

अधेड़ की लाश बरामद, हत्या की आशंका

बेतिया (एजेंसी)। जिले में लौरिया पुलिस ने चटकल चौक से बसनपुर जाने वाली सड़क पर गुरुवार एक अधेड़ की लाश बरामद किया है। मृतक जिला स्थित शिकारपुर थाना के धुमनगर मटियरिया गांव के राजमन साह थें। वे स्व बेथरी साह के पुत्र थे। लौरिया थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि मृतक की पत्नी लीलावती देवी के आवेदन पर अज्ञात के विरुद्ध हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। कुमार ने बताया कि गुरुवार की सुबह चटकल चौक से बसनपुर जाने वाली सड़क के किनारे परोरहा गांव के समीप एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मोबाइल पर मिली। इसके बाद शव बरामद करते हुए उसे पोस्टमार्टम रिपोर्ट हेतु बेतिया भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव देखकर ऐसा लग रहा है कि उसकी हत्या कहीं अन्यत्र कर बसनपुर मार्ग में शव फेंका गया है।

अंग्रेजी शराब के साथ पिक-अप चालक धराया

हरनाटाड। बगहा पुलिस जिला के नौरंगिया थाना के पुलिसकर्मियों की टीम ने मदनपुर चेक पोस्ट पर पिक-अप लेकर यूपी से आ रहे मोतिहारी निवासी एक व्यक्ति को एक बोतल अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। नौरंगिया थाना अध्यक्ष राजेश कुमार झा ने गुरुवार को यहां बताया कि बुधवार की शाम एएसआई ललेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों की टीम द्वारा मदनपुर चेक पोस्ट पर वाहन जांच की जा रही थी। हर आने-जाने वाले वाहनों की सघन तलाशी ली जा रही थी। इसी बीच पनियहवा के तरफ से एक पिक-अप आ रहा था जिसको रुकवा कर जांच की गई, तो उसके पास से एक 375 एम एल इम्पेरियल ब्लु अंग्रेजी शराब बरामद की गई। शराब मिलते हीं पिक-अप चालक को तुरंत हिरासत में ले लिया गया तथा पिक-अप भी जब्त कर ली गई। गिरफ्तार युवक की पहचान मोतिहारी निवासी विरबहादुर कुमार के रूप में की गई है। जिसपर बिहार मध्य निषेध उत्पाद अधिनियम के तहत कांड संख्या 109/22 दर्ज करते हुए जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

भागलपुर में 35 अपराधी गिरफ्तार

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार के भागलपुर जिले मे अपराधियों के विरुद्ध चलाये गये विशेष अभियान के तहत पुलिस ने 24 घंटे के दौरान 35 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। भागलपुर के नगर पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने गुरुवार को यहां बताया कि जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कई मामलों में फरार चल रहे 35 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा भारी मात्रा में देशी शराब बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों से पुलिस ने 58 जमानतीय वारंटियों का तामिला कराया गया है,जबकि कुर्की के 02 मामले निष्पादित किये गए हैं । श्री प्रभात ने बताया कि जिले के विभिन्न हिस्सों में वाहनों की जांच पड़ताल करने के दौरान बिना कागजात वाले वाहनों से जुमार्ने के रुप में एक लाख,42 हजार,500 रुपये राशि की वसूली की गई। उन्होंने बताया कि जिले के सभी थानाध्यक्षो को हिदायत दी गई है कि वे अपने अपने क्षेत्रों में अपराधिक गतिविधियों और अवैध शराब के धंधों पर पूरी तरह से रोक लगाये,अन्यथा उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

कपड़े की दुकान में शॉर्टसर्किट से लगी आग, लाखों का माल जलकर खाक

भदोही (एजेंसी)। जनपद के ज्ञानपुर कोतवाली क्षेत्र के देवनाथपुर बाजार में गुरुवार को कपड़े की दुकान में शार्टसर्किट से आग लगने से कई लाख का कपड़ा जल गया। आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की चार गाड़िया मौके पर पहुंच आग बुझाने में जुटी रहीं, लेकिन आग इतनी भीषण थीं कि बुझाने में काफी दिक्कत हुई। देवनाथपुर बाजार निवासी हरिलाल मौर्य की बाजार में कपड़े के दुकान है। गुरुवार को प्रातः तारीबन 8:30 बजे शार्टसर्किट से आग लग गयी। आग की चपेट में आने दुकान में रखे लाखों के कपड़े जलकर राख हो गए। जिस समय आग लगी उस वक्त हरिलाल दुकान पर नहीं थे।आग की लपटें और धुआ जब आसपास की दुकानों तक फैलने लगा तो लोगों ने हरिलाल को इसकी जानकारी दिया। जानकारी होने पर जब तक दुकानदार मौके पर पहुंचता तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। घटना की सूचना तत्काल ज्ञानपुर कोतवाली पुलिस को दी गयी। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी भुनेश्वरपांडे और कोतवाल मय फोर्स मौके पर पहुंच गए और फायर बिग्रेड को तत्काल बुलाकर आग बुझाने में जुट गए।

स्मार्ट ग्राम पंचायत विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का हुअर उद्घाटन

ग्राम पंचायतों के सशक्त होने से ही पांच ट्रिलियन इकोनामी का लक्ष्य होगा पूरा : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्मार्ट ग्राम पंचायत विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन मौके पर कहा कि देश के सबसे ज्यादा गांव उत्तर प्रदेश में स्थित हैं। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के पांच ट्रिलियन इकोनॉमी के संकल्प में निःसन्देह राज्यों की भी भूमिका होगी। ये सार्थक तब होगा जब हमारी ग्राम पंचायतें सशक्त होंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम तकनीकी से जोड़कर अपने ग्राम पंचायतों को स्मार्ट बना सकते हैं। जीडीपी में एक फीसदी से अधिक की बढ़ोत्तरी करनी है तो वो हाई स्पीड इंटरनेट और वाईफाई के माध्यम से ही हो सकता है। उत्तर प्रदेश में अभी तक औसत 32 फीसदी की ही इंटरनेट की सुविधा है। इसे अगर हम 85 से 90 फीसदी पर ले जाएं तो स्वतः स्फूर्त से यह जीडीपी सात से आठ प्रतिशत तक हो सकती है। हमने गोरखपुर में कल ही टेलीमेडिसिन के लिए हेल्थ एटीएम का शुभारंभ किया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 2017 के पहले डॉक्टर्स ही नहीं होते थे। हमने इसके लिए आयुष के साथ जुड़कर 2020 के बाद से हर बीमारी के स्पेशलिस्ट चिकित्सकों को जोड़ कर कार्य शुरू किया।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बोले

केंद्रीय ग्रामीण एवं पंचायत राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि मैं बिहार से आता हूं और कल मैंने कहा है कि अगर बिहार में कानून व्यवस्था नहीं सम्भलती है तो योगी आदित्यनाथ से उधार ले लो। योगी ने देश में नया मॉडल पेश किया है। आठ साल में मोदी सरकार ने 50 हजार करोड़ रुपये ग्रामीण विकास के लिए पंचायतों को दिया है। पहले पिछली सरकार ने सिर्फ दस हजार करोड़ ही दिया था। ग्राम पंचायतों में अच्छा काम करने और स्मार्ट विलेज बनाने वाले ग्राम प्रधानों की कर्मयोगी प्रधान का सम्मान देकर सम्मानित करेंगे। हमें लोगों को यह बताने की जरूरत है कि गांव सभा किसी प्रधान की नहीं है बल्कि सभी गांव वासियों की है तो बदलाव जरूर होगा। शिक्षा युक्त पंचायत, पोषण, रोजगार युक्त पंचायत बनानी है। सरकार तेजी से गांवों के विकास पर कार्य कर रही है।

उत्तर प्रदेश में आज हर रविवार को करीब तीन-चार लाख लोग मुख्यमंत्री आरोग्य मेला के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। हेल्थ एटीएम भी इसी टेली कंसल्टेंसी के साथ जुड़ा है। घर बैठे कहीं से भी कंसल्ट कर सकते हैं। ये सारे एटीएम सीएसआर के माध्यम से लगाये जा रहे हैं। योगी ने कहा कि गांव में आज ग्राम सचिवालय का निर्माण हो रहा है। 58 हजार ग्राम पंचायतों में आज 24 हजार ग्राम सचिवालय बन चुके हैं। यहां बीसी सखी,पंचायत सहायक कार्य कर रहे हैं। इन सबसे डिजिटल लिटरेसी बढ़ रही है। 243 प्रकार की सेवाएं हमारी ग्राम पंचायत जल्दी देना शुरू करेंगी। हर ग्राम पंचायत में पीएम आवास, शौचालय है। आज उत्तर प्रदेश के किसी गांव में जाएं तो एलईडी लाइट स्ट्रीट लाइट्स जगमगा रहे हैं। इसी मौसम में पूर्वी उत्तर प्रदेश और गोरखपुर क्षेत्र में इंसेफ्लाइटिस महामारी होती थी। कल मैंने आंकड़े देखे तो अब तक इंसेफ्लाइटिस से 40 मामले आये, मौतें शून्य थी। बदलाव लोगों को दिख रहा है। 40 वर्षों तक ये प्रक्रिया चलती रही। आज डबल इंजन की सरकार ने इंसेफ्लाइटिस की मौतों को शून्य स्तर पर ले आ चुकी है। हर ग्राम पंचायतों में संभावनाएं मौजूद हैं। गांव में अमृत सरोवर बन रहे हैं। इनसे जलस्तर बढ़ेगा। आमदनी का जरिया बनेगा। मत्स्य पालन होगा। हम अपनी ग्राम पंचायतों में अतिरिक्त भूमि का बंदरबांट करने के बजाय उसके आय का जरिया बना सकते हैं। ये स्वतः जिम्मेदारी होती है।

बिहार में तीन दिनों तक मूसलाधार बारिश के आसार, 18 जिलों में अलर्ट

पटना (एजेंसी)। राजधानी पटना समेत राज्य के कई जिलों में बारिश हो रही है। बिहार में अगले तीन दिनों तक मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। इसका फायदा सीधे किसानों को मिल रहा है। मौसम विभाग ने गुरुवार को बिहार के 18 जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में मेघ गर्जन के साथ मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने बारिश के साथ वज्रपात की भी आशंका जताई है। इस दौरान तापमान में भी तीन से चार डिग्री की गिरावट हो देखी जा सकती है। पूसा के वैज्ञानिकों के अनुसार बिहार में 18 सितम्बर तक मौसम का मिजाज इसी तरह रहेगा। संभावित जिलों में रुक-रुक कर अच्छी बारिश होगी। मौसम केंद्र ने जिन 18 जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है, उनमें पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, सिवान, सारण, वैशाली, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, शिवहर, सीतामढ़ी, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल है। इन जिलों में वज्रपात की आंशका है। मौसम विभाग ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है। घर से बेवजह बाहर ना निकलने की सलाह दी है। पूसा के मौसम वैज्ञानिक डॉ ए सत्तार ने बताया कि बिहार में बारिश की संभावना बनी हुई है। इसलिए किसी खड़ी फसलों की सिंचाई फिलहाल स्थगित रखें। फसलों में कीटनाशी दवाओं का छिड़काव सावधानी पूर्वक आसमान साफ रहने पर ही करें। मक्का, खरीफ, प्याज, चारा एवं अन्य सब्जियों वाली फसलों में आवश्यकतानुसार नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार करें।

उन्होंने बताया कि अगात बोयी गयी धान की फसल जो गाभा निकलने की अवस्था में आ गयी हो उसमें वर्ष के बाद 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। धान की फसल जो दुग्धावस्था में आ गयी हो उसमें गंधी बग कीट की नियमित रूप से निगरानी करें। इस कीट के शिशु और प्रौढ दोनों जब पौधों में बाली निकलती है तो यह बालियों का रस चूसना प्रारंभ कर देती है, जिससे दाने खोखले एवं हल्के हो जाते हैं।

मोतिहारी में गैस एजेंसी के मैनेजर से 4 लाख 86 हजार की लूट

दो बदमाशों ने कैश सहित छीना स्कूटी

मोतिहारी (एजेंसी)। जिले में बंजरिया थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े गैस एजेंसी के प्रबंधक से बड़ी राशि लूट कर अपराधी फरार हो गये। राष्ट्रीय उच्चपथ संख्या- 28 ए से सटे चैलाहां रतनपुर रोड पर स्थित नित्या गैस एजेंसी के मैनेजर से अपराधियों ने स्कूटी सहित 4 लाख 86 हजार 810 सौ रुपये लूट कर चलते बने। साथ ही अपराधियों ने घटना स्थल से कुछ ही दूरी पर स्थित महावीर मंदिर के समीप स्कूटी के डिक्की में रखे रुपये निकालकर स्कूटी को फेंक दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बताया गया है कि प्रतिदिन की भांति एजेंसी के मैनेजर हर्षवर्धन कंठ चैलाहा रतनपुर बाबू टोला स्थित गैस गोदाम से पैसा लेकर स्कूटी से बैंक आफ बड़ौदा बंजरिया ब्रांच जमा करने जा रहे थे। इस बीच चैलाहा गांव के पास सिंघिया हिवन मोड़ के नजदीक बाइक सवार दो बदमाशों ने आर्म्स का भय दिखा कर स्कूटी सहित कैस छीन लिया। वहां से तकरीबन एक किलोमीटर के बाद शंकर ढाबा के पास स्कूटी फेंक कर बदमाश कैश लेकर भाग गए। पुलिस इस मामले के कई बिन्दुओं पर जांच कर रही है। माना जा रहा है कि रोज दो लोग पैसा लेकर बैंक जाते थे, गुरुवार को एक व्यक्ति ही जा रहा था। वही गैस एजेंसी के गोदाम में या आसपास कही सीसीटीवी कैमरा नही है ताकि पुलिस को अपराधियों की पहचान करने में सुविधा हो। फिलवक्त पुलिस इस मामले में कई एंगल से पड़ताल में जुट गई है। वही प्रबंधक से भी पूछताछ की जा रही है।

नीतीश ने 'मुख्यमंत्री सोलर स्ट्रीट लाइट योजना' का किया शुभारंभ, केंद्र सरकार पर जमकर साधा निशाना

मैं विशेष राज्य के दर्जे की मांग हमेशा से कर रहा हूं

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को 'मुख्यमंत्री सोलर स्ट्रीट लाइट योजना' का शुभारंभ किया। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। नीतीश कुमार ने इशारों-इशारों में कहा कि कुछ लोग कोई काम नहीं करते लेकिन अपना प्रचार-प्रसार मीडिया के माध्यम से करवाते रहते हैं। साथ ही उन्होंने विशेष राज्य के दर्जे की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि विशेष राज्य का दर्जा मिलने से बिहार और विकास करेगा। साथ ही उन्होंने बिहारवासियों से आपसी सौहार्द बनाने की भी अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं विशेष राज्य के दर्जे की मांग हमेशा से कर रहा हूं। पूरी सरकार की तरफ से करते रहेंगे। मैंने हर बैठक में बोला है। अगर हमें सरकार बनाने का मौका मिलेगा तो निश्चित रूप से बिहार के अलावा और भी पिछड़े राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा मिलेगा। सीएम ने कहा कि सुशील मोदी जी को जगह मिल जाए तो हमें खुशी होगी। अगर वे रोज नहीं बोलेंगे तो...ये भी मोदी हैं लेकिन कहीं जगह नहीं मिली। इसलिए अगर आजकल कुछ बोलते रहेंगे तो मोदी जी (प्रधानमंत्री मोदी), मोदी जी (सुशील मोदी) को जगह दे देंगे।

केंद्र में मौका मिला तो बिहार समेत सभी पिछड़े राज्यों को मिलेगा विशेष राज्य का दर्जा : नीतीश

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने की मुहिम में लगे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद यदि हम लोगों को सरकार बनाने का मौका मिला तो बिहार ही नहीं देश के सभी पिछड़े रिपीट पिछड़े राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाएगा। श्री कुमार ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान विशेष राज्य के दर्जे के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि वह बिहार को शुरू से ही विशेष राज्य दर्जा देने की मांग करते रहे हैं इस मांग को उन्होंने कभी छोड़ा नहीं है और वह इसकी निरंतर मांग करते रहे हैं। इसके लिए अभियान तक चलाया है और सरकार के स्तर से भी मांग की गई है। मुख्यमंत्री से जब यह पूछा गया कि विपक्ष का जो मोर्चा बनने जा रहा है जिसके लिए आप मुहिम चला रहे हैं उसकी यदि सरकार बनी तो क्या उसके एजेंडा में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देना भी शामिल होगा, इसपर उन्होंने कहा, अगर इन लोगों (नरेंद्र मोदी सरकार) की जगह पर सरकार बनाने का मौका मिला और जैसा कि हम लोग चाह रहे हैं कि विपक्ष के ज्यादा से ज्यादा दल एकजुट होकर अगला लोकसभा चुनाव लड़े और सरकार बनी तो निश्चित रूप से बिहार ही नहीं अन्य पिछड़े राज्यों को भी वह सरकार विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं देगी। श्री कुमार ने कहा कि हम सिर्फ बिहार की बात नहीं कर रहे हैं, कुछ अन्य पिछड़े राज्यों की भी बात कर रहे हैं जिनको यह दर्जा मिलना चाहिए।

मुख्तार पर गैंगेस्टर एक्ट में आरोप तय, अगली सुनवाई 30 को

मऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मऊ में पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी पर अवैध असलहा रखने के लिए शिफारशी पत्र लिखे जाने के मामले में स्थानीय अदालत ने गुरुवार को गैंगस्टर एक्ट के तहत आरोप तय कर दिये। बांदा जेल से अदालत में पेशी के लिये यहां लाये गये मुख्तार के विरुद्ध गिरोहबंद अपराध के आरोप तय होने के बाद अदालत ने मामले में अगली सुनवाई की तारीख 30 सितंबर निर्धारित की है। एमपी एमएलए और गैंगस्टर एक्ट की विशेष अदालत के अपर सत्र न्यायाधीश, दिनेश चौरसिया ने मुख्तार अंसारी को बांदा जेल व एक अन्य आरोपी सलीम को बाराबंकी तथा अनवर व सहजानंद को गाजीपुर जेल से आरोप निर्धारित करने हेतु अदालत में व्यक्तिगत रुप से आज उपस्थित करने का आदेश दिया था। इन आरोपियों को थाना दक्षिण टोला में फर्जी असलहा लाइसेंस मामले में पेशी के लिये बांदा, बाराबंकी व गाजीपुर जेल से मऊ लाया गया। भारी सुरक्षा इंतजामों के बीच तीनों आरोपियों की अदालत में पेशी कराई गई। न्यायाधीश चौरसिया ने मामले को सुनने के बाद मुख्तार व तीन अन्य आरोपियों सहित कुल 04 लोगों के विरुद्ध गैंगस्टर एकट में आरोप तय करते हुए अगली सुनवाई 30 सितंबर निर्धारित की। गौरतलब है कि मुख्तार अंसारी ने बतौर विधायक, दक्षिण टोला थाना क्षेत्र के पते पर आधा दर्जन लोगों को अपने लेटर पैड पर असलहा लाइसेंस जारी करने की संस्तुति की थी। जिस पर लाइसेंस जारी हुआ था। बाद में जांच में तीन लोगों के पते फर्जी पाए गए। इस मामले में मुख्तार अंसारी पर 120बी व अन्य पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ। इसके साथ ही पुलिस ने इस मामले में सभी आरोपियों पर गैंगस्टर लगाने की सिफारिश कर दी। जिसे आज कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। सुनवाई के बाद बाहुबली मुख्तार अंसारी भारी सुरक्षा के साथ बांदा जेल वापस भेज दिया गया।

गंडक बैराज ने एक लाख तैंतालीस हजार पांच सौ क्यूसेक पानी छोड़ा

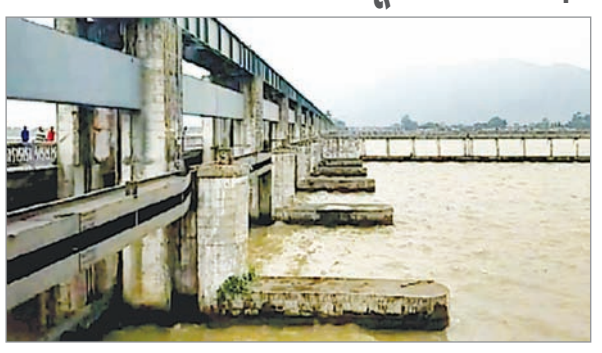

वाल्मीकिनगर (एजेंसी)। पड़ोसी देश नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र और पहाड़ी क्षेत्रों में चौबीस घंटे से रुक-रुक कर हो रही बारिश से गंडक नदी के जलस्तर में फिर एक बार वृद्धि जारी है। वहीं गंडक बराज द्वारा गुरूवार की दोपहर एक लाख तैतालिस हजार पाच सौ क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जिससे गंडक के जलस्तर में काफी वृद्धि जारी है। गंडक बराज के कार्यपालक अभियंता सुबोध चौधरी ने बताया कि जल स्तर में वृद्धि को देखते हुए गंडक बराज के सभी 36 फाटको को आंशिक रूप से एक लाख तैतालिस हजार पाच सौ क्यूसेक पानी छोड़ा ग दिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि पानी की बढ़ती स्थिति के मद्देनजर गंडक बराज पर तैनात सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अलर्ट कर दिया गया है। गंडक के जल स्तर में बनी वृद्धि के साथ नदी के जल अधिग्रहण वाले क्षेत्रों एवं निचले इलाकों में पानी फैलने की आशंका बढ़ गई है।

बघेल ने 569 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण व शिलान्यास

रायगढ़/रायपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दूसरे चरण में गुरुवार को रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ विधानसभा में 569 करोड़ 78 लाख रुपये की लागत के 24 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। जिसमें 64 करोड़ 36 लाख रुपये की लागत से निर्मित 15 कार्यो का लोकार्पण एवं 505 करोड़ 42 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 9 कार्यों का शिलान्यास कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम के दौरान जिन कार्यों का लोकार्पण किया उनमें लोक निर्माण विभाग द्वारा 24 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत से घरघोड़ा-बायपास मार्ग का उन्नयन कार्य, शिक्षा विभाग द्वारा 74 लाख रुपये की लागत से घरघोड़ा के ग्राम-भालूमार में नवीन हाईस्कूल भवन निर्माण एवं 75 लाख रुपये की लागत से धरमजयगढ़ अंतर्गत ग्राम-ससकोबा में शासकीय हाईस्कूल भवन का निर्माण,

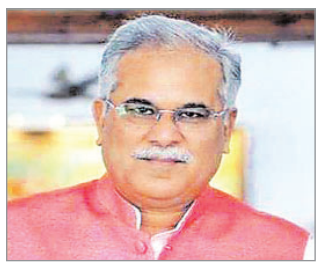

आदिवासी विकास विभाग द्वारा 14 करोड़ 57 लाख रुपये की लागत से धरमजयगढ़ में 500 सीटर आदिवासी छात्रावास भवन का निर्माण, 3 करोड़ 84 लाख रुपये की लागत से घरघोड़ा एवं महाराजगंज में 50-50 सीटर पोस्ट मैट्रिक छात्रावास भवन निर्माण, लोक निर्माण विभाग सेतु द्वारा आठ करोड़ दो लाख रुपये की लागत से धरमजयगढ़ से कोरबा, उरगा, हाटी एवं धरमजयगढ़ मार्ग में सरिया नाला सेतु निर्माण कार्य एवं नौ करोड़ 99 लाख रुपये की लागत से कुड़ेकेला के बंगरसुता मार्ग पर मांड नदी पर पुल निर्माण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 25 लाख रुपये की लागत से धरमजयगढ़ अंतर्गत ग्राम पण्ड्रीमौहा एवं उदउदा में मानव राहत केन्द्र सह अन्नागार, वन विभाग द्वारा 80 लाख रुपये की लागत तीन जगहों पर डब्ल्यूबीएम वनमार्ग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 40 लाख रुपये की लागत से मेडिया खूंटा नाला में वेंटेज, कॉजवे निर्माण भाग-1 व 2 तथा नगर पंचायत घरघोड़ा द्वारा 27 लाख रुपये की लागत से पौनी पसारी बाजार निर्माण कार्य शामिल है। शिलान्यास कार्य के तहत न्याय विभाग द्वारा 76 लाख रुपये की लागत से सिविल कोर्ट घरघोड़ा में न्यायिक अधिकारियों के लिए 1 डी टाईप शासकीय आवास गृह निर्माण, आदिवासी विकास विभाग द्वारा 01 करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से घरघोड़ा के ग्राम बिच्छीनारा में 50 सीटर पोस्ट मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास, लोक निर्माण विभाग सेतु द्वारा 5 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से रायगढ़ के पानीखेत से ऐडुकला मार्ग पर पुल निर्माण एवं सात करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से ग्राम समनिया व पत्थलगांव खुर्द के मध्य सांगुल नदी में पुल निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 329 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत से धरमजयगढ़ एवं घरघोड़ा में 92 रेट्रोफिटिंग योजना, 110 सिंगल विलेज एवं 71 सोलर योजना कार्य, नगर पंचायत घरघोड़ा द्वारा दो करोड़ 97 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड व नाली निर्माण तथा 94 लाख रुपये की लागत से घरघोड़ा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 10 छोटेमुड़ा तालाब का सौंदर्यीकरण कार्य तथा विद्युत विभाग द्वारा 156 करोड़ रुपये की लागत से धरमजयगढ़ के हाटी में 220/132 के.व्ही.उपकेन्द्र निर्माण कार्य शामिल है।

मवेशी तस्करी मामले में सीबीआई ने अणुव्रत मंडल से फिर की पूछताछ

आसनसोल (एजेंसी)। मवेशी तस्करी मामले में सीबीआई अधिकारियों ने तृणमूल के बीरभूम जिलाध्यक्ष अणुव्रत मंडल से फिर पूछताछ की है। सीबीआई के दो अधिकारी सुशांत भट्टाचार्य और स्वरूप दे गुरुवार दोपहर 12 बजे के बाद आसनसोल जेल पहुंचे। उन्होंने मवेशी तस्करी के बारे में कई सवालों के जवाब पाने के लिए अणुव्रत से पूछताछ शुरू की। सीबीआई अधिकारियों के हाथ में कुछ दस्तावेज भी दिखे। सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई अधिकारियों ने दस्तावेज में अणुव्रत से पूछताछ के लिए संपत्ति के स्त्रोत पर सवाल तैयार किए हैं। गौ तस्करी मामले की जांच में अणुव्रत की बेटी और उसके रिश्तेदारों के नाम कई संपत्तियों की जानकारी मिली है। जांच एजेंसी उस संपत्ति का स्त्रोत जानना चाहती है। इससे पहले छह सितंबर को सीबीआई अधिकारियों ने अणुव्रत और उनके अंगरक्षक सहगल हुसैन से जेल में पूछताछ की थी। उस दिन अणुव्रत से 20 प्रश्न पूछे गए थे। इसके अलावा जांच अधिकारियों ने सहगल से करीब 14 सवाल पूछे। उनसे अणुव्रत और सहगल की बरामद संपत्तियों के बारे में पूछा गया था। इससे पहले सीबीआई की तीन सदस्यीय टीम कोयला तस्करी मामले में गिरफ्तार आठ ईसीएल अधिकारियों से पूछताछ के लिए आसनसोल जेल गई थी। टीम का नेतृत्व सीबीआई अधिकारी उमेश कुमार कर रहे थे।

न्यूज गैलरी

फील्डिंग में राधा यादव ने दिखाया कमाल

ब्रिस्टल (एजेंसी)। टीम इंडिया ने ब्रिस्टल में इंगलैंड वुमन के खिलाफ खेले गए मुकाबले को 8 विकेट से जीतकर टी-20 सीरीज 1-1 पर बराबर कर ली है। भारतीय टीम ने शुरूआत से मैच पर दबदबा बनाए रखा। इस दौरान भारतीय क्रिकेटर राधा यादव का शानदार कैच चर्चा में रहा। राधा ने इंगलैंड की बल्लेबाज ब्रायोनी स्मिथ का लाजवाब कैच पकड़ा। स्मिथ उस समय 16 रन के स्कोर पर बल्लेबाजी कर रहीं थीं। स्नेह राणा की गेंद पर उन्होंने शॉट लगाया। लेकिन राधा ने दौड़ते हुए हवा में डाइव लगाकर कैच को पकड़ लिया। मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 142 रन बनाए थे। मेजबानों की तरफ से फ्रेया केम्प ने 51 रन की पारी खेली। मैया बाउचियर ने 34 रन बनाए। 143 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को अच्छी शुरूआत मिली। शेफाली वर्मा ने 20 रन बनए। स्मृति मंधाना ने एक छोर संभालकर अपनी फिफ्टी पूरी की। कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ उन्होंने मिलकर 16.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

जमीनी स्तर पर फुटबॉल को मजबूत करने जरूरत : तबाबी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ वर्षों में महिला फुटबॉल की हुई तरक्की से संतुष्ट भारत की पूर्व कप्तान तबाबी देवी ने कहा कि इस खेल को पूरे भारत में जमीनी स्तर पर और मजबूत करना होगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति में शामिल होने वाली छह पूर्व भारतीय खिलाड़ियों में से एक तबाबी ने कहा कि उनके राज्य मणिपुर के जमीनी विकास मॉडल (खाका) को दूसरे राज्यों में लागू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैं मणिपुर से हूं। हमारे राज्य से महिला फुटबॉल में काफी अच्छी खिलाड़ी आती हैं। उसका एक ही कारण है। मणिपुर में जमीनी स्तर पर फुटबॉल का मजबूत आधार है। भारत की इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अगर हम अन्य राज्यों में भी इसी तरह के मॉडल लागू कर सकते हैं। इससे हम आने वाले वर्षों में महिला फुटबॉल के स्तर में तेजी से सुधार देखेंगे। तबाबी ने कहा कि भारतीय महिला टीम को बेहतर कौशल वाले खिलाड़ी तैयार कर फीफा रैंकिंग में ऊपर चढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा- हाल के दिनों में बहुत सुधार हुआ है। अब बहुत सारे टूर्नामेंटों का आयोजन हो रहा है और हमारे खिलाड़ियों को पहले की तुलना में अधिक मौके मिल रहे हैं।

अफगानिस्तान ने टी-20 विश्व कप 2022 के लिए किया टीम का ऐलान

काबुल (एजेंसी)। बल्लेबाज दारवेश रसूली और तेज गेंदबाज सलीम साफी को ऑस्ट्रेलिया में होनेवाले टी-20 विश्व कप के लिए गुरुवार को अफगानिस्तान की 15 सदस्यीय टीम में चुना गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का यह आयोजन 16 अक्टूबर से 13 नवम्बर तक होगा। हाल ही में हुए एशिया कप के दौरान अफगानिस्तान टीम का हिस्सा रहे 17 खिलाड़ियों में से समीउल्लाह शिनवारी, हशमतुल्लाह शाहिदी, अफसर जजई, करीम जनत और नूर अहमद को मुख्य टीम में जगह नहीं दी गयी। चोट से उबरने के बाद रसूली की टीम में वापसी हुई है। लेग स्पिन हरफनमौला कैस अहमद और साफी भी अंतिम 15 की टीम में जगह बनाने में सफल रहे। जजई, शराफुद्दीन अशरफ, रहमत शाह और गुलबदीन नायब रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर ऑस्ट्रेलिया जाएंगे। टीम की अगुवाई अनुभवी मोहम्मद नबी करेंगे। मुख्य चयनकर्ता नूर मलिकजई ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में होनेवाली वैश्विक प्रतियोगिता के लिए टीम को आंकने के मकसद से एशिया कप एक बहुत अच्छा अवसर था।

विनेश फोगाट का ऐतिहासिक दांव : वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में दो मेडल जीते

यह कारनामा करनेवाली पहली भारतीय पहलवान बनी

बेलग्रेड/नयी दिल्ली (एजेंसी)। विनेश फोगाट ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो मेडल अपने नाम किए हैं। इस स्पर्धा में दो मेडल जीतकर विनेश इतिहास रच दिया है क्योंकि ऐसा करने वाली वे पहली भारतीय महिला बनी हैं। विनेश ने 53 किलोग्राम भारवर्ग में स्वीडेन की एम्मा जोना मालमग्रेन को हराकर प्रतियोगिता में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान होने का रिकॉर्ड बनाया है। विनेश ने 2019 में कजाकिस्तान की पहलवान नूर सुल्तान को हराकर कांस्य पदक जीता था। क्वालीफिकेशन राउंड में हारने के बाद विनेश फोगाट ने शानदार वापसी की है। फोगाट ने 53 किलोग्राम कैटेगरी में स्वीडेन की पहलवान को हराकर कांस्य पदक जीती है।

कैसा रहा विनेश का सफर : विनेश फोगाट ने पहले मुकाबले में 2022 की एशियाई चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने वाली विजेता से हार गई थीं। तब मंगोलिया की रहने वाली खुलन बटखुयाग से हारने के बाद विनेश ने रेपचेज दौर के माध्यम से कांस्य पदक प्ले ऑफ में जगह पक्की कर ली। इसके बाद विनेश ने कोई मौका नहीं गंवाया और आखिरकार कांस्य पदक जीतकर ही दम लिया।

क्वालीफिकेशन राउंड के बाद की वापसी : विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली विनेश फोगाट को क्वालीफिकेशन राउंड में हार का सामना करना पड़ा था। तब लगा कि भारत की चुनौती खत्म सी हो गई है। क्वालीफिकेशन राउंड में उन्हें मंगोलिया की पहलवान ने 7-0 से करारी शिकस्त दी थी। लेकिन दूसरे राउंड में विनेश ने जबरदस्त वापसी की। उन्होंने स्वीडेन की पहलवान को 8-0 से हराकर कांस्य पदक जीत लिया।

कॉमनवेल्थ की गोल्ड मेडलिस्ट : विनेश फोगाट ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में देश के लिए स्वर्ण पदक जीता था। टोक्यो ओलंपिक में वे बढ़िया प्रदर्शन नहीं कर पाई थीं। हालांकि विनेश फोगाट का अगला लक्ष्य 2024 में पेरिस ओलंपिक है। जहां वे फिर से देश के लिए सोना जीत सकती हैं। विनेश फोगाट भी कह चुकी हैं कि पेरिस ओलंपिक में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने की पूरी कोशिश करेंगी। वहीं उनके फैंस भी यही उम्मीद करते हैं।

रिकॉर्ड 8वां टी-20 वर्ल्ड कप खेलेंगे रोहित शर्मा

○ विराट-अश्विन का चौथा वर्ल्ड कप ○ पांच खिलाड़ी पहली बार टूर्नामेंट में उतरेंगे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप खेलने जा रही टीम इंडिया में दूसरी टीमों के मुकाबले भले ही उम्रदराज क्रिकेटर अधिक हों, लेकिन यह टीम पिछले कई टी-20 विश्वकप के अनुभवों से लबरेज है। टीम में कप्तान रोहित शर्मा और दिनेश कार्तिक तो टी-20 विश्व चैम्पियन भी रह चुके हैं। दोनों 2007 में हुए पहले विश्वकप को जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य थे। 15 सदस्यीय टीम में 10 क्रिकेटर ऐसे हैं जो पहले टी-20 विश्व कप खेल चुके हैं। पांच क्रिकेटरों दीपक हुड्डा, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और हर्षल पटेल का यह पहला टी-20 विश्व कप होगा।

रोहित ने खेले हैं सभी टी-20 विश्व कप रोहित शर्मा के नाम अनोखी उपलब्धि जुड़ने जा रही है। यह उनका 8वां टी-20 विश्व कप होगा। इसका मतलब यह हुआ कि रोहित 2007 से 2021 तक हुए सभी सात टी-20 विश्वकप में भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं। उन्होंने इन सात विश्वकप में 33 मैच खेले हैं जो सर्वाधिक हैं। इन मैचों में उन्होंने आठ अर्धशतक की मदद से 847 रन बनाये हैं, जिसमें नाबाद 79 रन उनका सर्वाधिक स्कोर है। टीम इंडिया में शामिल 10 क्रिकेटरों में सात ऐसे हैं जिनका यह तीसरा या उससे ज्यादा विश्व कप (टी-20) होगा। उपकप्तान केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव और ऋषभ पंत ही ऐसे क्रिकेटर हैं, जो अब तक 2021 का विश्वकप खेले हैं। रोहित के अलावा विराट कोहली (2012, 2014, 2016, 2021) और रविचंद्रन अश्विन ने चार (2012, 2014, 2016, 2021), दिनेश कार्तिक ने तीन (2007, 2009, 2010), भुवनेश्वर कुमार (2014, 2021), जसप्रीत बुमराह (2016, 2021) और हार्दिक पंड्या (2016, 2021) ने दो-दो टी-20 विश्वकप खेले हैं।

पिछले विश्व कप के नौ क्रिकेटर टीम में ऑस्ट्रेलिया खेलने जा रही भारतीय टीम में नौ क्रिकेटर ऐसे हैं, जो बीते वर्ष यूएई में हुए टी-20 विश्व कप में खेले थे। तब टीम इंडिया सुपर-12 राउंड में ही बाहर हो गयी थी। ये क्रिकेटर रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, आर अश्विन, जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार हैं। श्रेयस अय्यर और दीपक चाहर पिछले साल भी विश्व कप टीम के स्टैंडबाय में थे, इस बार भी दोनों को स्टैंडबाय में जगह मिली है।

कोहली का विश्व कप में है 76.81 का औसत : अब तक टी-20 विश्वकप खेल चुके 10 क्रिकेटरों में सबसे अच्छा प्रदर्शन विराट कोहली का रहा है। उन्होंने 21 मैचों में 76.81 की औसत से 845 रन बनाये हैं। 89 नाबाद रन उनका सर्वाधिक स्कोर रहा है। उन्होंने 10 अर्धशतक भी लगाये हैं।

टी-20 विश्व कप

भारत-पाकिस्तान मैच के सभी टिकट चंद मिनटों में ही बिके

मेलबर्न (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2022 के शुरू होने में अभी एक महीने का वक्त बचा है, लेकिन इस बड़े टूर्नामेंट को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में उत्सुकता देखी जा सकती है। इसी बीच खबर है कि भारत और पाकिस्तान के बीच 23 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर होनेवाले आईसीसी टी20 विश्व कप मैच के सभी टिकट बिक गये हैं। टी-20 विश्व कप 16 अक्टूबर से आस्ट्रेलिया में शुरू होगा जिसमें भारत और पाकिस्तान का मुकाबला आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

पांच लाख से अधिक प्रशंसकों ने खरीदे टिकट : अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार इस प्रतियोगिता के लिए अभी तक पांच लाख से अधिक प्रशंसकों ने टिकट खरीदे हैं। इनमें भारत और पाकिस्तान का मैच भी शामिल है जिसके सभी टिकट बिक चुके हैं। आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार, 'खड़े होकर मैच देखने के लिए अतिरिक्त टिकटों की व्यवस्था की गयी जो बिक्री के लिए रखे जाने के बाद मिनटों में ही बिक गये। इसमें कहा गया है कि प्रतियोगिता से पहले आधिकारिक बिक्री केंद्र शुरू किया जायेगा, जहां प्रशंसक अंकित मूल्य पर टिकटों का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

मैच के दिन स्टेडियम खचाखच भरे होंगे

आईसीसी ने कहा कि टी-20 विश्व कप में 16 अंतरराष्ट्रीय टीमों के मैच देखने के लिए 82 विभिन्न देशों के प्रशंसकों ने टिकट खरीदे हैं। आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2020 के बाद यह पहला अवसर होगा जबकि आईसीसी की किसी प्रतियोगिता में स्टेडियम खचाखच भरे होंगे। तब एमसीजी में खेले गये फाइनल मैच में 86,174 दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे। क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने कहा कि इसके अलावा सिडनी में 27 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश तथा भारत और ग्रुप ए के उपविजेता के बीच में होनेवाले मैचों के भी सभी टिकट बिक गये हैं। आईसीसी ने कहा कि आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच 22 अक्टूबर को सिडनी में, पाकिस्तान और ग्रुप ए के उपविजेता तथा भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पर्थ में 30 अक्टूबर और पाकिस्तान एवं दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन नवंबर को सिडनी में होनेवाले सुपर 12 के मैचों के कुछ टिकट ही बचे हुए हैं।

मीडिया कप फुटबॉल टूर्नामेंट-2022

टीम गंगा और दामोदर के बीच होगा खिताबी मुकाबला

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मेगा स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स में खेले जा रहे मीडिया कप फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में टीम गंगा और टीम दामोदर ने जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में अपनी जगह सुरक्षित की। गुरुवार को एथलेटिक्स प्रैक्टिस ग्राउंड में खेले गये पहले सेमीफाइनल मुकाबले में टीम गंगा ने टीम मयूराक्षी को आसानी से 2-0 से हर फाइनल में जगह सुरक्षित की। पहला हाफ काफी संघर्षपूर्ण रहा और दोनों ही टीमों को गोल करने में सफल नहीं हो पायी। दूसरे हाफ के 20वें मिनट में समीर श्रृजन ने भुवनेश्वर के पास पर शानदार मैदानी गोल दाग गंगा को बढ़त दिलायी। 9 मिनट बाद ही प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा गोल करनेवाले राजेश सिंह ने संदीप नाग के पास पर गोलकीपर को चकमा देते हुए गेंद को पोस्ट में सरका गंगा की बढ़त दोगुनी कर दी। राजेश सिंह का प्रतियोगिता में ये पांचवां गोल था। मैच इसी स्कोर पर खत्म हुआ। मैच में शानदार प्रदर्शन करनेवाले समीर श्रृजन मैन ऑफ द मैच चुने गये। टीम दामोदर और टीम अजय के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला काफी आक्रामक तरीके से शुरू हुआ। दोनों टीमों ने एक-दूसरे के गोल पोस्ट पर शुरूआती दौर में ही कई हमले किये। अजय के गोलकीपर शक्ति सिंह ने दो शानदार बचाव किये, वहीं दामोदर के आसिफ नईम ने भी एक बचाव किया। मैच के 11वें मिनट में दामोदर के शंकर ठाकुर ने शानदार गोल दागते हुए टीम को बढ़त दिलायी। मध्यांतर तक यही स्कोर रहा। मध्यांतर के बाद दोनों ही टीमों ने आक्रामक खेल जारी रखा लेकिन किसी भी टीम को गोल करने में सफलता नहीं मिल पायी। मैदान पर खराब व्यवहार के लिए आसिफ नईम को पीला कार्ड दिखाया गया। प्रतियोगिता के 14 मैचों के दौरान ये पहला मौका था जब किसी खिलाड़ी को पीला कार्ड दिखाया गया हो। शंकर ठाकुर को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

सेमीफाइनल के मैन ऑफ द मैच

- गंगा बनाम मयूराक्षी : समीर श्रृजन
- दामोदर बनाम अजय : शंकर ठाकुर

17 सितम्बर, शनिवार

खिताबी मुकाबला
शाम 7 बजे : गंगा बनाम दामोदर।

36वीं राष्ट्रीय खेल 2022 गुजरात के लिए झारखंड राज्य कुश्ती टीम घोषित

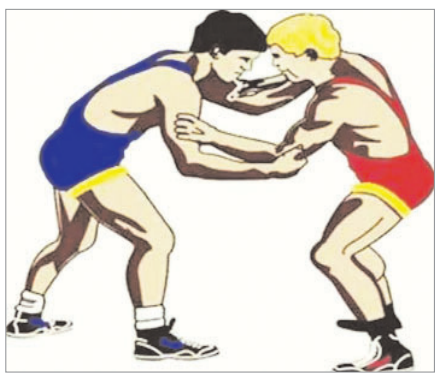

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 30 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक गांधीनगर, गुजरात मे आयोजित 36वीं राष्ट्रीय खेल मे भाग लेने से पूर्व, झारखंड राज्य के महिला एवं पुरुष कुश्ती टीम का प्रशिक्षण शिविर 16 सितम्बर 2022 से बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, रांची में आयोजित की जायेगी। प्रशिक्षण शिविर के उपरांत झारखंड कुश्ती टीम 27 सितम्बर 2022 को रांची से गांधीनगर, गुजरात के लिए रवाना होगी। प्रशिक्षण शिविर मे भाग लेने वाले कुश्ती खिलाड़ियों का चयन हुआ है, उनके नाम निम्न हैं।

पुरुष ग्रीको रोमन : अविनाश कुमार, प्रकाश सिंह बादल, राहुल कुमार, भीष्म कुमार, शुभम शर्मा, विवेक चौधरी।

स्टैंडबाय : जुगल साव, साहिल अंसारी।

पुरुष फ्री-स्टाइल : नीतीश कुमार, चंदन यादव, मुकुल मिश्रा, इंद्र बहादुर सिंह, राजीव रंजन, कौशल कुमार।

स्टैंडबाय : सत्यम सुमित्रा, अनिकेत कुमार।

महिला वर्ग : राखी तिर्की, मधु तुर्की, उत्सवी चतुर्वेदी, यशमीना खातून, पूजा रानी, ऐश्वर्या साक्षी।

स्टैंडबाय : कोमल मरांडी, सरिता उरांव।

भारत ने नेपाल को हराकर सैफ अंडर-17 खिताब जीता

नयी दिल्ली/कोलंबो (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन भारत ने कोलंबो में खेले गए फाइनल में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे नेपाल को 4-0 से करारी शिकस्त देकर सैफ अंडर-17 फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब बरकरार रखा। भारत की तरफ से बॉबी सिंह, कोरौ सिंह, कप्तान वनलालपेका गुइटे और अमन ने एक-एक गोल किया। नेपाल ने भारत को लीग चरण में 3-1 से हराया था। लेकिन फाइनल में भारतीय टीम शुरू से ही दबदबा बनाने के लिए बेताब देखी और उसने नेपाल की रक्षा पंक्ति में सेंध लगाने की अच्छी कोशिश की। बॉबी ने 18वें मिनट में हैडर से गोल दागकर भारत को शुरूआती बढ़त दिलाई। बॉबी के गोल में अहम भूमिका निभाने वाले गुइटे ने इसके 12 मिनट बाद फिर से गेंद बनाई और इस बार उनके पास पर कोरौ सिंह ने भी गोल करने में कोई गलती नहीं की। इसके बाद नेपाल गोल करने के लिए बेताब दिखा। उसके खिलाड़ियों के चेहरे पर हताशा स्पष्ट नजर आ रही थी और इसका परिणाम यह हुआ कि 39वें मिनट में उसके कप्तान प्रशांत लक्षम ने डैनी लैशराम पर कोहनी मार दी जिसके कारण उन्हें तुरंत ही लाल कार्ड दिखा दिया गया। मध्यांतर के बाद 63वें मिनट में गुइटे ने भारत की तरफ से तीसरा गोल दागा, जबकि अमन ने इंजरी टाइम में चौथा गोल करके भारत की बड़ी जीत सुनिश्चित की। भारतीय कप्तान गुइटे को टूर्नामेंट का सबसे उपयोगी खिलाड़ी आंका गया जबकि साहिल ने सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार हासिल किया। भारत के मुख्य कोच विबियानो फर्नांडीस ने अपने खिलाड़ियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ह्यमुझे अपने खिलाड़ियों पर बहुत गर्व है। उन्होंने इसके लिए कड़ी मेहनत की थी। सहयोगी स्टाफ और खिलाड़ी दोनों समान श्रेय के हकदार हैं।'

न्यूज गैलरी

सरकारों से नहीं, बाजार से तेल खरीदतीं हैं भारतीय कंपनियां

नयी दिल्ली। भारत ने रूस से तेल खरीदने के मामले में पश्चिमी देशों की आलोचना को खारिज करते हुए आज दोहराया कि देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारतीय तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजारों से पेट्रोलियम पदार्थ खरीद रहीं हैं और ये खरीद सरकारों के बीच नहीं हो रही है। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में रूस के तेल पर जी-7 देशों द्वारा मूल्य नियंत्रण लागू करने के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा, भारत जी-7 का सदस्य नहीं है। रूस के तेल पर मूल्य नियंत्रण यानी अधिकतम मूल्य तय करने के बारे में वे ही ज़्यादा अच्छे से बता सकते हैं जिन्होंने इसे सोचा है। श्री क्वात्रा ने कहा, जहां तक भारत की बात है तो हमने कई बार कहा है कि जब भी भारतीय कंपनियां बाहर जातीं हैं और भारत की ऊर्जा सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए तेल या पेट्रोलियम पदार्थ बाजार से ही खरीदती हैं। ये सौदे सरकारों के बीच नहीं किये जाते हैं।

स्पाइस जेट एयरलाइंस ने 'स्पाइसलॉक' सर्विस फिर शुरू करने का ऐलान किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सस्ती विमानन सेवा कंपनी स्पाइस जेट एयरलाइंस ने 'स्पाइसलॉक' सर्विस को फिर से शुरू करने का ऐलान किया है। दरअसल यह एक अनूठी सर्विस है। इससे यात्रियों को बिना नाम के 48 घंटे के लिए अपना वांछित किराया लॉक करने की अनुमति मिलती है। स्पाइस जेट के मुताबिक हवाई सफर करने वाले ग्राहक 99 रुपये से शुरू होने वाले मामूली शुल्क का भुगतान करके स्पाइसलॉक का विकल्प चुन सकते हैं। कंपनी की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों उड़ानों में सफर के लिए यात्री अपनी सीट सुनिश्चित करने और मूल्य सुरक्षा के लिए इस सर्विस का सेवा का आनंद ले सकते हैं। कंपनी के मुताबिक यह सर्विस उन उड़ानों के लिए लागू है, जहां यात्रा की तारीख घरेलू क्षेत्रों में बुकिंग की तारीख से कम से कम 7 दिन और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 15 दिन है। दरअसल सरकार ने जहां हवाई किराया पर कैप की सीमा हटा दी है। इसलिए कई एयरलाइंस कंपनियां हवाई सफर करने वाले यात्रियों को आकर्षित करने के लिए कई तरह के ऑफर लेकर आई हैं। स्पाइस जेट के इस ऑफर से यात्रियों को किराया महंगा होने, सीटों की उपलब्धता या सह-यात्रियों को अंतिम रूप देने की चिंता किए बिना अपनी यात्रा की योजना बनाने में मदद मिलेगी।

स्टेट बैंक ने बीपीएलआर दर 0.7 फीसदी बढ़ाई, होम लोन होगा महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सार्वजनिक क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने ग्राहकों बड़ा झटका दिया है। एसबीआई ने बेंचमार्क प्राइम लेंडिंग रेट (बीपीएलआर) में 0.7 फीसदी का इजाफा किया है। इस बढ़ोतरी के साथ बैंक का बीपीएलआर अब 13.45 फीसदी पर पहुंच गया है। एसबीआई की नई दर गुरुवार से लागू हो गई है। देश के सबसे बड़े स्टेट बैंक की आधारिक वेबसाइट पर दी जानकारी के मुताबिक इस बदलाव के साथ बीपीएलआर दर बढ़कर 13.45 फीसदी हो गई है, जो पहले 12.75 फीसदी थी। इसके अलावा बैंक ने आधार दर को भी बढ़ाकर 8.7 फीसदी कर दिया है। बैंक का बेस रेट बढ़ने के बाद लोन लेने वाले कर्जदारों की ईएमआई राशि बढ़ेगी। इससे पहले एसबीआई ने जून महीने में बीपीएलआर में बदलाव किया था। उल्लेखनीय है कि बैंक तिमाही आधार पर बीपीएलआर और आधार दर दोनों में संशोधन करता है। एसबीआई के बेस रेट और बीपीएलआर में बढ़ोतरी के बाद ऐसा माना जा रहा है कि अन्य बैंक भी दरें बढ़ा सकते हैं। एसबीआई ने अपनी बेंचमार्क उधार दरों में वृद्धि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति बैठक से हले ही की है। उम्मीद की जा रही है कि रिजर्व बैंक एमपीसी बैठक में रेपो रेट बढ़ाने का फैसला करेगा।

फूड बिजनेस को लेकर गौतम अडानी और मुकेश अंबानी आमने-सामने, अडानी ग्रुप लगाने जा रहा बड़ा दांव

अडानी अपने फूड बिजनेस को बढ़ाने की कोशिशें तेज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी विलमर लिमिटेड अपने फूड बिजनेस को तेजी से बढ़ाने के लिए एक बड़ा दांव खेलने जा रही है। कंपनी स?थानीय और ओवरसीज एक्विशन के लिए कंपनियों की तलाश कर रही है। दरअसल, मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कुछ हफ्ते पहले ही अपने कंज्युमर गुड्स बिजनेस को लॉन्च करने की घोषणा की थी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के इस ऐलान के बाद एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी ने अपने फूड बिजनेस को बढ़ाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। अडानी विलमर के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर अंगशु मलिक ने विगत बुधवार को एक इंटरव्यू में कहा कि हम अपने यूजर्स वस्तुओं की पेशकश और पहुंच को बढ़ावा देने के लिए मुख्य खाद्य पदार्थों और वितरण कंपनियों में ब्रांड हासिल करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मार्च तक कुछ कंपनियों के अधिग्रहण होने की उम्मीद है। मलिक ने फंड जुटाने के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि कंपनी ने खरीद के लिए अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश से 5 अरब रुपये (62.9 मिलियन डॉलर) जुटाएगी। इसके अलावा, अतिरिक्त फंड आंतरिक स्रोतों से आएगा और अप्रैल से शुरू होने वाले अगले वर्ष के लिए खर्च 30 अरब रुपये होंगे। गौरतलब है कि आईपीओ आने के बाद से फरवरी से अबतक कंपनी के शेयर तीन गुना हो चुके हैं। यूएन के फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, अडानी ग्रुप और मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज फूड सेक्टर का एक बड़ा हिस्सा हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह सेक्टर भारत में करीब 400 बिलियन डॉलर का है। ऐसे में इस सेक्टर में कंपनियों के अधिग्रहण को लेकर दोनों ग्रुप आमने सामने आ सकते हैं। अडानी विलमर लिमिटेड ने हाल ही में मैककॉर्मिक स्विटजरलैंड से कोहिनूर कुकिंग ब्रांड सहित कई ब्रांड हासिल किए हैं। अधिग्रहण ने अडानी विलमर को कोहिनूर के बासमती चावल और भारत में रेडी-टू-कुक, रेडी-टू-ईट करी और भोजन पर विशेष अधिकार दिया। अडनी समूह पिछले एक साल में करीब 17 अरब डॉलर मूल्य की करीब 32 कंपनियों को खरीदा है।

> अडानी विलमर के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर अंगशु मलिक ने कहा कि हम अपने खाद्य पदार्थों और वितरण कंपनियों में ब्रांड हासिल करने पर विचार कर रहे हैं।

शेयर बाजार की बढ़त पर ब्रेक, सेंसेक्स 224 अंक टूटा, निफ्टी 18,000 के करीब बंद

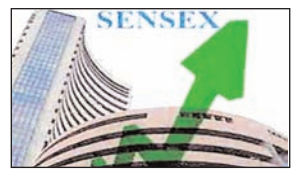

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेरिकी में महंगाई के निराशाजनक आंकड़े सामने आने और मंदी के कयासों को फिर से हवा मिलने के बीच भारतीय शेयर बाजार ने भी बुधवार को गिरावट के साथ कारोबार शुरू किया था। कारोबार के अंत तक बाजार इस गिरावट से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाया। बीएसई का सेंसेक्स 230 अंक (0.38 फीसदी) की गिरावट के साथ 60,346.97 पर और 50 शेयरों वाला निफ्टी 66.30 अंक (0.39 फीसदी) टूटकर 18,003.75 पर बंद हुआ। आज बाजार खुलते ही निवेशकों को तगड़ा झटका लगा। सेंसेक्स 1,154 अंकों की गिरावट के साथ 59,417 के स्तर पर खुला। वहीं, निफ्टी की शुरूआत 299 अंको की गिरावट के साथ 17,771 के स्तर पर हुई। आज शेयर बाजार में सुबह से ही जमकर बिकवाली हुई। हालांकि, दिन का कारोबार आगे बढ़ने के साथ बुल बाजार में एक बार वापस लौटे और खरीदारी देखने को मिली। लेकिन गिरावट इतनी अधिक हो चुकी थी बाजार बुधवार को लाल दायरे से बाहर नहीं निकल पाया। आज बाजार खुलते ही निवेशकों को तगड़ा झटका लगा। सेंसेक्स 1,154 अंकों की गिरावट के साथ 59,417 के स्तर पर खुला। वहीं, निफ्टी की शुरूआत 299 अंकों की गिरावट के साथ 17,771 के स्तर पर हुई। आज शेयर बाजार में सुबह से ही जमकर बिकवाली हुई। हालांकि, दिन का कारोबार आगे बढ़ने के साथ बुल बाजार में एक बार वापस लौटे और खरीदारी देखने को मिली। लेकिन गिरावट इतनी अधिक हो चुकी थी बाजार बुधवार को लाल दायरे से बाहर नहीं निकल पाया।

कर्ज प्राप्त करने में 85 प्रतिशत महिला उद्यमियों के सामने आई चुनौतियां : बीवाईएसटी अध्ययन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी बैंकों से कर्ज सेवाओं का लाभ उठाने में 85 प्रतिशत महिला उद्यमियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और उनमें से कम से कम 60 प्रतिशत को महत्वपूर्ण वित्तीय सेवाओं तक पहुंचने में समस्याओं का सामना करना पड़ा है। यह जानकारी भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट (बीवाईएसटी) के अध्ययन में सामने आयी। बीवाईएसटी एक सामाजिक-आर्थिक पहल है जो वंचित समुदायों के नवोदित उद्यमियों को सलाह देती है। उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चेन्नई, पुणे और दिल्ली एनसीआर में लाभदायक व्यवसाय स्थापित करने के लिए तीन साल के बीवाईएसटी महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम के दौरान सर्वेक्षण किया गया था। यह कार्यक्रम फरवरी 2019 से जुलाई 2022 तक आयोजित किया गया था। बीवाईएसटी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि जुलाई 2022 में ऊष्मायन अवधि के अंत तक लगभग 93 प्रतिशत महिला उद्यमियों के लिए प्रमुख कौशल (बैंकिंग और उद्यमिता) में काफी सुधार हुआ। एनसीआर क्षेत्र सहित तीन शहरों में कारोबार स्थापित करने के लिए 450 महिला उद्यमियों को तैयार करने का लक्ष्य था। इनकी औसत आयु 34 वर्ष थी और घरेलू आय दो लाख रुपये प्रति वर्ष से कम थी। इसके जरिये 10,350 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करने का उद्देश्य था। सभी लाभार्थियों में से कम से कम 94 प्रतिशत ने बीवाईएसटी द्वारा कई चरणों की विस्तृत व्याख्या के कारण प्रक्रिया को सुचारू पाया। विस्तृत दस्तावेजीकरण और जटिल वित्तीय शब्दजाल की आवश्यकता केवल छह प्रतिशत लाभार्थियों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हुई। बैंकिंग भागीदारों ने बताया कि उन्होंने कर्ज वितरण प्रक्रिया के दौरान बीवाईएसटी द्वारा समर्थित महिलाओं के रवैये में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा है।

दिल्ली सरकार के बिजली पर फैसले को टाटा पावर-डीडीएल का समर्थन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर-डीडीएल) ने गुरुवार को दिल्ली सरकार के फैसले स्वागत किया। सरकार ने फैसला किया है कि दिल्ली में रहने वाले लोग अक्टूबर से मुफ्त बिजली योजना का लाभ तभी ले सकते हैं जब वह इसके विकल्प को चुनते हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि टाटा पावर डीडीएल सभी पात्र ग्राहकों को एक अक्टूबर से बिजली सब्सिडी प्राप्त करने के लिए ऑप्ट-इन (आवेदन) करने का विकल्प प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, हमारे ग्राहकों के लिए इस प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। उनकी सुविधाओं के लिए हम उनसे सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए किसी भी डिजिटल विकल्प का लाभ उठाने का आग्रह करते हैं। यह विकल्प कंपनी सरकार के निर्देशों के अनुपालन में डिजिटल चैनलों जैसे व्हाट्सएप, एसएमएस, मिस्ड कॉल सेवाओं के माध्यम से प्रदान करेगी जबकि डिजिटल विकल्पों के अलावा ग्राहकों को एक यूनीक क्यूआर कोड के साथ उनके मासिक बिजली बिल के साथ सरकार द्वारा जारी सब्सिडी आवेदन पत्र (एसएएफ) प्राप्त होगा। किसी भी प्रश्न या चिंता के मामले में ग्राहक 19124 पर कॉल कर सकते हैं या हमारे ग्राहक सेवा केंद्रों पर जा सकते हैं। गौरतलब है कि राजधानी में 1 अक्टूबर से उन्हीं उपभोक्ताओं को बिजली के बिलों पर सब्सिडी मिलेगी जो इसके लिए आवेदन करके इसकी मांग करेंगे।

बिटकॉइन सहित सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में भारी गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। विगत बुधवार को क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में जबरदस्त गिरावट आई है। सभी प्रमुख क्रिप्टो कॉइन लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। सबसे ज्यादा गिरावट सोलाना में आई। यह क्रिप्टो कॉइन 12.92 फीसदी टूट गया है और अब इसका भाव 33.47 डॉलर रह गया है। में पिछले 24 घंटों में 9.26 फीसदी की गिरावट आई तो इथेरियम भी 5.80 फीसदी टूट गया है। आज EverETH कॉइन में जबरदस्त उछाल है। इसने पिछले 24 घंटों में 30 फीसदी की छलांग लगाई है। बुधवार दोपहर 12.20) बजे तक ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 6.75 फीसदी गिरावट के साथ 997.53 बिलियन डॉलर हो गया था। पिछले 24 घंटों में क्रिप्टो मार्केट वॉल्यूम में 10.94 फीसदी का उछाल आया है और 99.79 बिलियन डॉलर हो गया है। प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन के भाव में जबरदस्त गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों में 9.26 फीसदी लुढ़ककर अब यह 20,264.45 डॉलर पर कारोबार कर रही है।

फिच ने देश के आर्थिक विकास दर के अनुमान को घटाकर 7 फीसदी किया

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका देने वाली खबर है। फिच की रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए देश की आर्थिक विकास दर के पूवार्नुमान को घटाकर 7 फीसदी कर दिया है। इससे पहले एजेंसी ने जून में 7.8 फीसदी वृद्धि दर का अनुमान जताया था। रेटिंग्स एजेंसी फिच ने गुरुवार को जारी अनुमान में कहा कि ऊंची महंगाई दर की वजह से चालू वित्त वर्ष में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7 फीसदी रहेगा। फिच ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि जून में लगाए गए 7.8 फीसदी की वृद्धि दर की तुलना में अब वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इसके साथ ही एजेंसी ने कहा कि अगले वित्त वर्ष 2023-24 में भी भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.4 फीसदी के पूर्व के अनुमान के मुकाबले अब 6.7 फीसदी तक ही रहने की संभावना है। इससे पहले मूडीज इनवेस्टर सर्विस ने भी वित्त वर्ष 2022-23 के लिए विकास दर के अनुमान को घटाकर 7.7 फीसदी कर दिया था। हालांकि, वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में देश की जीडीपी वृद्धि दर 13.5 फीसदी रही है। उल्लेखनीय है कि वित्त सचिव टी वी सोमनाथन ने इसी महीने की शुरूआत में कहा था कि वित्त वर्ष 2022-23 में देश का जीडीपी 7 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर हासिल करने की ओर बढ़ रही है।

जीएसटी संग्रह अक्टूबर से 1.5 लाख करोड़ रुपये के पार जा सकता है : राजस्व सचिव

मुंबई। राजस्व सचिव तरुण बजाज ने बुधवार को कहा कि उन्हें अक्टूबर से जीएसटी (माल एवं सेवा कर) संग्रह 1.5 लाख करोड़ रुपये पार रहने की उम्मीद है। जीएसटी संग्रह पिछले छह महीनों में लगातार 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। लेकिन अबतक निरंतर आधार पर 1.5 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार नहीं किया है। अगस्त में जीएसटी संग्रह 1.43 लाख करोड़ रुपये रहा जो सालाना आधार पर 28 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, यह जुलाई में 1.49 लाख करोड़ रुपये से कम है। केवल एक बार अप्रैल, 2022 में माल एवं सेवा कर संग्रह रिकॉर्ड 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बजाज ने कहा, पिछले एक-दो महीने से हम 1.5 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं।

देश का व्यापार घाटा 139 प्रतिशत बढ़कर 27.98 अरब डॉलर पर पहुंचा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। देश में अगस्त 2022 में निर्यात के मुकाबले आयात के अधिक रहने से वाणिज्यिक वस्तुओं का व्यापार घाटा 139 प्रतिशत बढ़कर 27.98 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात में वार्षिक आधार पर 1.62 प्रतिशत की हल्की बढ़त दर्ज की गयी। अगस्त 2022 में निर्यात 33.92 अरब डॉलर रहा जो इससे एक वर्ष पूर्व 33.38 अरब डॉलर था। आलोच्य माह में 61.90 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात हुआ जो वार्षिक आधार पर 37 प्रतिशत अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2022 में पिछले वर्ष के मुकाबले निर्यात में सबसे अधिक तंबाकू में 76.4 प्रतिशत, खाद्य तेल में 73.7, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं में 50.8 और चावल में 43.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। गैर-पेट्रोलियम और गैर-रत्नाभूषण का निर्यात इस दौरान 1.64 प्रतिशत गिरकर 24.88 अरब डॉलर रहा। यह अगस्त 2021 में 25.29 अरब डॉलर था। गैर-पेट्रोलियम और गैर-रत्नाभूषण का आयात अगस्त 2022 में 37.53 अरब डॉलर पर पहुंच गया जो इससे एक वर्ष पूर्व हुए 26.69 अरब डॉलर के आयात से 40.63 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-अगस्त अवधि में वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात 17.68 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 193.51 अरब डॉलर रहा जो अप्रैल-अगस्त 2021 में 164.44 अरब डॉलर था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-अगस्त 2022 में 318.03 अरब डॉलर की वाणिज्यिक वस्तुओं का आयात हुआ जो इससे एक वर्ष पूर्व समान अवधि में हुए 218.22 अरब डॉलर के आयात से 45.74 प्रतिशत अधिक है।

ऑडिट निकाय कंपनियों को धन जुटाने में मदद के लिए निवेशकों के बीच भरोसा पैदा कर सकते हैं: एनएफआरए

नयी दिल्ली। लेखांकन और लेखा परीक्षा निकाय कंपनियों को धन जुटाने में मदद के लिए निवेशकों के बीच भरोसा पैदा कर सकते हैं। नयी दिल्ली, 14 सितंबर (भाषा) लेखांकन और लेखा परीक्षा निकाय कंपनियों को धन जुटाने में मदद के लिए निवेशकों के बीच भरोसा पैदा कर सकते हैं। राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के चेयरमैन अजय भूषण पांडेय ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि निवेशकों और कंपनियों के बीच विश्वास बनाने में लेखांकन और लेखा परीक्षा फर्मों की प्रमुख भूमिका है। पांडेय ने कहा कि भले ही एनएफआरए सिर्फ तीन साल पुराना संस्थान है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक (आईएफआरएस) और पब्लिक कंपनी अकाउंटिंग ओवरसाइट बोर्ड (पीसीएओबी) जैसे वैश्विक निकाय हैं, जो इस काम को थोड़ा आसान बनाते हैं।

पेज एक के शेष

सीएम हेमंत सोरेन...

इधर, जेएमएम के वरिष्ठ नेता और शिक्षामंत्री जगरनाथ महतो ने इस फैसले के बाद गुरुवार को पार्टी प्रमुख शिबू सोरेन से मुलाकात कर उन्हें 1932 खतियान लिखित शॉल भी ओढ़ाकर सम्मानित किया। जगरनाथ महतो ने कहा कि 1932 खतियान उनकी ही देन है। वे अपने अग्रज और देवतुल्य बाबा को कैसे भूल सकते हैं। उन्होंने ही सभी को हक और अधिकार के लिए लड़ना सिखाया था। आज समस्त झारखंडवासी गौरव और सम्मान के साथ झूम रहे हैं। इस फैसले में जेएमएम प्रमुख शिबू सोरेन का अतुल्य संघर्ष और बलिदान समाहित है।

बीजेपी की ओर...

गया है। इसे लेकर 25 अगस्त से ही तरह-तरह की चर्चा है।

कार्यपालिका और जनमानस में भ्रम की स्थिति उत्पन्न : सीएम ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के मंतव्य के संबंध में मीडिया में बीजेपी द्वारा किये जा रहे प्रचार और राजभवन सूत्रों से कथित सूचना के छनकर आने से सरकार कार्यपालिका एवं जनमानस में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जो राज्यहित एवं जनहित में नहीं है। बीजेपी इस भ्रम की स्थिति का उपयोग दल-बदल के अस्त्र के रूप में कर अनैतिक रूप से सत्ता हासिल करने का प्रयास कर रही है।

सरकार को लगभग दो तिहाई सदस्यों का समर्थन : मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी अपनी इस अनैतिक प्रयास में कभी सफल नहीं होगी, क्योंकि राज्य गठन के बाद पहली बार उनकी सरकार को लगभग दो तिहाई सदस्यों को समर्थन प्राप्त है। पांच सितम्बर को यूपीए सरकार ने विधान सभा पटल पर अपना अपार बहुमत भी साबित किया है एवं विधायकों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नेतृत्व में अपनी पूर्ण निष्ठा एवं विश्वास व्यक्त किया गया है।

बेरोजगारी व पलायन...

वर्तमान सरकार में जनता का काम हो रहा है जनता सहृदय आपके साथ खड़ी है। इस अवसर पर बोकारो जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी, दुमका जोएस बेसरा (दुमका), श्रद्धा सिंह (धनबाद), उमेश मेहता (हजारीबाग), सुधा चौधरी (रामगढ़), मसीहा पुडिया (खूंटी), किरण माला वाड़ा (गुमला), रीना भगत (लोहरदगा), रोज प्रतिमा सोरेन (सिमडेगा) निर्मला भगत (रांची), बारी मुर्मू (पूर्वी सिंहभूम), सोनाराम बोडरा (सरायकेला), शांति देवी (गढ़वा), प्रतिमा कुमारी (पलामू), पूनम देवी (लोहरदगा), मोनिका किस्कू (साहिबगंज), जोली सिस्ट मनी (पाकुड़), राधा रानी (जामताड़ा), बेबी देवी (गोड्डा), ममता कुमारी (चतरा), रामधन यादव (कोडरमा), उमेश मेहता (हजारीबाग), जिला प्रतिनिधि बोकारो चितरंजन साव, संदीप सोरेन, शेखर सिंह, सूरज सिंह, सुधीर मंडल, चंदन, राजेश वर्णवाल, विनय चौधरी, रामदेव सिंह, पवन प्रजापति, गोपाल चौधरी एवं अन्य उपस्थित थे।

सीएम का नवनियुक्त...

न्यायालय तक चला गया। आप लगातार संघर्ष करते रहे। आपकी परेशानियों को देखकर मैं भी लगातार परेशान रहा। ऐसे में आपकी समस्या का समाधान कैसे निकले, इसके लिये मैं हमेशा प्रयत्नशील रहा। अब जब आप सरकार के अंग के रुप में योगदान देंगे तो आपको जितनी खुशी हो रही है, उतना ही खुश मैं भी हूं। नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं हो, इसे हमारी सरकार हर हाल में सुनिश्चित करेगी।

सरकार के अंग के रुप में काम करनेवालों को मिलेगा हक-अधिकार : मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के अंग के रुप में काम करनेवालों को उनका उचित हक और अधिकार मिले, यह सरकार की विशेष प्राथमिकताओं में शामिल है। जो भी सरकार की व्यवस्था से जुड़कर काम कर रहे है, उनकी मांगों और समस्याओं का समाधान किया जा रहा है, क्योंकि आपके सहयोग से ही राज्य में विकास की गति को तेज किया जा सकता है। अभी भी कई चुनौतियां है, जिसे दूर करने की दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

प्रदेशभर में मनाया...

सितम्बर को इंडियन स्वच्छता लीग का आयोजन होगा जिसके लिए वॉलिंटियर्स को वेबसाइट पर निबंधन कराना है। निदेशक ने प्रदेश के शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में निबंधन करने एवं निकाय द्वारा आयोजित स्वच्छता कार्यक्रमों में भाग लेने का आग्रह किया ताकि राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे स्वच्छता लीग में अपने शहर को अव्वल बनाया जा सके। समीक्षा बैठक में विभागीय सचिव विनय कुमार चौबे, राज्य शहरी विकास अभिकरण के निदेशक अमित कुमार, रांची के नगर आयुक्त शशि रंजन, विशेष सचिव ज्ञानेंद्र कुमार, विशेष सचिव मनोहर मरांडी, सभी नगर निगमों के नगर आयुक्त, सूडा के उपनिदेशक कृष्ण कुमार, सहायक निदेशक आशीष कुमार और सभी निकायों के कार्यपालक पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके साथ ही नगर विकास एवं आवास विभाग, राज्य शहरी विकास अभिकरण, नगरीय प्रशासन निदेशालय के पदाधिकारी मौजूद थे।

1932 खतियान आधारित...

लागू करिये। हालांकि, निशिकांत दूबे ने यह भी कहा कि 1932 खतियान के अनुसार झारखंड के मंत्री चंपई सोरेन, बन्ना गुप्ता, मिथिलेश ठाकुर, हफीजुल अंसारी, आलमगीर आलम और जोबा मांझी भी सरकार में रहने लायक नहीं हैं। उन्होंने बताया कि सरायकेल और मधुपुर 1956 में हमारे पास आया, इसके पहले यह ओडिशा और पश्चिम बंगाल का हिस्सा था। पाकुड़ का सर्वे नहीं हुआ, शहर में रहनेवाले कोई भी 1932 के खतियानी नहीं है। धनबाद जिला भी 1956 में बंगाल से बिहार में मिला।

हाईकोर्ट 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति व 73 प्रतिशत आरक्षण कर चुका है खारिज : वर्ष 2002 में तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने जल संसाधन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना को आधार बनाते हुए 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति को लागू किया। वहीं, 72 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान लागू किया गया। बाद में इसे हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था।

जांच के लिए...

भेसोदा गांव में संयुक्त परिवार में रहनेवाली लिपाक्षी पाटीदार किसान बद्रीलाल पाटीदार की बेटी हैं। लिपाक्षी ने कक्षा दसवीं के बाद से ही डॉक्टर बनने का सपना देखा था। दसवीं में उसे 87 प्रतिशत व पांच विषय में डिस्टिंक्शन और बारहवीं में 80 प्रतिशत व सभी विषय में डिस्टिंक्शन मिली थी। उसने कोटा जाकर नीट एग्जाम की तैयारी की। जुलाई में एग्जाम हुई, सितम्बर में रिजल्ट आया। रिजल्ट देखकर उसके होश उड़ गये। हालांकि, छात्रा ने हिम्मत नहीं हारी और जबलपुर हाईकोर्ट का दरवाजा तो खटखटाया ही है साथ ही फिर से एग्जाम की तैयारी में लग गयी है। लिपाक्षी ने बताया कि एडवोकेट धमेंद्र चेलावत के जरिये इस मामले में हाईकोर्ट में चुनौती दी है। छात्रा की मांग है कि हाई लेवल कमेटी बनाकर असल दस्तावेज की जांच करायी जाये। छात्रों को न्याय की उम्मीद है। लिपाक्षी ने कोर्ट के सामने कई तथ्य भी रखे हैं। छात्रा का कहना है कि जब उसने 161 प्रश्न हल किये हैं तो ओएमआर सीट खाली कैसे दिख रही। छात्रा ने एग्जाम के दिन के दस्तावेज भी डाउनलोड किये हैं तो उसमें अंतर दिखा। लिपाक्षी पाटीदार का कहना है कि एग्जाम सेंटर के पर्यवेक्षकों ने दो घंटे के अंतराल में साइन किये थे, लेकिन मेरी शीट पर दोनों का समय समान है। बॉक्स में मैंने अंगूठा भी लगाया था, तो वह बॉक्स की लाइन पर आ गया था। जो शीट डाउनलोड की है, उसमें अंगूठा ठीक बीच में लगा हुआ है। साइन भी कॉपी की हुई लग रही है। लिपाक्षी को आशंका है कि इसमें कुछ फर्जीवाड़ा हुआ है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो आतंकी मार गिराये

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के नौगाम थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में अलकायदा से संबद्ध अंसार गजवात-उल हिंद (एजीयूएच) के दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों की शिनाख्त एजाज रसूल नजर और शाहिद अहमद उर्फ अबू हमजा के रूप में हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर नौगाम थानाक्षेत्र के डांगेरपोरा इलाके में सुरक्षाबलों ने तलाशी एवं घेराबंदी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी जिसके बाद उन्होंने भी जवाबी कार्रवाई की और फिर दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि इस अभियान में दो आतंकवादी मारे गए।

कनाडा : खालिस्तानियों ने मंदिर की दीवार पर लिखे भारत विरोधी नारे

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा के खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा टोरंटो के एक प्रमुख हिंदू मंदिर पर भारत विरोधी नारे लिखने का मामला सामने आया है। भारत ने इस घटना को घृणा अपराध करार देते हुए कनाडाई अधिकारियों से आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। टोरंटो के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में यह घटना कब हुई, फिलहाल इस बारे में पता नहीं चल पाया है। टोरंटो स्थित भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, 'हम टोरंटो के बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को भारत विरोधी भित्तिचित्रों से विरूपित किए जाने की घटना की कड़ी निंदा करते हैं। कनाडा के अधिकारियों से घटना की जांच करने और आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।' वहीं, कनाडाई सांसद चंद्र आर्या ने ट्विटर पर कहा, 'कनाडा के खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा टोरंटो के बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर को विरूपित किए जाने की घटना की सभी को निंदा करनी चाहिए। यह सिर्फ एक अकेली घटना नहीं है। कनाडा के हिंदू मंदिरों को हाल के दिनों में इस तरह के कई घृणा अपराधों का सामना करना पड़ा है। इन घटनाओं को लेकर कनाडा के हिंदुओं की चिंताएं जायज हैं।'

पुतिन संग मिलकर दुनिया में एक नयी ताकत खड़ा करना चाहते थे शी जिनपिंग

समरकंद (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को 200 से ज्यादा दिन हो चुके हैं। इस जंग में रूसी सेना को कई जगहों पर हार का मुंह देखना पड़ा है। इस युद्ध के बीच ही रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन, उज्बेकिस्तान पहुंचे हैं। पुतिन, शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन के सम्मेलन के लिए गए हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी यहां पहुंच चुके हैं। कोविड-19 की वजह से जिनपिंग पूरे दो साल के बाद किसी विदेशी दौरे पर पहुंचे हैं। पुतिन और जिनपिंग दुनिया के शायद ऐसे नेता हैं जिन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय नियमों को मानने से इनकार कर दिया है। साथ ही ये दोनों अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक नए ग्रुप की शुरूआत चाहते हैं। दोनों ही नेता नाटो के विस्तार के विरोध में हैं। मगर यह भी सच है कि यूक्रेन में मिली हार जिनपिंग को परेशान कर रही है।

साझा बयान में कही कई बातें : पुतिन इस साल फरवरी में बीजिंग गए थे और जिनपिंग ने काफी गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। सात महीने बाद दोनों नेता फिर से मिल रहे हैं। यूक्रेन युद्ध से तीन हफ्ते पहले चीन ने शीत ओलंपिक्स की मेजबानी की थी। जब बीजिंग में इनकी मुलाकात हुई तो किसी को भी पता नहीं लग पाया कि किन मुद्दों पर इन्होंने चर्चा की है। जिस समय पश्चिमी देशों ने शीत ओलंपिक्स का बायकॉट किया, पुतिन ने अपनी मौजूदगी से उसे एक नया रंग दे दिया था। माना जाने लगा था कि दोनों नेता विश्व राजनीति में एक नए युग की शुरूआत कर सकते हैं। 5000 शब्दों के एक साझा बयान में दोनों नेताओं ने उस दोस्ती का ऐलान किया जिसकी कोई सीमा नहीं थी। इसके साथ ही दोनों ने अमेरिका और उसके साथियों से जुड़ी आपसी शिकायतों का भी जिक्र किया। जो साझा बयान आया उसमें कहा गया, 'दुनिया एक बड़े बदलाव से गुजर रही है। इसके साथ ही वैश्विक प्रशासन के ढांचे को भी बदलने की जरूरत है। अब जिनपिंग यूक्रेन युद्ध के नतीकों को देखकर परेशान हैं। रूस जीत से कोसो दूर है और इसकी सेनाएं थक चुकी हैं। सेना का मनोबल तो गिर ही गया है साथ ही साथ कई जगहों से सैनिक मोर्चे को छोड़कर भाग रहे हैं। यही बात जिनपिंग को डरा रही है। जिनपिंग के नेतृत्व में रूस के करीब होना यानी चीन का युद्ध के नतीजों में सीधा हिस्सा होना था। अब एक हारा हुआ रूस पश्चिमी देशों की ताकत तो बन सकता है लेकिन चीन के लिए यह किसी काम का नहीं रहेगा।

मोदी, पुतिन, जिनपिंग को साथ ला रहा एससीओ शिखर सम्मेलन

समरकंद (एजेंसी)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मलेन का आयोजन उज्बेकिस्तान के प्राचीन शहर समरकंद में हो रहा है। इसमें मोदी, पुतिन और जिनपिंग के अलावा पाकिस्तान और ईरान समेत यूरोप और एशिया के कई देशों के नेता हिस्सा लेंगे। मुख्य सम्मलेन शुक्रवार 16 सितम्बर को होगा लेकिन सम्मेलन पर ज्यादा ध्यान यूक्रेन युद्ध के बीच वहां पुतिन की मौजूदगी की वजह से बना रहेगा। सामरिक समीक्षकों में विशेष रूप से पुतिन की जिनपिंग और मोदी से मुलाकात को लेकर दिलचस्पी है। साथ ही लोगों में मोदी और जिनपिंग के बीच बातचीत की संभावना को लेकर भी उत्सुकता हैं।

मोदी की मुलाकातों पर नजर : यूक्रेन युद्ध की शुरुआत से ही भारत रूस के हमले की निंदा नहीं करने और रूस से व्यापारिक रिश्ते और गहरे करने के लिए पश्चिमी देशों की आलोचना का सामना कर रहा है। ऐसे में युद्ध के बाद मोदी और पुतिन की पहली मुलाकात में दोनों नेता क्या बातें करेंगे, यह देखने लायक होगा। पुतिन के लिए यह सम्मलेन यह दिखाने का मौका है कि रूस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पूरी तरह से अलग-थलग नहीं किया जा सकता है। रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले की वजह से अमेरिका और यूरोप ने रूस पर कई प्रतिबंध लगाये हुए हैं और इस दिशा में उन्हें भारत का भी साथ मिलने की अपेक्षा रही है। भारत ने लगातार युद्ध की निंदा तो की है, लेकिन रूस की नहीं। उल्टा पश्चिमी देशों के बहिष्कार के बीच रूस ने भारत को सस्ते दामों पर कच्चा तेल और अन्य उत्पाद बेचने की पेशकश की तो भारत ने इसे स्वीकार कर लिया। बीते छह महीनों में भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल के कुल भंडार में रूसी तेल की मात्रा में बहुत बढ़ोतरी हुई है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल और गैस के दाम के आसमान पर होने का असर बताया था। जयशंकर ने कहा था कि इन हालात में हर देश स्वाभाविक रूप से कोशिश करेगा कि वो अपने नागरिकों को सबसे अच्छा सौदा दिलवा पाये और ऊर्जा के बढ़े हुए दामों के असर को थोड़ा कम कर पाये।

राजनाथ सिंह ने अमेरिकी रक्षा मंत्री से की बात

पाकिस्तान को एफ-16 के लिए भेजी जा रही मदद पर जतायी चिंता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से बातचीत में पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमान बेड़े के रख-रखाव के लिए पैकेज देने के अमेरिका के फैसले पर भारत की ओर से चिंता प्रकट की। सिंह ने ऑस्टिन से फोन पर बातचीत की और इस मुद्दे पर चिंता प्रकट की। रक्षा मंत्री ने ट्विटर पर लिखा कि पाकिस्तान के एफ-16 विमानों के बेड़े के लिए पैकेज प्रदान करने के अमेरिका के हालिया फैसले पर भारत की ओर से चिंता प्रकट की। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले को पलटते हुए पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमान के बेड़े के रख-रखाव के लिए 45 करोड़ डॉलर की वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है।

टेलीफोन पर अच्छी और लाभप्रद बातचीत हुई : राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने कहा कि अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से टेलीफोन पर अच्छी और लाभप्रद बातचीत हुई। हमने रणनीतिक हितों और विस्तृत रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग के बढ़ते तालमेल पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमने तकनीकी और औद्योगिक साझेदारी बढ़ाने के तरीकों एवं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में सहयोग की संभावना पर भी चर्चा की। सिंह ने कहा कि वह भारत-अमेरिका साझेदारी को और मजबूत करने के लिहाज से अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन के साथ बातचीत जारी रखने के लिए आशान्वित हैं।

जम्मू-कश्मीर में एक और दर्दनाक हादसा

राजौरी में बस खाई में गिरी, पांच की मौत

श्रीनगर (एजेंसी)। गुरुवार को मंझाकोट में एक दर्दनाक हादसा पेश आया। सवारियों से भरी बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 घायल हो गये। जानकारी के अनुसार मंझाकोट तहसील में डेरी रलयोट के पास एक बस बेकाबू होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसा इतना भयानक था कि चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस के साथ मिलकर बचाव कार्य चलाया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान चार लोगों की मौत हो गई। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में बुधवार को एक मिनी बस के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार 11 लोगों की

मौत हो गई, जबकि 29 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, बस गली मैदान से पुंछ की तरफ जा रही थी और सुबह 8.30 बजे सावजियान के सीमावर्ती इलाके में बरारी नाले के पास यह हादसे की शिकार हो गई। सेना, पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों ने क्षेत्र में तत्काल एक संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया गया था। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने प्रत्येक मृतक के परिवार के सदस्यों को 5-5 लाख रुपए की राहत राशि देने की घोषणा की। इसके साथ ही अधिकारियों को घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने का भी निर्देश दिया।

अनुच्छेद-370 जम्मू-कश्मीर का विकास नहीं रोकता : आजाद

श्रीनगर (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद ने बुधवार को कहा कि अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर के विकास में बाधा नहीं था और दावा किया कि तत्कालीन राज्य ने 30 सूचकांकों पर राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन किया था। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि उन्होंने कभी अनुच्छेद-370 की बहाली की संभावना से इनकार नहीं किया, लेकिन कहा कि यह एक समय लेनेवाली प्रायिा हो सकती है और केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही ऐसा तुरंत कर सकते हैं। आजाद ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह (अनुच्छेद 370) बाधा नहीं था। (जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री के तौर पर) मैंने तीन-पालियों (शिफ्ट) की कार्य प्रणाली शुरू की, विधानसभा की बैठकें सप्ताह में छह दिन आयोजित की गयी, सड़कें बनायीं गयीं, स्कूलों और कॉलेजों का एक तंत्र बनाया गया तथा पर्यावरण संबंधी मंजूरी दी गयी। हाल ही में कांग्रेस छोड़ने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने अनुच्छेद-370 पर संसद में भी मोदी का विरोध किया था।

क्या अडानी शेयर बाजार के सहारे विश्व के तीसरे नं. के उद्योगपति?

- आरएनएम

नयी दिल्ली। नेटवर्थ के मामले में एलन मस्क व जेफ बेजोस के बाद विश्व के तीसरे सबसे धनी व्यक्ति अडानी बन गये हैं। लेकिन कर्ज देखा जाये तो अडानी की कंपनी समूह पर कुल कर्ज. बढ़कर 2.6 लाख करोड़ रुपये हो गया है। ऐसे में कुछ-कुछ गणित व वित्त जानने वालों के लिए माथापच्ची का विषय है कि इतने कर्ज के बावजूद गौतम अडानी का नेटवर्थ 12 लाख करोड़ रुपये कैसे है? इस बारे में व्यपारियों व राजनेताओं का कहना है कि इस नेटवर्थ को गुब्बारे की तरह फुलाने में बड़ा हाथ शेयर बाजार का है। क्योंकि, किसी भी बड़े सेठ की नेटवर्थ में उसकी कंपनियों के उन शेयर की कीमत भी शामिल होती है, जो वह अपने पास रखता है। बाजार में शेयर की कीमत, जिसे मार्केट कैपिटल भी कहते हैं, बढ़े तो अडानी का नेटवर्थ भी बढ़ेगी। वित्त विशेषज्ञों का मानना है कि किसी कंपनी की वित्तीय तंदरूस्ती जांचने के लिए मार्केट कैप नहीं बल्कि रेवेन्यू बेहतर पैमाना है। यही कारण है कि फॉर्च्यून मैग्जीन अपनी ग्लोबल 500 की सूची में कंपनियों को रैंकिंग उनके रेवेन्यू के आधार पर देती है। यहीं अचरज करनेवाला तथ्य यह सामने आता है कि विश्व के तीसरे नंबर के धनी मानुष होने वाले अडानी की एक भी कंपनी फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में क्यों नहीं है?

मालूम हो कि भारत की नौ कंपनियां इस सूची में हैं, जिसमें से सबसे आगे सरकारी कंपनी एलआईसी है, जिसके भी ज्यादातर शेयर प्राइवेट कंपनियों को बेचने का उपक्रम शुरू हो गया है। गौतम अडानी की नेटवर्थ का टीला बनाने वाली उनकी कंपनियों के मार्केट कैपिटल और उनके रेवेन्यू में कितना अंतर है और उनकी जो कंपनियां रेवेन्यू के मामले में आगे हैं उनके मार्केट कैपिटल का क्या हाल है।

फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची में पांच देशों की सबसे ज्यादा कंपनियां -

देश	फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनियां
चीन	145
अमेरिका	124
जापान	47
जर्मनी	28
फ्रांस	25
यूके	18

मार्केट कैपिटल का मतलब होता है, बाजार को कंपनी पर कितना भरोसा है। स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाली हर कंपनी अपने कुछ प्रतिशत शेयर निवेशकों के लिए जारी करती है। कंपनी के प्रदर्शन और उसकी साख या शेयर के दाम में तेजी से चाहे कंपनी मालिक के सत्ता के खास होने या अन्य के सहारे तेजी से बढ़ने पर या उसके आधार पर निवेशक इन शेयर को लाभ पाने के लिए खरीदते हैं। निवेशकों की खरीद-फरोख्त ही इन शेयर की कीमत तय करती है। ऐसे में मार्केट कैपिटल कंपनी के सभी शेयर की कुल कीमत होती है। यदि किसी कंपनी ने 2000 शेयर जारी किए हुए हैं और एक शेयर की कीमत 300 रुपए है, तो सामान्य अर्थों में उसका मार्केट कैप 6 लाख रुपए माना जा सकता है। यह मार्केट कैप कंपनी की आय में नहीं शामिल होता है, लेकिन यह लोगों का कंपनी पर भरोसा बताता है। अडानी एंटरप्राइजेज के एक शेयर की कीमत 14 सितम्बर को स्टॉक मार्केट बंद होते समय 3,573 रुपए थी।

नेटवर्थ होता है- कुल आय+कुल संपत्ति - कुल कर्ज+कुल लायबिलिटी : ऐसे में किसी व्यक्ति का नेटवर्थ निकालने के लिए उसकी खुद की आय और उसके अपने नाम पर जो संपत्तियां हैं, उनकी कीमत का योग निकाला जाता है। फिर इस राशि में से वह कर्ज या लायबिलिटी घटाई जाती है जो उसके अपने नाम पर है। गौतम अडानी के नेटवर्थ के लिए उन्हें अपनी कंपनी से मिलने वाली तनख्वाह, उनके नाम पर लिए गए घर या अन्य प्रॉपर्टी, गाड़ियां सभी की कीमत जोड़ी जाएगी। साथ ही उन शेयर्स की कीमत भी जोड़ी जाएगी जो उनके नाम पर हैं। हालांकि, जब कर्ज और लायबिलिटी की बात आएगी तो सिर्फ वही कर्ज या लायबिलिटी गिने जाएंगे जो उनके खुद के नाम पर हैं। अडाणी समूह का कर्ज कंपनी का है, गौतम अडानी का निजी कर्ज नहीं है। फॉर्च्यून की 2022 की सूची में 9 भारतीय कंपनियां हैं, जिनमें दो टाटा ग्रुप की हैं। रिलायंस की फ्लैगशिप कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और गोल्ड एक्सपोर्टर राजेश एक्सपोर्ट्स भी लिस्ट में हैं। इसके अतिरिक्त इस सूची में सभी भारतीय कंपनियां पब्लिक सेक्टर की हैं। रेवेन्यू के मामले में भारत की सबसे बड़ी कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन है। जबकि सूची में अडानी समूह की एक भी कंपनी नहीं है। एलआईसी ने अडानी समूह की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के लगभग चार प्रतिशत और रिलायंस इंडस्ट्रीज के लगभग 7.5 प्रतिशत शेयर लिये हैं। यदि विश्व स्तर पर देखें तो इस सूची में सबसे ज्यादा चीन की 145 कंपनियां हैं। अमेरिका की 124 व जापान की 47 कंपनियां हैं। इस सूची की 500 कंपनियों का कुल रेवेन्यू 37.8 लाख करोड़ डॉलर है, जो ग्लोबल जीडीपी के एक-तिहाई से ज्यादा है।

अजब-गजब : बाढ़ में फंसे पाकिस्तानियों का घर छोड़ने से इनकार, कहा -

कैंप में रहेंगे तो घर की महिलाएं दूसरे मर्दों के संपर्क में आयेंगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में भीषण बाढ़ के कारण हालात बेहद खराब है। लाखों लोगों के घर-बार बाढ़ के पानी में समाए हुए हैं। ऐसे लोगों

- पाकिस्तान में बाढ़ से भीषण तबाही, कई गांव अब भी पानी में डूबे
- महिलाओं को घर छोड़ने की इजाजत नहीं दे रहे गांव के पुरुष

को प्रशासन ने बाढ़ वाले इलाकों से दूर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है। इसके बावजूद कई लोग ऐसे हैं, जिन्होंने बाढ़ के पानी में डूबे होने के बावजूद अपने घरों को छोड़ने से इनकार कर दिया है। इन लोगों का तर्क है कि कैंप में जाकर

रहने से हमारे घरों की महिलाएं बाहरी पुरुषों के संपर्क में आ जायेंगी। इससे उनके सम्मान का हनन होगा। ऐसे में उन्होंने बाढ़ के पानी में ही जिंदगी गुजर-बसर करने का फैसला किया है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया है कि अधिकतर इलाकों से बाढ़ का पानी निकलने में तीन से छह महीनों का समय लग सकता है। ऐसे में लोगों को लंबे समय तक मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। पाकिस्तान के छोटे से गांव बस्ती अहमद दीन के 400 निवासी बाढ़ के कारण भुखमरी और बीमारी का सामना कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने घर छोड़ने से साफ इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि राहत शिविर के लिए जाने का मतलब होगा कि गांव की महिलाएं अपने परिवार के बाहर के पुरुषों के साथ घुलमिल जाएंगी और इससे उनके सम्मान का हनन होगा। 17 साल की शिरीन बीबी से जब पूछा गया कि क्या वह सूखी जमीन पर कैंप की सुरक्षा में जाना पसंद करेंगी, तो उन्होंने कहा कि यह तय करना गांव के बुजुर्गों पर निर्भर है। बाढ़ के कारण पंजाब प्रांत के रोझन इलाके में स्थित बस्ती अहमद दीन के 90 में से आधे से ज्यादा घर तबाह हो गए हैं। इस साल मानसूनी बारिश के कारण पाकिस्तान का एक तिहाई हिस्सा बाढ़ का सामना कर रहा है।

एक पाकिस्तानी बोला- मरना पसंद करेंगे

इस बस्ती के निवासी मुहम्मद आमिर ने अपने जातीय समूह का जिक्र करते हुए कहा कि हम बलूच हैं। बलूच अपनी महिलाओं को बाहर जाने की अनुमति नहीं देते हैं। बलूच अपने परिवारों को बाहर जाने देने के बजाय भूखे मरना और करना पसंद करेंगे। पाकिस्तान के अधिकतर इलाकों में महिलाओं के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता है। उनकों पुरुषों के बराबर न तो हक दिया जाता है और ना ही सम्मान। यहां तक कि महिलाओं को गैर मर्दों के साथ बात करने की भी मनाही होती है। परिवार के बजाए अपनी पसंद के किसी व्यक्ति से शादी करने पर लड़कियों की हत्या कर दी जाती है।